{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 25 अगस्त 2026
श्रावण शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 331
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,540.83
निफ्टी	-	24,252.00
सोना	-	1,47,100
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	95.69

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

क्लोरीन गैस लीक, 40 से ज्यादा लोग बीमार

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर के गोधनी इलाके में देर रात करीब 1 बजे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन गैस लीक हो गई। 900 किलो क्षमता वाले सिलेंडर से गैस निकलकर आसपास के रिहायशी इलाकों में फैल गई। इससे 40 से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ गई। कई लोगों को खांसी और सांस लेने में परेशानी हुई। पुलिस और प्रशासन ने आसपास के लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम की फायर ब्रिगेड, ऑरेंज सिटी वाटर और ह्ष्ठक्रस्न की टीमें मौके पर पहुंचीं। कुछ लोगों को स्पर्श अस्पताल और मेयो अस्पताल ले जाया गया। करीब साढ़े चार घंटे चले ऑपरेशन के बाद गैस रिसाव की तीव्रता कम हुई। टीम ने सिलेंडर को निकालकर कास्टिक सोडा वाले पानी के टैंक में डुबो दिया, जिससे जहरीली गैस को न्यूट्रलाइज किया जा सके।

चाइल्ड यूनिट में आग, 3 नवजातों की मौत

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के एनआईसीयू में सोमवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। हादसे में 3 नवजातों की मौत हो गई। घटना अस्पताल की तीसरी मंजिल पर हुई, जहां आग के बाद धुआं फैल गया। उस समय एनआईसीयू में 39 नवजात भर्ती थे। आग लगते ही डॉक्टरों, नर्सों और अस्पताल कर्मचारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर कई बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के मुताबिक, एनआईसीयू के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग की चपेट में आने से इनमें से 3 की मौत हो गई, जबकि बाकी 6 को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन 6 बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में एनआईसीयू में लगे वेंटिलेटर के अंदर धमाके के बाद आग लगने की आशंका है।

गोलीबारी में सीआरपीएफ जवान घायल

इंफाल। मणिपुर के सेनापति जिले में दो गुटों के बीच गोलीबारी में सीआरपीएफ का जवान घायल हो गया और कई घर जला दिए गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सडक़ें जाम कर दीं। पुलिस ने बताया कि सोमवार को उपद्रवियों ने कांगपोकपी जिले के तापहोउ कुकी गांव में तडक़े करीब 2.30 बजे एक घर में आग लगा दी। घटना के बाद, सुबह 4 बजे सेनापति जिले के नागा तापहोउ में कई घर जला दिए गए। सुबह करीब 9.20 बजे तापहोउ नागा इलाके में दो गुटों के बीच गोलीबारी में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया।

कुछ ना कहना

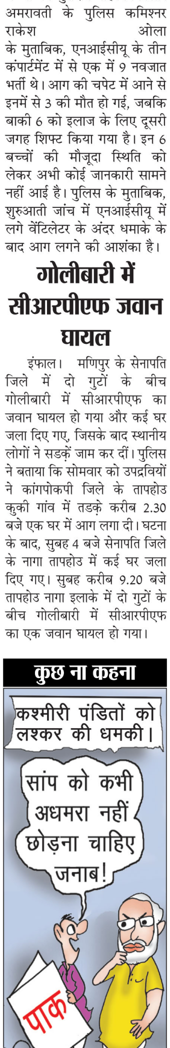

सीजेपी ने देशव्यापी आंदोलन का किया आह्वान

5 सितंबर को इंडिया गेट से शुरू होगा मार्च

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पांच सितंबर 2026 को नई दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शन मार्च का एलान किया है। संगठन के मुताबिक मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। सीजेपी का आरोप है कि 25 जुलाई को युवाओं से किए गए आश्वासनों के बाद देशभर में चल रहा युवा आंदोलन भरोसे के आधार पर वापस लिया गया था, लेकिन एक महीने बाद भी सरकार की ओर से ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। संगठन का कहना है कि इसी वजह से युवाओं को दोबारा लोकतांत्रिक तरीके से सडक़ पर उतरना पड़ रहा है। सीजेपी के राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में 25 जुलाई को किए गए कथित वादों की प्रगति की समीक्षा की गई। संगठन का दावा है कि केंद्र सरकार और भाजपा तथा राजग शासित राज्यों ने युवाओं को जो भरोसा दिया था, उसे पूरा करने की दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। सीजेपी ने आरोप लगाया कि सरकार कार्रवाई में देरी कर रही है और तकनीकी कारणों का सहारा लेकर स्पष्ट जवाब देने से बच रही है। संगठन के अनुसार, युवाओं ने सरकार के आश्वासनों पर भरोसा करके अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन वापस लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगी थी एफआईआर की पूरी सूची

सीजेपी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को केंद्र से छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर की लिस्ट मांगी थी। पार्टी का दावा है कि कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत इन मामलों को रद्द करने पर विचार कर सकता था। सीजेपी का आरोप है कि केंद्र ने एफआईआर की सूची देने की स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई। पार्टी ने इसे आंदोलन खत्म कराने से पहले किए गए वादों से पीछे हटने का संकेत बताया।

वादे पूरे होने तक पीछे नहीं हटेंगे

सीजेपी नेताओं सौरव दास और रत्ना सिंह ने कहा कि सरकार को आंदोलन खत्म होने के बाद किए गए वादे पूरे करने चाहिए। सभी एफआईआर वापस लेनी चाहिए और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई रोकनी चाहिए। वहीं, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने सभी राज्यों के शिक्षा मंत्रियों को लेटर लिखा है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं, इसकी जानकारी दें।

मार्च में कौन-कौन शामिल होगा?

सीजेपी के अनुसार, इस मार्च की अगुवाई नीट से जुड़े मृत छात्रों के परिवार और कथित पुलिस ज्यादती के पीड़ित परिवार करेंगे। इनके साथ छात्र, युवा संगठन और देशभर से युवा नागरिकों के शामिल होने की अपील की गई है। संगठन ने कहा है कि प्रदर्शन का उद्देश्य किसी तरह का हिंसक टकराव नहीं, बल्कि सरकार से अपने वादे पूरे करने की मांग करना है। सीजेपी ने युवाओं और छात्र संगठनों से 5 सितंबर को इंडिया गेट पहुंचने और शांतिपूर्ण तरीके से मार्च में शामिल होने की अपील की है।

सरकार पर क्या आरोप लगा रहा है सीजेपी?

सीजेपी का आरोप है कि सरकार ने 25 जुलाई को सार्वजनिक रूप से किए गए आश्वासनों के बाद युवाओं को घर लौटने के लिए भरोसा दिया, लेकिन अब उन वादों पर पीछे हटती दिखाई दे रही है। संगठन ने कहा कि युवाओं के भरोसे को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। सीजेपी के मुताबिक, एक पूरी पीढ़ी ने सरकार की बात पर भरोसा करके आंदोलन वापस लिया था और अब वह अपने वादों को पूरा करने की मांग कर रही है।

क्या मार्च को शांतिपूर्ण रखने का दावा किया गया है?

सीजेपी ने स्पष्ट किया है कि 5 सितंबर का मार्च शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक रहेगा। संगठन का कहना है कि परिवारों और युवाओं की मौजूदगी इस आंदोलन को अपनी मांगों के प्रति गंभीर बनाएगी। सीजेपी ने कहा कि जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, वे मार्च की अगली कतार में होंगे और पुलिस कार्रवाई के पीड़ित उनके साथ चलेंगे। संगठन ने युवाओं से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील करते हुए सरकार से 25 जुलाई के आश्वासनों को पूरी तरह लागू करने की मांग की है।

ममता बनर्जी राजनीति से नहीं लेंगी संन्यास, कहा

भाजपा को हाशिए पर धकेलने तक नहीं रुकूंगी

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि वह राजनीति से संन्यास नहीं लेंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा को हाशिए पर पहुंचाने तक वह नहीं रुकेंगी। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं राजनीति से संन्यास नहीं ले रही हूं। जब तक भाजपा को गुमनामी में नहीं धकेल दूंगी, तब तक नहीं रुकूंगी। सिर्फ चार महीनों में ही बंगाल के लोगों को भाजपा का असली चेहरा समझ आ गया। ममता ने फेसबुक लाइव में कहा कि जनगणना की प्रक्रिया राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर लागू करने की कोशिश है, जिसे राजनीतिक दलों से सलाह किए बिना लागू किया गया है।

ममता ने कहा कि जनगणना फॉर्म पर दस्तखत किए और निजी जानकारी देने से पहले लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए; ऐसा न करने पर उनकी निजी बचत खत्म हो सकती है। एफआईआर ने गैर-कानूनी तरीके से लाखों असली वोटरों के नाम हटा दिए हैं; अगर ज़रूरत पड़ी, तो उन्हें वोटर लिस्ट में शामिल कराने के लिए फिर से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

अन्नपूर्णा भंडार योजना पर बीजेपी सरकार को घेरा

ममता ने आरोप लगाया कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों में महिलाएं अन्नपूर्णा भंडार आर्थिक सहायता योजना का पैसा मिलने में कथित देरी के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। राज्य की बीजेपी सरकार अपात्रता का बहाना बनाकर लाभार्थियों की संख्या घटा रही है। ममता ने कहा हमने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए लक्ष्मी भंडार योजना शुरू की थी, लेकिन बीजेपी अन्नपूर्णा भंडार का पैसा देने के लिए धर्म और नस्ल को आधार मान रही है। बीजेपी चुनाव से पहले सभी महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना का पैसा देने का वादा कर अब उन्हें धोखा दे रही है। बीजेपी ने जाधवपुर यूनिवर्सिटी में तोड़-फोड़ करवाई; भले ही वहां के कुछ छात्रों से हमारे मतभेद हों, फिर भी हम उनका सम्मान करते हैं।

जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ यौन उत्पीडऩ के आरोपों पर स्वत: संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट बोला

महिला प्रदर्शनकारियों से यौन उत्पीडऩ की होगी जांच

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ यौन उत्पीडऩ के आरोपों पर स्वत: संज्ञान लेने की मांग वाली याचिका पर विचार किया। सीनियर एडवोकेट शोभा गुप्ता ने शीर्ष अदालत से ऐसा सिस्टम बनाने का आग्रह किया जिसके जरिए कथित पीड़ित सीधे हाई-पावर्ड इंक्वायरी कमेटी को अपनी शिकायतें सौंप सकें। इस मामले में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने सोमवार को अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि प्राथमिकता से इसकी जांच होगी।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस हिंसा के आरोपों की जांच के लिए बनाई गई हाई-पावर्ड जांच समिति को महिला प्रदर्शनकारियों के साथ हुए यौन उत्पीडऩ की शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा कि पिछले हफ्ते जारी आदेश के अनुसार, समिति को यौन उत्पीडऩ की शिकायतों पर जल्द से जल्द एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपनी होगी। उन्होंने ये बातें तब कहीं जब सीनियर एडवोकेट शोभा गुप्ता ने मामले पर सुप्रीम कोर्ट से स्वत: संज्ञान लेने का अनुरोध किया। वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता ने कहा कि पुलिस अधिकारियों की ओर से महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की व्यापक रूप से रिपोर्ट की गई शिकायतें हैं। लड़कियां दावा कर रही हैं कि उनका यौन उत्पीडऩ हुआ। सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हुई। मैं स्वत: संज्ञान लेने का आग्रह कर रही हूं। सीजेआई के साथ बैठे जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने बताया कि इसी मामले पर एक अलग रिट याचिका दायर की गई है और हाई पॉवर इन्क्वॉयरी कमिटी से इस मुद्दे की जांच करने को कहा गया है।

पीड़िता महिलाएं समिति से कैसे संपर्क कर सकती हैं

हालांकि, शोभा गुप्ता ने अनुरोध किया कि यौन उत्पीडऩ के मामलों की अलग से जांच की जाए और एक जिला न्यायाधीश नियुक्त किया जाए, जिसके सामने लड़कियां सीधे अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें। इसके बाद सीजेआई ने बताया कि 18 अगस्त के आदेश में विशेष रूप से इस मुद्दे का उल्लेख किया गया है। सीजेआई ने कहा कि समिति से अनुरोध किया गया है कि वह इसे प्राथमिकता के आधार पर देखे और तुरंत एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपे। फिर शोभा गुप्ता ने चिंता जताई कि पीड़ित महिलाएं समिति से कैसे संपर्क कर सकती हैं।

केंद्र सरकार ने गेहूं के आटे और इससे जुड़े उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक तत्काल प्रभाव से हटाई

अब विदेश जाएगा भारत का आटा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गेहूं के आटे और इससे जुड़े दूसरे उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक को तुरंत प्रभाव से हटा दिया है। सरकार के इस फैसले के बाद अब भारत से गेहूं का आटा, मैदा, सूजी, साबुत गेहूं का आटा और अन्य संबंधित उत्पादों को विदेश भेजने की अनुमति मिल गई है। सरकार ने सोमवार को गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों की निर्यात नीति में बदलाव किया। इसके तहत पहले लागू निर्यात प्रतिबंध को हटा दिया गया है। यानी अब इन उत्पादों का निर्यात सामान्य रूप से किया जा सकेगा।

भारत ने 12 जुलाई 2022 को गेहूं के निर्यात पर रोक लगाई थी। इसका मुख्य कारण घरेलू बाजार में गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतें थीं। उस समय रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनियाभर में गेहूं की कीमतों में करीब 40 प्रतिशत तक तेजी आई थी। भारत से भी बड़ी मात्रा में गेहूं विदेश भेजा जा रहा था।

गेहूं की सप्लाई और ट्रांसपोर्ट

युद्ध के कारण ब्लैक सी क्षेत्र में गेहूं की सप्लाई और ट्रांसपोर्ट पर भी असर पड़ा था। यह क्षेत्र दुनिया के करीब एक चौथाई गेहूं कारोबार से जुड़ा है। ऐसे में भारत ने वैश्विक बाजार में गेहूं की कमी को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, बाद में सरकार ने गेहूं के निर्यात में कुछ ढील दी थी और इस साल इसकी अधिकतम सीमा 50 लाख टन सालाना तय की गई थी। अब नए फैसले के बाद गेहूं के आटे और उससे जुड़े उत्पादों के निर्यात पर लगी पाबंदी पूरी तरह हटा दी गई है। 2022 के बाद पहली बार इन उत्पादों का निर्यात पूरी तरह से मुक्त किया गया है।

खरगे का बीजेपी पर बड़ा हमला, बोले- 'चोर दरवाजे से आरक्षण खत्म करने की रची जा रही साजिश'

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरक्षण के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार संविधान में बदलाव किए बिना ही सरकारी नौकरियों में आरक्षण के अवसरों को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी पदों को खाली रखना, सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण करना और स्थायी नौकरियों को ठेके पर देना इसी रणनीति का हिस्सा है। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में दावा किया कि वर्ष 2015 में केंद्र सरकार के 4.21 लाख पद खाली थे, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़कर 8.24 लाख हो गई। उन्होंने रेलवे में 2.40 लाख, रक्षा क्षेत्र में 2.41 लाख और गृह मंत्रालय में 1.10 लाख पद खाली होने का दावा किया। खरगे के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में 5.1 लाख स्थायी नौकरियां खत्म हो चुकी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ठेका कर्मचारियों की हिस्सेदारी भी 19 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गई है। उनके अनुसार, सरकारी पद खाली रहने से आरक्षित वर्गों को मिलने वाले रोजगार के अवसर प्रभावित होते हैं, जबकि सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण और स्थायी नौकरियों की जगह ठेका व्यवस्था बढ़ने से आरक्षण का लाभ और सीमित हो जाता है।

35 साल पुराने वंधामा नरसंहार की दोबारा जांच होगी

-9 महिलाओं, 4 बच्चों समेत 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या हुई थी; टपलू-जस्टिस गंजू केस भी खुले

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने 1998 के वंधामा नरसंहार की जांच दोबारा शुरू कर दी है। इस हत्याकांड में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी गई थी। मरने वालों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए ने मामले से जुड़े सबूत जुटाने के लिए कश्मीर घाटी में कई जगहों पर तलाशी ली है। एजेंसी कश्मीरी पंडितों की दूसरी हत्याओं के मामलों की भी फिर से जांच कर रही है। इनमें कश्मीरी पंडित नेता टीका लाल टपलू और जस्टिस नीलकंठ गंजू की हत्या के मामले भी शामिल हैं। जांच एजेंसी हमलों में शामिल आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर

उनकी भूमिका का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

गौरतलब है कि 25 जनवरी 1998 की रात गांदरबल के वंधामा गांव में हथियारबंद आतंकियों ने कश्मीरी पंडित परिवारों के घरों में घुसकर 23 लोगों की हत्या कर दी थी। मृतकों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। वहीं 13 सितंबर 1989 को श्रीनगर में कश्मीरी पंडित नेता और वकील टीका लाल टपलू की उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। टपलू उस समय जम्मू-कश्मीर भाजपा के उपाध्यक्ष थे और घाटी में कश्मीरी पंडितों के प्रमुख राजनीतिक चेहरों में शामिल थे। 4 नवंबर 1989 को श्रीनगर की हरि सिंह स्ट्रीट इलाके में जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व जज नीलकंठ गंजू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गंजू ने जेकेएलएफ के आतंकी मकबूल भट को मौत की सजा सुनाई थी।

मलेशिया से भारत लाए गए तीन गैंगस्टर

नई दिल्ली। देविंदर बंबीहा गैंग से जुड़े तीन कथित प्रमुख आरोपियों को मलेशिया से डिपोर्ट कर भारत लाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से यह कार्रवाई की। मलेशिया से भारत पहुंचने के बाद तीनों को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें पंजाब ले जाकर आगे की जांच शुरू की गई। गृह मंत्री कार्यालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुरक्षित भारत के लक्ष्य के तहत भारतीय एजेंसियों ने साल 2026 में अब तक 51 कुख्यात अपराधियों को विदेशों से वापस भारत लाने में मदद की है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में फरीदकोट का जसप्रीत सिंह उर्फ जस बेहबल तथा राजस्थान के श्रीगंगानगर के अजय सिंह और पवनदीप सिंह शामिल हैं। पंजाब पुलिस ने तीनों को डेविंदर बंबीहा गैंग के मलेशिया स्थित कथित ऑपरेटर बताया है। इसके अनुसार, तीनों हत्या, रंगदारी, विस्फोटक और लुधियाना में कथित ग्रेनेड हमले की साजिश से जुड़े मामलों में वांछित थे। अब पुलिस उनकी कथित भूमिका, संपर्कों और विदेश से संचालित नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाएगी।

पाकिस्तान से 150 दुल्हनें पहुंचीं भारत

-ऑपरेशन सिंदूर के बाद अटक गई शादियां, नहीं मिला था वीजा

नई दिल्ली। सालों से पाकिस्तान के सिंध प्रांत के परिवारों को वाघा-अटारी सीमा के रास्ते भारत आकर अपनी बेटियों की शादी करने में आसानी होती थी। लेकिन भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर शुरू किए जाने और वीजा व सीमा मार्ग बंद किए जाने के बाद स्थिति बदल गई। इस फैसले के कारण कम से कम 150 पाकिस्तानी महिलाओं की शादियां अटक गई थीं। इन महिलाओं की भारत में पुरुषों से सगाई हो चुकी थी और वे अपने ससुराल आने का इंतजार कर रही थीं।

नागपुर के एक सामुदायिक नेता राजेश झांबिया ने कहा कि आखिरकार लंबा इंतजार खत्म हो गया। काफी प्रयासों के बाद केंद्र सरकार ने सिंधी महिलाओं और उनके रिश्तेदारों को शादी के लिए भारत आने के वीजा जारी किए। पाकिस्तान से आए सिंधी प्रवासियों के लिए काम करने वाले झांबिया ने पीटीआई को बताया कि दुल्हनें और उनके परिवार के लोग मस्कट, दुबई, श्रीलंका और अन्य देशों के रास्ते ट्रांजिट होकर भारत पहुंचे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदल गए हालात

उन्होंने बताया कि सिंधी समुदाय के लोग ऐसी शादियों के लिए पहले पंजाब में वाघा-अटारी सीमा के रास्ते भारत आते थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सब कुछ बदल गया। सरकार ने अटारी मार्ग से भारत आने की योजना बना रहे लोगों के वीजा खारिज कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर भारत द्वारा 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया सैन्य अभियान था। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हुई थी। झांबिया ने बताया कि इसके बाद उन्होंने रायपुर में संत युधिष्ठिरलाल शदाणी से संपर्क किया। वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी स्थित प्रमुख हिंदू धार्मिक स्थल शदाणी दरबार के आध्यात्मिक प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि शदाणी दरबार ने उन पाकिस्तानी महिलाओं की सूची तैयार करनी शुरू की जिनकी भारत में पुरुषों से सगाई हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि करीब 150 दुल्हनें थीं जिनकी शादी नागपुर, रायपुर, जोधपुर, पुणे और भारत के अन्य शहरों में होनी थी। मंदिर ने इन महिलाओं और उनके परिवारों को भारत आने की सुविधा देने के लिए सूची के साथ गृह मंत्रालय से संपर्क किया और वीजा जारी करने का अनुरोध किया। झांबिया के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान से आने वाले इन लोगों को भारत में प्रवेश की अनुमति दी लेकिन शर्त रखी कि उन्हें हवाई मार्ग से यात्रा करनी होगी। उन्होंने कहा कि इस साल अप्रैल से अब तक पाकिस्तान की 150 दुल्हनें और उनके परिवार दुबई, ओमान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अन्य देशों के रास्ते भारत आ चुके हैं।

मिजो मैरिज एक्ट में संशोधन को सुप्रीम कोर्ट का झटका, हाईकोर्ट जाने की सलाह

इंफाल। मिजोरम में मीजो मैरिज एंड डिवोर्स एक्ट 2014 में किए गए संशोधनों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता महिला ने इन संशोधनों को बेहद चिंताजनक बताया था, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें सीधे सुनवाई देने के बजाय गुवाहाटी हाईकोर्ट की प्रिंसिपल बेंच के सामने अपनी बात रखने की सलाह दी। मुख्य न्यायाधीश ने मामले को एक अच्छा कारण बातकर कहा कि इसकी लड़ाई हाईकोर्ट में लड़ी जानी चाहिए और गुवाहाटी हाईकोर्ट से इस पर तुरंत विचार करने की अपील की।

याचिकाकर्ता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में महिला की सुरक्षा और गोपनीयता से जुड़ी गहरी चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता आइजोल के पास एक

आदिवासी इलाके में रहती हैं और उनका बिजनेस लोकल महिलाओं को रोजगार देता है। वकील ने आशंका जाहिर की कि आइजोल स्थित हाईकोर्ट की बेंच के सामने मामला उठाने से उनके बच्चों और काम में बाधा आ सकती है, साथ ही उन्हें लोकल स्तर पर विरोध का भी सामना करना पड़ सकता है।

मुख्य न्यायाधीश ने इन चिंताओं पर गौर कर कहा कि आइजोल बेंच से जुड़ी आशंका का समाधान गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करके निकाला जा सकता है, ताकि मामले को गुवाहाटी स्थित प्रिंसिपल बेंच के सामने सूचीबद्ध किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मिजोरम विधानसभा द्वारा कानून में संशोधन किया गया है, इसलिए याचिकाकर्ता के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय आने की आवश्यकता नहीं है। उनकी शिकायतों का निपटारा संबंधित क्षेत्राधिकार वाला हाईकोर्ट प्रभावी ढंग से कर सकता है।

शासकीय स्कूलों में हो रही निगरानी, निजी स्कूलो में मनमानी

जिले में स्कूल बैग पॉलिसी 2020 की अनदेखी, बस्ते का बोझ कम करने में जिम्मेदार नाकाम

पदमेश न्यूज। बालाघाट। सरकार ने बच्चों के स्कूल बैग का वजन कम करने के नियम तो बना दिए पर धरातल पर उसका पालन नहीं हो पा रहा है। बच्चों के बस्तों का वजन कम नहीं होने से अभिभावक चिंतित है। लेकिन उनको नए नियम के बारे में मालूम ही नहीं हैं। छोटे-छोटे बच्चे रोजाना क्षमता से अधिक वजन वाले बस्ते कंधों पर लादकर स्कूल पहुंच रहे हैं। इसका असर उनके स्वास्थ्य और मानसिक विकास पर पड़ रहा है।अभिभावकों का कहना है कि स्कूलों में बच्चों को रोज सभी विषयों की किताबें और कॉपियां लाने के लिए कहा जाता है। इसके कारण बस्ता भारी हो जाता है। बस्ता को लेकर कोई नियम है। इसकी जानकारी उन्हें बिल्कुल भी नहीं है।

क्या कहता है नियम

बात अगर नियमों की करें तो नियम के मुताबिक छोटे बच्चों की पीठ पर बस्ते का बोझ ना के बराबर होना चाहिए।स्कूल बैग पॉलिसी 2020 के अनुसार कक्षा एक से दो के बच्चों के लिए 1.6 से 2.2 किग्रा का बस्ता मान्य है। इससे अधिक वजन का बस्ता यदि बच्चा लेकर पहुंचता है तो स्कूल प्रबंधन पर कार्रवाई होगी। इसी प्रकार कक्षा तीन, चार और पांच में 1.7 किग्रा से 2.5 किग्रा का वजन होना चाहिए।इसी तरह कक्षा आठ और सात के लिए दो से तीन किग्रा एवं कक्षा आठ से नौ के लिए 2.5 से चार किग्रा वजन मान्य है। कक्षा 10वीं में 2.5 से 4.5 किग्रा का बैंग मान्य होगा, जबकि कक्षा 11वीं से 12वीं में अलग-अलग स्ट्रीम के अनुसार बैग का वजन निर्धारित किया गया है।लेकिन किसी भी निजी स्कूलों में इस नियम का पालन नहीं कराया जा रहा है वही कमीशन के चक्कर में अधिक कापियां किताब खरीदने को मजबूर कर बस्ते का बोझ लगातार बढ़ाया जा रहा है।

आयोग ने जांच के दिए थे निर्देश

बात अगर पिछले वर्ष की करें तो पिछले वर्ष मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पत्र जारी कर बस्तों की जांच के निर्देश दिए थे। हालांकि कुछ समय तक इसका पालन कराया गया, लेकिन अब स्थिति जस की तस है। वही इस वर्ष 20026 में ना ही प्रदेश स्तर से और ना ही जिला स्तर से ऐसे कोई आदेश जारी किए गए हैं, उधर जब आदेश ही नहीं आए तो इसका पालन करना तो मुमकिन ही नहीं है जिसके चलते निजी स्कूल वाले अपनी मनमानी कर बच्चों की पीठ पर बस्ते का बोझ बढ़ा रहे हैं जिन पर कार्यवाही करने की जहमत भी सम्बधितों द्वारा नहीं उठाई जा रही है।

स्कूल में बनाया जाए पुस्तक कॉर्नर या फिर हो लाकर व्यवस्था

इस समस्या का हल स्वयं स्कूल में ही निकल सकता है बच्चों के बस्ते के बोझ को कम करने के लिए स्कूल प्रबंधन द्वारा स्कूल के ही किसी कमरे में पुस्तक कॉर्नर की व्यवस्था बनानी चाहिए या फिर स्कूलों में लाकर की व्यवस्था करनी चाहिए।ताकि बच्चे अपनी पीठ पर भारी भरकम बोझ लाद कर स्कूल आने व स्कूल से उसी बोझ को लेकर घर जाने के लिए मजबूर ना हो। बल्कि कक्षा में बने कॉर्नर या फिर कक्षा में बने लॉकर में ही बच्चे अपनी कॉपी किताबों को व्यवस्थित करके रख सके। जब उनकी जरूरत हो वहां से निकाल कर पढ़ाई कर ले और जब स्कूल की छुट्टी हो तो इस लॉकर में अपनी किताबें रखकर घर वापस आ सके। लेकिन ऐसी व्यवस्था किसी भी निजी स्कूलों में दिखाई नहीं दे रही है।

क्या कहते है विशेषज्ञ

विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक भारी बस्ता ढोने से बच्चों में कमर दर्द, कंधों में दर्द, गर्दन की समस्या और रीढ़ की हड्डी पर प्रतिकूल, प्रभाव पड़ सकता है। शिक्षाविदों का मानना है कि स्कूलों को समय सारिणी इस प्रकार बनानी चाहिए कि प्रतिदिन सीमित विषयों की कॉपी किताब ही स्कूल लाना ले जाना पड़े।

नियम का उल्लंघन होने पर होगी कार्यवाही-बर्मन

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला शिक्षा केंद्र बालाघाट डीपीसी घनश्याम प्रसाद बर्मन ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से पहले से ही सभी निजी व सरकारी स्कूलों को निर्देशित किया गया है कि छोटे बच्चों के बस्ते का बोझ नियम के अनुसार होना चाहिए।बस्ते का बोझ निर्धारित रखना है, बोझ अधिक नहीं होना चाहिए।उसी के तहत निजी व सरकारी स्कूलों में कार्यक्रम बनाए गए हैं। यदि कहीं पर भी इस नियम का उल्लंघन होगा, तो निश्चित तौर पर कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने आगे बताया कि इस दिशा में नियमों का पालन कराने के लिए पुन: सभी सरकारी व निजी स्कूलों को पत्र लिखकर निर्देशित किया जाएगा।एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि वर्तमान में किसी भी स्कूल पर इस मामले को लेकर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। यदि कहीं से शिकायत आती है तो निश्चित तौर पर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

सोसायटी शिव मंदिर में दो दिवसीय अखंड रामायण पाठ का हुआ समापन

मनमोहक भजनों की प्रस्तुति के साथ हवन पूजन महाप्रसादी का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड क्रमांक ३ स्थित ऐतिहासिक सोसायटी शिव मंदिर में श्रावण मास के पावन उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय संगीतमय अखंड रामायण पाठ का सोमवार को विधि विधान एवं महाप्रसादी वितरण के साथ भव्य समापन हुआ। श्रावण मास के अंतिम चरण और चौथे श्रावण सोमवार के विशेष अवसर पर आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र धर्ममय और भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत रविवार प्रात: भगवान शिव के विशेष पूजा अर्चना और जलाभिषेक के साथ हुई। पूजा के उपरांत आरती कर उपस्थित

श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। इसके तुरंत बाद जागरण ग्रुप के द्वारा संगीतमय अखंड रामायण पाठ का सस्वर वाचन प्रारंभ किया गया। जागरण दल के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत चौपाइयों और भजनों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा जो दिन रात निरंतर चलता रहा। श्रावण सोमवार के पावन अवसर पर अखंड रामायण पाठ का विश्राम हुआ। इसके पश्चात आयोजित भजन संध्या में बाबा श्याम, भगवान शिव, संकटमोचन हनुमान और प्रभु श्री राम के एक से बढ़कर एक मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। भजनों की मधुर धुनों पर उपस्थित धर्मप्रेमी श्रद्धालु भाव विभोर होकर झूमने और नृत्य करने पर मजबूर हो गए। सोमवार दोपहर मंदिर समिति के पदाधिकारियों एवं पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूर्णाहुति हवन पूजन संपन्न कराया गया। इसके उपरांत विशाल महाप्रसादी का वितरण किया गया जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाया और प्रसादी ग्रहण की। समिति के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि सोसायटी शिव मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण मास के उपलक्ष्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस प्रकार के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना जगाना और रास्ता भटक रहे युवाओं को धर्म के मार्ग पर लाकर मुख्यधारा से जोड़ना है। इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारी सदस्य तथा बड़ी संख्या में नगर के धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सावन झूला और हरियाली महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरी सावन की रंगत

वार्ड 26 में गीत-संगीत, भजन और झूले के साथ सजा उत्सव, भगवान शिव-पार्वती की करी गयी पूजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन के पावन माह में शहर के वार्ड क्रमांक 26 की महिलाओं ने सोमवार को सावन झूला एवं हरियाली महोत्सव में उत्साह और उमंग के साथ भाग लेकर माहौल को पूरी तरह सावनमय कर दिया। नगर पालिका सभापति एवं वार्ड पार्षद योगिता विनय बोपचे के निवास पर आयोजित इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। हरे रंग की साड़ियों और आकर्षक परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीत, भजन, झूला और सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद लिया। आयोजन स्थल को हरे रंग की सजावट, फूलों और झूलों से आकर्षक रूप दिया गया था, जिससे पूरा वातावरण हरियाली और उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद महिलाओं ने सावन से जुड़े पारंपरिक गीतों और भजनों की प्रस्तुतियां दीं। रंग-बिरंगे परिधानों में पहुंची महिलाओं ने झूला झूलते हुए सावन के लोकगीतों का आनंद लिया। आयोजन के दौरान विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवान श्रीकृष्ण की वेशभूषा में वृंदावन की झांकी और कृष्ण भजनों ने आयोजन को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में शामिल ओबीसी कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने कहा कि सावन केवल धार्मिक आस्था और पूजा-पाठ का पर्व नहीं है, बल्कि प्रकृति और हरियाली से जुड़ने का भी अवसर देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि इन परंपराओं को उत्सव के रूप में नई पीढ़ी से जोड़ा जाए तो संस्कृति के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी प्रभावी ढंग से आगे पहुंचाया जा सकता है। हरियाली महोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी महिलाओं को जागरूक किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने अपनी सुमधुर आवाज में सावन गीत प्रस्तुत कर महिलाओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों को पेड़ बनने तक उनकी जिम्मेदारी से देखभाल करना भी जरूरी है। पार्षद योगिता विनय बोपचे ने कहा कि सावन झूला एवं हरियाली महोत्सव में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी यह बताती है कि महिलाएं सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि हरे रंग की साडियों और पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने आयोजन की सुंदरता बढ़ा दी। झूला झूलते हुए महिलाओं ने एक-दूसरे को सावन की शुभकामनाएं दीं और गीत-संगीत के बीच जमकर उत्साह मनाया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को एक साझा मंच देने के साथ सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। साथ ही लोकगीत, पारंपरिक संस्कृति और त्यौहारों से जुड़ी परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। यदि ऐसे आयोजनों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी जोड़ा जाए तो सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत की जा सकती है। पूरे आयोजन के दौरान गीत-संगीत, भजन, झूले, हंसी-खुशी और सांस्कृतिक गतिविधियों से उत्साह का माहौल बना रहा। महिलाओं ने सामूहिक रूप से सावन पर्व की खुशियां साझा कीं और कार्यक्रम को यादगार बनाया। आयोजन के समापन पर पार्षद योगिता विनय बोपचे ने सभी उपस्थित महिलाओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाली महिलाओं की सराहना की।

केशव इंग्लिश स्कूल में विधिक एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल में विधिक साक्षरता एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सतीश शर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला न्यायालय बालाघाट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप स्तुति , दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ हुआ। विद्यालय के प्राचार्य मयंक मिश्रा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उनके आगमन एवं विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सोनाली गोस्वामी ने किया तथा उन्होंने मुख्य अतिथि का परिचय विद्यार्थियों से कराया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सतीश शर्मा ने विद्यार्थियों को विधिक साक्षरता , अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी, कानून के प्रति सम्मान तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को कानून, न्यायपालिका एवं संबंधित क्षेत्रों में उपलब्ध कैरियर के अवसरों से भी परिचित कराया तथा अनुशासन, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को न्यायिक व्यवस्था के व्यावहारिक स्वरूप को समझने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उचित अनुमति के साथ न्यायालय एवं कारागार का शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकता है। इससे उन्हें इन संस्थाओं की कार्यप्रणाली को निकट से समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को ना केवल विधिक व्यवस्था की जानकारी मिली, बल्कि भविष्य में कानून एवं न्यायिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न कैरियर विकल्पों के प्रति भी नई दिशा प्राप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य मयंक मिश्रा ने मुख्य अतिथि के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

In The Court Of III Civil Judge Junior Division, District Court, Balaghat
Presiding Officer: अंकिता जैन

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000015/2026)

गमनबाई झंझाड़े .... वादी
विरूध्द
मध्यप्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर बालाघाट .... प्रतिवादी

Process Id- /2026
पेशी दिनांक :- 09/09/2026

प्रेषिति-
(1) सर्व साधारण पता- निरंक

यह कि प्रार्थी गमनबाई झंझाड़े ने आपके विरुद्ध सिविल व्यवहार वाद के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में परविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इ्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 19 August 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(अंकिता जैन)
तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड
वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0034/ड-154/2026-27
मौजा टेंगनीकला, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चोपसिंह गौतम पिता गुलाबसिंह गौतम, जाति पंवार, निवासी ग्राम टेंगनीकला, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा टेंगनीकला, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी दादी जीरनबाई पति जुगराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 13.10.1996 मृत्यु स्थल ग्राम टेंगनीकला के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 31.08.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 21.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 25.08.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

नाम सुधार सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मै रमेश कुमार उइके का नाम ड्राईविंग लायसेंस में त्रुटिवश रमेश उइके दर्ज हो गया है। किंतु मेरा वास्तविक नाम रमेश कुमार उइके है, तथा मेरे आधार कार्ड में भी मेरा नाम रमेश कुमार उइके दर्ज है। अत: आधार कार्ड अनुसार मेरे ड्राईविंग लायसेंस एवं अन्य दस्तावेजों में भी में मेरा नाम बदलकर रमेश उइके की जगह रमेश कुमार उइके किया जाये तथा मुझे रमेश कुमार उइके के नाम से ही जाना पहचाना जाये।

शपथकर्ता
रमेश कुमार उइके

बम्हनगांव के कांवड़ियों ने निकाली विशाल कांवड़ यात्रा

लांजी पहुंचकर किया बाबा कोटेश्वर का जलाभिषेक कर किया पूजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बम्हनगांव के कांवड़ियों द्वारा अंतिम श्रावण सोमवार को लांजी स्थित प्रसिद्ध बाबा कोटेश्वर धाम तक विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। धार्मिक आस्था और उत्साह से ओत-प्रोत इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ लेकर शामिल हुए।कांवड़ियों ने बाघ नदी एवं सोन नदी के संगम स्थल दो मुहान से पवित्र जल भरकर बाबा कोटेश्वर धाम के लिए प्रस्थान किया। श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए यात्रा में आगे बढ़े। बाबा कोटेश्वर धाम पहुंचकर कांवड़ियों ने संगम के पवित्र जल से भगवान शिव का अभिषेक एवं विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन किया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस कांवड़ यात्रा मे सुचारू रूप से व्यवस्था बनाए रखने मे बोल बम सेवा समिति अध्यक्ष महेश ठाकरे ,संचालक कैलाश सोनी, उपाध्यक्ष जितेन्द्र वनवे ,सचिव पप्पू चौरागडे ,कोषाध्यक्ष महेश तिवारी ,कार्यक्रम प्रमुख राहुल बाहे, सहसचिव विनोद पाचे ,कैलाश कनौजे ,संरक्षक महेश पाचे, चैनलाल ठाकरे, दिनाराम पाचे, संजय बाहे, नन्दू पाचे ,झीलराज धुवारे , नंदू नागेश्वर ,नीलेश कनौजे ,मुंशीलाल बाहे, तुलसीराम बाहे, राजेश नागेश्वर ,समल पाचे भुवमेश्रर चौधरी ,दिलीप पाचे, महेश पाचे, जितेन्द्र महादेयकर, देवाराम खरे, राजकुमार पाचे ,ओमप्रकाश बमानकर, गौतम खरे एवं समस्त सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

जनप्रतिनिधियों ने किया कांवड़ियों का स्वागत

कांवड़ यात्रा के दौरान पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना कावरे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने कांवड़ियों का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर कांवडियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी कराई गई। जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन करते हुए धार्मिक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।पूरे यात्रा मार्ग में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। भगवान शिव के जयकारों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। इस कांवड़ यात्रा का बस स्टैण्ड किरनापुर मे स्वागत सत्कार कर जलपान कराया गया। इस कांवड़ यात्रा मे जलपान एवं भंडारे की समुचित व्यवस्था बनाने मे को सफल बनाने मे सामाजिक कार्यकर्ता मंगल प्रसाद रैकवार, डॉ नन्हें बहेकार, संतोष क्षीरसागर, शिव तारन, कमलेश चौधरी, चंदू राहंगडाले, हेमन्त सारंगपुरे रघु नामदेव, उमेश भूते, मन्नू सिंह राठौर, राकेश बोरकर, रवि अजीत, अंकुश गोस्वामी, सागर रैकवार,मूलदास रैकवार,ग्राम पंचायत बम्हनगांव सरपंच बालचंद पांचे, राजेश सारंगपुरे,सुखदेव सिंघनधूपे सहित अन्य का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
मंगलवार 25 अगस्त 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

श्रद्धा और भक्ति के साथ निकली कावड यात्रा, मां नर्मदा के दर्शन कर पहुचे कावड यात्री

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। क्षेत्र के खैरगाव शंकर मंदिर से निकाली गई कावड़ यात्रा,हर हर महादेव के जयगोष से गूंज उठी। क्षेत्र के 10-15 गावो से बडी संख्या मे श्रद्धालु एकत्रित होकर कावड यात्रा मे शामिल हुए सावन के पावन अवसर पर निकली इस धार्मिक यात्रा को लेकर

ग्रामीणों मे खासा उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला।श्रद्धालु कावड लेकर जिला मण्डला स्थित मां नर्मदा के पवित्र तट पर पहुंचे और विधि विधान से माँ नर्मदा का पूजन अर्चन कर दर्शन किये।कावड यात्रियो ने मां नर्मदा से क्षेत्र की सुख समृद्धि खुशहाली और अच्छी वर्षा की कामना की इसके बाद श्रदालु कावड मे पवित्र नर्मदा जल भरकर हर हर महादेव बोल बम के जयकारे लगाते हुये अपने गाव की ओर चले जहा रास्ते में जगह जगह पुष्प माला से स्वागत कर जल पान की व्यवस्था की गई।

ग्रामीणों में दिखा उत्साह का माहौल

कावड यात्रा के सफलता पूर्वक सम्पन होने पर श्रद्धालुओं और ग्रामीणो मे खुशी का माहौल रहा,इस यात्रा ने पूर्ण भक्ति ,उत्साह, धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत किया। दस पन्द्रह गावो से एकत्रित श्रृद्धालु की इस सामूहिक कावड यात्रा ने पूरे क्षेत्र मे भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना दिया।उधर माँ नर्मदा के दर्शन कर पवित्र जल लेकर अपने ग्राम लौटे कावड़ यात्रियो के चेहरे पर यात्रा पूरी होने की खुशी और धार्मिक आस्था का भाव सफाई दिखाई दिया। ग्रामीणो का कहना है की सावन माह मे कावड यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व है इस दौरान श्रद्धालु भगवान शिव का अभिषेक करते है इसी धार्मिक परंपरा को आगे बढाते हुए,क्षेत्र के विभिन्न गांवों के श्रद्धालु एकजुट होकर कावड़ यात्रा मे शामिल हुए।

मासूमों की मौत पर फूटा आक्रोश, स्वास्थ्य व्यवस्था और सरकार की निकाली अर्थी यात्रा

सर्व आदिवासी समाज का अनिश्चितकालीन आंदोलन लगातार तेज, काली पुतली से अंबेडकर चौक तक गूंजे नारे, दो अधिकारियों पर कार्रवाई से संतुष्ट नहीं समाज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बिरसा क्षेत्र में मासूम आदिवासी बच्चों की मौत के मामले को लेकर सर्व आदिवासी समाज का अनिश्चितकालीन आंदोलन अब लगातार उग्र और व्यापक होता जा रहा है। स्थानीय जनपद पंचायत के सामने शुरू हुआ धरना अब केवल कुछ युवाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें आदिवासी समाज के पदाधिकारी, युवा और ग्रामीण बड़ी संख्या में प्रतिदिन शामिल हो रहे हैं। धरना स्थल पर दिनभर शासन-प्रशासन से जवाब मांगने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। कभी कैंडल मार्च तो कभी अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से समाज बच्चों की मौत के मामले को लेकर अपना आक्रोश जता रहा है।

इसी क्रम में 24 अगस्त की शाम करीब 6 बजे सर्व आदिवासी समाज ने विरोध का अनूठा और तीखा तरीका अपनाते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था और सरकार की अर्थी यात्रा निकाली। आंदोलनकारियों ने इसे अंतिम यात्रा की तर्ज पर निकाला। धरना स्थल से शुरू हुई यह यात्रा काली पुतली चौक पहुंची और वहां से मुख्य मार्ग होते हुए हनुमान चौक की ओर बढ़ी। इसके बाद यात्रा अंबेडकर चौक पहुंची। पूरी यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे और शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अंबेडकर चौक सहित रास्तेभर आंदोलनकारियों ने जिला प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। इसके बाद भाजपा और कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों को भी निशाने पर लेते हुए नारेबाजी की गई। आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली और मासूम बच्चों की मौत के मामले में राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों को भी अपनी जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने सांसद को लेकर भी नारेबाजी की और कहा कि बच्चों की मौत जैसे गंभीर मामले में सभी जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को जवाब देना चाहिए। सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी राजनीतिक दल के पक्ष या विरोध में नहीं, बल्कि मासूम बच्चों के परिवारों को न्याय दिलाने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग को लेकर है। उन्होंने कहा कि बच्चों की मौत के बाद केवल औपचारिक कार्रवाई करके मामले को समाप्त नहीं किया जा सकता। पीड़ित परिवारों को न्याय और उचित मुआवजा मिलने तक समाज का आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के दो अधिकारियों को हटाए जाने की कार्रवाई से वे संतुष्ट नहीं हैं। समाज की मांग है कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की भूमिका की भी जांच की जाए और आवश्यकता होने पर उन्हें भी पद से हटाया जाए। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी भी तय करने की मांग की गई है। समाज का कहना है कि बच्चों की मौत के पूरे मामले में केवल स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि बच्चों के पोषण और देखभाल से जुड़े विभागों की भूमिका की भी जांच जरूरी है। सर्व आदिवासी समाज ने कहा कि आंदोलन तब तक समाप्त नहीं होगा, जब तक मृत बच्चों के परिजनों को न्याय और उचित मुआवजा नहीं दिया जाता। समाज के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और प्रशासन ने उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। शाम करीब 6 बजे निकली यह अर्थी यात्रा पुनः धरना स्थल पहुंचकर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान आंदोलनकारियों के हाथों में विरोध के प्रतीक और नारों के साथ शासन-प्रशासन के खिलाफ गुस्सा साफ दिखाई दिया। लगातार कई दिनों से चल रहे इस आंदोलन में रोज नए तरीके से विरोध दर्ज कराया जा रहा है। इससे साफ है कि आदिवासी समाज इस मामले को अब आसानी से खत्म होने देने के मूड में नहीं है और अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन संघर्ष जारी रखने की तैयारी में है।

गांव का तालाब, गांव के लोगों का हक, बाहरी लोगों को पट्टा देने का विरोध

लीलामेटा के ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, जय मां दुर्गे स्व-सहायता समूह को 10 वर्षीय मत्स्य पट्टा देने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा क्षेत्र की ग्राम पंचायत लीलामेटा के तालाब के मत्स्य पालन पट्टे को लेकर ग्रामीणों ने अब जिला मुख्यालय पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद की है। सोमवार 24 अगस्त को मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले लीलामेटा के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि गांव के तालाब का मत्स्य पालन का अधिकार बाहरी गांव के लोगों को देने के बजाय ग्राम पंचायत के स्थानीय स्व-सहायता समूह को दिया जाए। ग्रामीणों ने विशेष रूप से गांव के ही जय मां दुर्गे स्व-सहायता समूह को 10 वर्षीय मत्स्य पट्टा देने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत लीलामेटा के अंतर्गत आने वाले तालाब में पिछले कई वर्षों से दूसरे गांव के लोग मत्स्य पालन का काम करते आ रहे हैं और उन्हें ही तालाब का पट्टा दिया जाता रहा है। इससे तालाब से मिलने वाले रोजगार और आर्थिक लाभ का फायदा स्थानीय ग्रामीणों को पर्याप्त रूप से नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का तर्क है कि जब तालाब गांव की सीमा में है और उसके आसपास रहने वाले लोग रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं तो उसके संचालन और मत्स्य पालन का लाभ भी गांव के लोगों को ही मिलना चाहिए। इसी मांग को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित कर तालाब के मत्स्य पट्टे को लेकर चर्चा की। ग्रामीणों के अनुसार ग्रामसभा में उपस्थित संबंधित ग्रामीणों के समक्ष तालाब के पट्टा आवंटन का विषय रखा गया और आपत्ति-अनापत्ति को लेकर उनकी राय ली गई। बैठक में ग्रामीणों ने एकमत होकर गांव के ही जय मां दुर्गे स्व-सहायता समूह को तालाब मत्स्य पालन के लिए संचालित करने देने पर सहमति जताई। ग्रामीणों का दावा है कि ग्रामसभा में किसी भी व्यक्ति ने समूह को तालाब दिए जाने पर आपत्ति दर्ज नहीं की।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में कहा कि ग्रामसभा की पंजी में भी इस निर्णय का स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि गांव का तालाब स्थानीय स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित किया जाएगा। इसके बावजूद यदि मत्स्य पट्टा आवंटन की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होती है तो इसका सीधा असर समूह से जुड़ी महिलाओं और ग्रामीणों की आजीविका पर पड़ेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि ग्रामसभा की सहमति और स्थानीय लोगों की मांग को प्राथमिकता देते हुए नियमानुसार जल्द पट्टा आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाए। ग्राम पंचायत के सरपंच एवं युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष शुभम उइके ने बताया कि ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि गांव के तालाब से होने वाला आर्थिक लाभ गांव और ग्राम पंचायत के लोगों को ही मिले। उन्होंने कहा कि तालाब के लिए बाहरी ग्रामीणों को पट्टा दिए जाने की व्यवस्था को समाप्त कर स्थानीय लोगों को अवसर दिया जाना चाहिए। उनका कहना है कि ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत स्तर पर बैठक कर इस संबंध में निर्णय लिया है और अब जिला प्रशासन के समक्ष भी अपनी मांग रखी गई है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने गांव के ही जय मां दुर्गे स्व-सहायता समूह को 10 वर्षीय मत्स्य पट्टा दिए जाने की मांग की है। समूह में गांव की कई महिलाएं और स्थानीय लोग जुड़े हुए हैं। यदि समूह को तालाब का मत्स्य पालन कार्य मिलता है तो इससे महिलाओं सहित गांव के लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा और उन्हें रोजी-रोटी के लिए दूसरे क्षेत्रों में पलायन करने की मजबूरी भी कम होगी। ग्रामीणों ने कहा कि स्व-सहायता समूह के माध्यम से तालाब का संचालन होने से केवल कुछ लोगों को रोजगार नहीं मिलेगा, बल्कि इससे गांव की कई महिलाओं और परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत होने का अवसर मिलेगा। मत्स्य पालन से होने वाली आय का लाभ स्थानीय स्तर पर ही रहेगा और गांव की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इसी उद्देश्य से ग्रामीण प्रशासन से स्थानीय समूह को प्राथमिकता देने की मांग कर रहे हैं। ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीणों ने कहा कि उनकी मांग किसी व्यक्ति विशेष के विरोध में नहीं है, बल्कि गांव के संसाधनों पर स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर है। उनका कहना है कि वर्षों से बाहरी लोगों द्वारा तालाब में मत्स्य पालन किए जाने के बाद अब स्थानीय ग्रामीणों को भी अपनी आजीविका के लिए अवसर मिलना चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से ग्रामसभा के निर्णय और स्थानीय लोगों की सहमति को ध्यान में रखते हुए जय मां दुर्गे स्व-सहायता समूह के पक्ष में नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

गड्ढों में तब्दील कोसमी-खुरसोड़ी मार्ग, हादसे के खतरे के बीच कलेक्ट्रेट पहुंचे कांग्रेसी

युवा कांग्रेस ने कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, सड़क मरम्मत के साथ ओवरब्रिज के पास डिवाइडर लगाने की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एनएच-543 से जुड़े कोसमी से खुरसोड़ी तक जाने वाले मुख्य मार्ग की बदहाली को लेकर अब ग्रामीणों और युवा कांग्रेस ने प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने से बारिश के दिनों में स्थिति और भयावह हो गई है। गड्ढों में पानी भर जाने के कारण वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। विद्यार्थियों, आम नागरिकों और दोपहिया वाहन चालकों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है। इसी समस्या को लेकर 24 अगस्त को युवा कांग्रेस पदाधिकारियों सहित ग्रामीण कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सड़क मरम्मत की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि कोसमी से खुरसोड़ी तक जाने वाले मार्ग पर लंबे समय से बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। सड़क के कई हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, लेकिन अब तक उचित मरम्मत कार्य नहीं कराया गया। बारिश के कारण सड़क पर बने गड्ढों में पानी जमा होने से दोपहिया वाहन चालकों के लिए विशेष खतरा पैदा हो गया है। कई स्थानों पर वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए अचानक दिशा बदलनी पड़ती है, जिससे सामने से आने वाले वाहनों से टक्कर की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सड़क का निरीक्षण कर बड़े गड्ढों को भरने और आवश्यक मरम्मत कार्य कराने की मांग की है।

युवा कांग्रेस के पदाधिकारी शिवम विश्वकर्मा और श्याम पंजवानी ने बताया कि ओवरब्रिज बनने के बाद ब्रिज के आगे पीडब्ल्यूडी की सड़क और कोसमी की ओर जाने वाला मार्ग बेहद खराब स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि सड़क की समस्या को लेकर इससे पहले भी प्रशासन को ज्ञापन दिया जा चुका है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। अब बारिश के मौसम में स्थिति और खराब हो गई है, इसलिए तत्काल कार्रवाई जरूरी है। युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने ओवरब्रिज के पास यातायात व्यवस्था को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। उनका कहना है कि ब्रिज के पास डिवाइडर नहीं होने के कारण ब्रिज से उतरने वाले और सर्विस रोड से आने वाले वाहन एक-दूसरे के सीधे संपर्क में आ जाते हैं। जैसे ही वाहन ओवरब्रिज से नीचे उतरते हैं, उसी स्थान पर सर्विस रोड से आने वाले वाहनों की आवाजाही होने के कारण अचानक आमने-सामने की स्थिति बन जाती है। इससे कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से इस स्थान पर डिवाइडर अथवा अन्य आवश्यक यातायात सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है।ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि कोसमी-खुरसोड़ी मार्ग का संबंधित विभाग द्वारा तत्काल निरीक्षण कराया जाए और बड़े-बड़े गड्ढों को भरने के साथ सड़क की आवश्यक मरम्मत कराई जाए। साथ ही ओवरब्रिज के पास यातायात की स्थिति का तकनीकी निरीक्षण कर डिवाइडर या अन्य सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, ताकि ब्रिज से उतरने वाले और सर्विस रोड से आने वाले वाहनों के बीच दुर्घटना की स्थिति निर्मित न हो। 24 अगस्त को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे युवा कांग्रेस पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने कलेक्टर बालाघाट के नाम डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक को ज्ञापन सौंपते हुए जल्द से जल्द समस्या का निराकरण करने की मांग की।

जर्जर मकान तोड़ने पहुंची नगरपालिका की टीम, एक घंटे की बहस के बाद बैरंग लौटी

मुख्य मार्ग स्थित भवन को लेकर आमने-सामने हुआ अमला और मकान मालिक पक्ष, दो दिन की मोहलत, फिर नगरपालिका करेगी कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में लगातार हो रही रुक-रुककर बारिश के बीच जर्जर भवनों से हादसे की आशंका को देखते हुए नगरपालिका द्वारा चलाए जा रहे अभियान को सोमवार को मुख्य मार्ग स्थित वार्ड क्रमांक 15 में उस समय विवाद का सामना करना पड़ा, जब क्षतिग्रस्त मकान को तोड़ने पहुंची नगरपालिका और पुलिस की टीम करीब एक घंटे की बातचीत और बहस के बाद बिना कार्रवाई किए वापस लौट गई। नगरपालिका का अमला जेसीबी लेकर साधना कांकरिया के जर्जर मकान को गिराने पहुंचा था, लेकिन मौके पर बनी स्थिति के चलते भवन को तत्काल नहीं तोड़ा जा सका। जानकारी के अनुसार शहर में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। बारिश के कारण पुराने और जर्जर भवनों के अचानक गिरने की आशंका को देखते हुए नगरपालिका ने शहर के 33 वार्डों में ऐसे भवनों को चिन्हित करने और उन्हें हटाने की कार्रवाई शुरू की है, जिनसे जनहानि या संपत्ति के नुकसान का खतरा बना हुआ है। नगरपालिका अधिकारियों के अनुसार शासकीय भवनों के साथ निजी मकानों की जर्जर स्थिति का भी निरीक्षण किया जा रहा है और आवश्यकता के अनुसार संबंधित भवन मालिकों को नोटिस जारी कर कार्रवाई के लिए कहा जा रहा है। इसी अभियान के तहत सोमवार 24 अगस्त को मुख्य मार्ग स्थित वार्ड क्रमांक 15 में साधना कांकरिया के मकान को जर्जर और क्षतिग्रस्त स्थिति में पाए जाने के बाद नगरपालिका की टीम पुलिस बल और जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची। अमले का उद्देश्य मकान के खतरनाक हिस्से को हटाना था, ताकि बारिश के दौरान भवन गिरने से किसी प्रकार की जनहानि न हो। टीम के पहुंचते ही मौके पर स्थिति को लेकर बातचीत शुरू हो गई और देखते ही देखते करीब एक घंटे तक दोनों पक्षों के बीच बहस होती रही। लंबी बातचीत के बाद नगरपालिका का अमला बिना मकान तोड़े ही वापस लौट गया। बताया गया कि नगरपालिका की ओर से मकान मालिक पक्ष को दो दिन

का अतिरिक्त समय दिया गया है। इस अवधि में यदि जर्जर हिस्से को सुरक्षित तरीके से नहीं हटाया गया तो नगरपालिका स्वयं भवन के क्षतिग्रस्त हिस्से को गिराने की कार्रवाई करेगी। हालांकि मौके पर कार्रवाई नहीं होने के बाद अब यह मामला दो दिन के लिए टल गया है। नगरपालिका कर्मचारियों का कहना है कि संबंधित मकान की जर्जर स्थिति को लेकर पहले भी कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं। बारिश के मौसम में मकान की स्थिति और अधिक खतरनाक होने की आशंका को देखते हुए उसे खाली करने और क्षतिग्रस्त हिस्से को हटाने के लिए लगातार निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद मकान को खाली नहीं किए जाने के कारण नगरपालिका को स्वयं कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंचना पड़ा। नगरपालिका अधिकारियों का कहना है कि अभियान का उद्देश्य किसी व्यक्ति को परेशान करना नहीं, बल्कि बारिश के दौरान संभावित हादसे को रोकना है। शहर में कई पुराने और जर्जर भवन ऐसे हैं, जिनके गिरने से राहगीरों, आसपास रहने वाले लोगों और भवन के भीतर मौजूद लोगों की जान को खतरा हो सकता है। इसी कारण नगरपालिका द्वारा चिन्हित भवनों पर कार्रवाई की जा रही है। अब सभी की नजरें अगले दो दिनों पर टिकी हैं। नगरपालिका द्वारा दी गई मोहलत समाप्त होने के बाद क्या संबंधित मकान मालिक स्वयं जर्जर हिस्सा हटाते हैं या फिर नगरपालिका दोबारा जेसीबी और पुलिस बल के साथ पहुंचकर कार्रवाई करती है, यह देखने वाली बात होगी। फिलहाल सोमवार को करीब एक घंटे की बहस के बाद नगरपालिका की टीम को बिना कार्रवाई किए लौटना पड़ा और जर्जर भवन का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया।

आस-पास की खबरे

बोल बम के जयकारों से गूंजा कामथी, निकाली गई भव्य कावड़ यात्रा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पवित्र सावन माह के उपलक्ष्य में रविवार को ग्राम पंचायत कामथी में भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर सुबह से ही पूरे गांव में शिवभक्तों का उत्साह चरम पर था, जब स्थानीय ग्रामीणों और श्रध्दालुओं द्वारा रमरमा स्थित प्रसिध्द महादेव मंदिर के लिए एक भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई। यह कावड़ यात्रा का शुभारंभ प्रातः 7 बजे कामथी से हुआ। यात्रा शुरू होने से पूर्व कावड़ियों ने पारंपरिक पूजा-अर्चना की और पवित्र नदियों का जल अपनी कावड़ों में भरकर रमरमा स्थित भोलेनाथ के मंदिर की ओर प्रस्थान किया। पूरे मार्ग में 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से आसपास का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो उठा। इस धार्मिक आयोजन में कामथी सहित आसपास के क्षेत्रों आये हजारों श्रध्दालुओं ने हिस्सा लिया। कांवड़ यात्रा में ब%चे, युवा और बुजुर्ग सभी एक समान उत्साह के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते नजर आये। स्थानीय ग्रामीणों ने न केवल स्वयं कावड़ उठाई, बल्कि यात्रा को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया। लगभग 30 किमी. की पैदल यात्रा तय कर कावड़ियों का जत्था रमरमा स्थित महादेव मंदिर पहुंचा, जहां श्रध्दालुओं ने अनुशासित तरीके से कतारबध्द होकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। जल चढ़ाने के पश्चात विशेष आरती की गई और ग्रामीणों ने क्षेत्र में सुख, शांति, भाईचारे और समृध्दि की मनोकामना की। इस आयोजन में ग्राम पंचायत कामथी सरपंच साहेबलाल देशमुख, उपसरपंच गीता खरोले, लक्ष्मीचंद देशमुख, बालकचंद खरोले, मनोज सोनी, ऋषभ, प्रवेश सोनी, राकेश देशमुख, दिनेश देशमुख, महेश बिसेन, और मोनू ठाकरे सहित श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बहियाटिकुर के ग्रामीणों ने पंचायत भवन का किया घेराव

सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक पर निर्माण कार्यों में अनियमितता एवं राशि गबन का आरोप, निष्पक्ष जांच व कड़ी कार्यवाही की मांग, कार्यवाही न होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत बहियाटिकुर में निर्माण कार्यों में अनियमितता और फर्जीवाड़े को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। सोमवार दोपहर 2 बजे बड़ी संख्या में लामबंद हुए ग्रामीणों ने पंचायत भवन का घेराव कर दिया। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती पुष्पा ठाकरे, सचिव अनिरूध्द लांजेवार और रोजगार सहायक पर शासकीय राशि का दुरूपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में बिना काम करवाये फर्जी बिल लगाकर राशि का आहरण कर लिया गया। इसके अलावा जो लोग काम पर नहीं गये उनके नाम मस्टररोल में दर्ज कर वित्तीय अनियमितता की गई है। साथ ही पंचायत भवन के सामने स्थित कुएं से ग्रामीणजन पानी का उपयोग करते थे, उसके समीप शोक गड्ढा बना दिया गया है और उक्त गड्ढे में जमा गंदा पानी पाइप के माध्यम से कुएं में जा रहा है। जिससे पानी दुषित हो रहा है। ऐसी स्थिति में निवासरत लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। साथ ही सड़क एवं अन्य निर्माण कार्य की लंबे समय से मांग की जा रही है लेकिन उस ओर भी ध्यान नही दिया जा रहा है और कुछ कार्यों के तो निर्माण कार्य हुआ ही नही है और राशि आहरण कर ली गई है। जिससे ग्रामीणजनों में रोष व्याप्त है।

आय-व्यय की जानकारी मांगने पर बढ़ा विवाद

ग्रामीणों के अनुसार गत 15 अगस्त को आयोजित ग्राम सभा में जब उन्होंने पंचायत के आय-व्यय का ब्योरा (जानकारी) मांगा, तो जिम्मेदार प्रतिनिधियों व कर्मचारियों ने जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया। इस दौरान विवाद की स्थिति भी निर्मित हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं ग्राम सभा में विकास कार्यों की जानकारी न मिलने से असंतुष्ट ग्रामीणों ने गत दिवस जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं पंचायत का घेराव करने वाले ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पंचायत के निर्माण कार्यों और फर्जी आहरण मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही नही की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

कार्यवाही नही होने पर करेगें आंदोलन

भूतपूर्व उपसरपंच पवन ठाकरे, ग्रामीण गुलशन उइके ने बताया कि पंचायत में विभिन्न निर्माण कार्य पूरी तरह से नही हुए है और राशि आहरण कर लिया गया है। जबक सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक से 15 अगस्त को ग्राम सभा एवं 17 अगस्त को मरेरा में आयोजित ग्राम सभा में वित्तीय एवं निर्माण कार्य में बरती गई अनियमितता के संबंध में जानकारी मांगी गई लेकिन उन्होने जानकारी उपलब्ध न करवाते हुए अभद्र व्यवहार किया गया और मरेरा में सचिव बिना जानकारी दिये बैठक छोड़कर चले गये। आगे बताया कि मोक्षधाम एवं बोरीटोला पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है जिसका निर्माण कार्य नही किया जा रहा है और सरपंच, सचिव तथा सहायक सचिव मिलकर फर्जी बिल लगाकर राशि का आहरण कर रहे है। साथ ही पंचायत भवन के सामने स्थित कुएं से निवासरत पानी का उपयोग करते थे लेकिन शोक गड्ढा बना दिया है जिससे गंदा पानी कुएं में जा रहा है, ऐसी स्थिति में पानी के लिए भी ग्रामीणजन परेशान है। गत दिवस कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओं को ज्ञापन सौंपकर बहियाटिकुर पंचायत के निर्माण कार्य एवं वित्तीय अनिमितता की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की है। मांगे पूरी नही होने पर कलेक्टर कार्यालय के समक्ष उग्र आंदोलन व धरना प्रदर्शन करेंगे।

सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद - सरपंच

सरपंच श्रीमती पुष्पा ठाकरे ने बताया कि ग्राम सभा में सभी विकास कार्यों का पूरा ब्योरा दिया जा रहा था और नियमानुसार सभी निर्माण कार्य किये गये है। साथ ही मस्टररोल में केवल उन्हीं मजदूरों के नाम दर्ज किये गये हैं जिन्होंने वास्तव में काम किया है। सभी कार्यों का भुगतान नियमानुसार ही किया गया है। निर्माण कार्यों में अनियमितता और फर्जी आहरण के सभी आरोप पूरी तरह निराधार एवं बेबुनियाद हैं। श्रीमती ठाकरे ने बताया कि मोक्षधाम पहुंच मार्ग एवं बोरीटोला पहुंच मार्ग निर्माण के लिए विधायक महोदया एवं प्रशासन को अवगत करवा दिया गया है, राशि स्वीकृत होने के बाद निर्माण किया जायेगा।

इनका कहना है-

ग्रामीणजनों को शासन की योजना के तहत हुए निर्माण कार्यो की जानकारी ग्राम सभा में दी जा रही थी, लेकिन उनके द्वारा हल्ला किया जा रहा था और कुछ लोग ग्राम सभा को प्रभावित कर रहे थे। जबकि जो भी निर्माण कार्य किये गये है सभी नियमानुसार हुए है और उन्ही काम की राशि का आहरण हुआ है, वित्तीय अनियमितता करने का जो आरोप लगा रहे है सभी आरोप निराधार है।

अनिरूध्द लांजेवार
सचिव
ग्राम पंचायत बहियाटिकुर।

कुपोषण से बच्चों की मौत पर लालबर्रा में कांग्रेसियों ने दी श्रध्दांजलि

सरकार से मृत बच्चों के परिजनों को उचित मुआवजा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस विंग के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा सोमवार शाम 7 बजे नगर मुख्यालय के हृदयस्थल बस स्टैंड स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर श्रध्दांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैहर क्षेत्र में बैगा समुदाय के मासूम बच्चों की कुपोषण से हुई असामयिक मौत पर गहरा दु:ख व्यक्त किया और मोमबत्ती जलाकर उन्हें भावभीनी श्रध्दांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार और प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया कि बैहर क्षेत्र में लगातार बैगा समुदाय के मासूमों की जान जा रही है, लेकिन शासन-प्रशासन मौतों का वास्तविक आंकड़ा छुपाने में लगा है। आगे कहा कि जब भी भाजपा के मंत्री या वरिष्ठ नेता दौरे पर आते हैं, तो रातों-रात सड़कों का निर्माण कर दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर बीते 6 महीनों से बैहर क्षेत्र के जरूरतमंद बच्चों को उचित पोषण आहार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं तक मुहैया नहीं करवाई जा रही हैं, जो गलत है।

लापरवाह स्वास्थ्य अधिकारियों पर कार्यवाही और मुआवजे की मांग

बैहर क्षेत्र में बैगा समुदाय के बच्चों की लगातार हो रही मृत्यु पर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने हाल ही में एक चिकित्सक पर की गई निलंबन की कार्यवाही को महज खानापूर्ति बताया। उन्होंने मांग की कि केवल एक चिकित्सक पर गाज गिराने के बजाय इस स्थिति के लिए जिम्मेदार सभी वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर सख्त निलंबन की कार्यवाही करने की मांग की है। साथ ही कांग्रेस ने मृत बच्चों के परिजनों को दी जा रही 20-20 हजार रूपये की सहायता राशि को नाकामी छुपाने वाला और नाकाफी बताया। उन्होंने पीड़ित परिवारों को उचित व सम्मानजनक मुआवजा राशि देने की मांग की है। वहीं कांग्रेस पदाधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि सरकार जल्द ही मृत बच्चों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा प्रदान नहीं करती और क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं में ठोस सुधार नहीं लाती, तो आगामी दिनों में कांग्रेस पार्टी द्वारा सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उग्र विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। युथ कांग्रेस अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि बैहर में बैगा समुदाय के मासूम बच्चें लगातार कुपोषण का शिकार होकर जान गंवा रहे हैं। ऑन-रिकॉर्ड 25 बच्चों की मृत्यु बताई जा रही है, लेकिन वास्तविक स्थिति इससे कहीं अधिक भयावह है। एक ही गांव में 9 बच्चों की मौत की जानकारी सामने आई है, जिससे साफ है कि मौतों का आंकड़ा छुपाया जा रहा है और सरकार अपना भ्रष्टाचार ढकने का प्रयास कर रही है। श्री पिपलोद ने बताया कि प्रदेश के मंत्रियों के आगमन पर रातों-रात सड़कें बना दी जाती हैं, लेकिन बीते 6 महीनों से प्रभावित क्षेत्रों में उचित पोषण आहार नहीं पहुंचा है। वहीं इस मामले में केवल एक स्वास्थ्य अधिकारी पर कार्यवाही की गई है, हमारी मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारी-कर्मचारियों पर निलंबन की कार्यवाही की जाये और सरकार पीड़ित बैगा परिवारों को सम्मानजनक व उचित मुआवजा दे एवं क्षेत्र में मौतों के बढ़ते सिलसिले को रोकने के लिए तत्काल पुख्ता स्वास्थ्य व पोषण कदम उठाये। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, जिला कांग्रेस सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, मनीष कुशवाहा, अमीनुद्दीन हन्फी, मनोज शर्मा, युथ कांग्रेस अध्यक्ष अंकित पिपलोद, श्री सोनी सहित कांग्रेस पार्टी के विभिन्न विंगों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वैनगंगा नदी के जल से कांवड़ियों ने किया भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। 'हर भोला हर हर महादेव' के नारों से क्षेत्र को गुंजायमान करते हुए सावन मास के अंतिम सोमवार 24 अगस्त को प्रात: 9 बजे नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर से शिवभक्तों का जत्था कांवड़ लेकर लगभग 6 किमी. दूर स्थित पवित्र वैनगंगा नदी के पोटियापाट घाट के लिये रवाना हुआ। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बजरंग मंदिर समिति द्वारा आयोजित यह कावड़ यात्रा डीजे की धुन पर पैदल नाचते गाते व भोले बाबा के नारे लगाते ग्राम अमोली, बम्हनी होते हुए पोटियापाट घाट पहुंची। जहां कांवड़ियों ने कांवड़ में वैनगंगा नदी से जल भरा जिसके पश्चात वापस सभी कांवड़िये बजरंग मंदिर के लिये रवाना हुए। इस दौरान जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत भी किया गया एवं फल भी वितरित किये गये। शिवभक्तों के इस जत्थे में 10-12 वर्षीय बालिका-बालकों ने भी पूरे जोश के साथ भाग लिया और पैदल पूरी यात्रा की। वैनगंगा नदी के पोटियापाट घाट से सभी कांवड़िये कांवड़ में गंगाजल लेकर दोपहर 1 बजे बजरंग मंदिर पहुंचे जहां विधि-विधान से पूजा अर्चना कर वैनगंगा नदी के पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक व पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा संरक्षक ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के अंतिम सोमवार को मंदिर प्रांगण से विशाल कांवड़ यात्रा वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट तक निकाली गई और कांवड़ियों के द्वारा वैनगंगा पोटियापाट से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि सावन मास के पावन अवसर पर लगातार बजरंग मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन जारी है एवं विगत 46 वर्षों से निरंतर बजरंग मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ किया जाता है। जिसका समापन रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन 29 अगस्त को हवन-पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ किया जायेगा। श्री शर्मा ने कांवड़ियों को रास्ते में सिन्धु सेना, डब्ल्यूजेओं पत्रकार संघ, विश्व मानव रूहानी नवांगर शाखा धपेरा के द्वारा फल एवं प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांवडियों को जलपान का किया गया वितरण

सिंधु सेना लालबर्रा, वर्किंग जर्नलिस्ट ऑर्गनाईजेशन लालबर्रा इकाई के पत्रकार साथियों एवं विश्व मानव रूहानी नवांनगर शाखा धपेरा के द्वारा पोटियापाट धाम शिव मंदिर एवं रास्ते पर कांवड़ियों को जलपान करवाया गया यानि फल एवं पानी का वितरण किया गया। साथ ही मंदिर समिति के युवा साथियों के द्वारा रास्तों में विभिन्न जगहों पर कांवडियों के लिये शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई। इस कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में अपने विशेष सहयोग देने वाले भक्तजनों का मंदिर समिति के पदाधिकारियों के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

गौतीचाय की पत्ती तोड़ते समय रसोइया को सर्प ने डसा, अस्पताल में इलाज जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत कंजई के केवाटोला स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। स्कूल में मध्यान्ह भोजन बनाने वाली 50 वर्षीय रसोइया श्रीमती श्यामाबाई इनवाती को जहरीले सर्प ने हाथ में डस दिया। समय पर अस्पताल पहुंचाये जाने के कारण उनकी स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार केवाटोला कंजई निवासी श्रीमती श्यामाबाई इनवाती रोजाना की तरह सोमवार को भी स्कूल में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन बना रही थीं। दोपहर में चाय बनाने के लिए वे स्कूल परिसर में लगे 'गौतीचायपत्ती' (स्थानीय चायपत्ती का पौधा) के पास गई। जैसे ही उन्होंने पत्ती तोड़ने के लिए हाथ आगे बढ़ाया, पौधे में छिपे जहरीले सर्प ने उनके हाथ पर काट दिया जिसे देखकर महिला घबरा गई। वहीं महिला के चिल्लाने पर स्कूल के शिक्षक और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, हालांकि तब तक सर्प भाग चुका था। जिसके बाद सर्प के काटने से बीमार हुई महिला को तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाकर भर्ती किया गया जहां उपचार जारी है।

अंधविश्वास छोड़ अस्पताल पहुंचे परिजन, बची जान

आमतौर पर ग्रामीण इलाकों में जानकारी के अभाव में लोग सर्पदंश के बाद मरीज को झाड़-फूंक करवाने ले जाते हैं, जिससे स्थिति बिगड़ जाती है। लेकिन श्यामाबाई के परिजनों ने समझदारी दिखाते हुए उन्हें बिना वक्त गंवाएं तुरंत लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया। डॉक्टरों की देखरेख में उपचार जारी है और महिला की हालत स्थिर है। अगर जिस महिला को सर्प ने काटा था अगर उसे अस्पताल न लाते हुए झाड़-फूंक वाले के पास लेकर जाते थे महिला की तबियत और बिगड़ सकती थी। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि झाड़ियों, पेड़ों या अंधेरी जगहों पर जाने से पहले सावधानी बरतें, किसी भी जहरीले जीव या सर्प के काटने पर झाड़-फूंक के चक्कर में समय खराब न करते हुए मरीज को तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल लेकर जाये ताकि समय पर सही इलाज मिल सके।

कोस्ते से निकली कावड़ यात्रा लिंगमारा के जल से हुआ शिवजी का जलाभिषेक

चौथे श्रावण सोमवार पर संगीतमय सुंदरकांड और भजन संध्या का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोस्ते में श्रावण मास के पावण अवसर पर चौथे श्रावण सोमवार को भक्ति का अनुपम दृश्य देखने को मिला। महाकाल सरकार समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में इस वर्ष भी अत्यधिक हर्षोल्लास और भव्यता के साथ कावड़ यात्रा, संगीतमय सुंदरकांड पाठ, भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह ग्राम कोस्ते से भव्य कावड़ यात्रा के साथ हुई। भक्ति गीतों की मधुर धुन पर झूमते श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। यह कावड़ यात्रा कोस्ते से प्रारंभ होकर महाराजपुर और डोंगरगांव का भ्रमण करते हुए लिंगमारा स्थित श्री राम बालाजी मंदिर पहुंची। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित पवित्र तालाब से कावड़ में जल भरा और पुन: ग्राम कोस्ते की ओर प्रस्थान किया। यह यात्रा गांव के प्रमुख चौक.चौराहों और गलियों में भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने जगह.जगह पुष्प वर्षा और शीतल जल का वितरण कर कावड़ यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया। डीजे पर बज रहे भजनों पर युवा और श्रद्धालु जमकर थिरके। कावड़ यात्रा ग्राम के विभिन्न मार्गों से होते हुए कोस्ते नाला स्थित शंकर घाट पहुंची जहां यात्रा का विधिवत समापन हुआ। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने लिंगमारा के पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि.विधान से पूजा.अर्चना के बाद भगवान शिव की भव्य महाआरती की गई। जलाभिषेक के उपरांत शंकर घाट परिसर में धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आदित्य ग्रुप जागरण की टीम द्वारा प्रस्तुत संगीतमय सुंदरकांड पाठ और मनमोहक भजनों की प्रस्तुति ने समां बांध दिया। भजनों की धुन पर उपस्थित लोग भक्ति रस में सराबोर होकर नृत्य करने लगा। कार्यक्रम के अंतिम चरण में विशाल भंडारे रूपी महाप्रसादी का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासियों आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं और राहगीरों ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि गांव में धार्मिक और सकारात्मक वातावरण निर्मित करने तथा युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति व धर्म से जोड़ने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष इस तरह के अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष भी महाकाल सरकार समिति और समस्त ग्रामवासियों के दोगुने उत्साह और सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

खैरी से बालाघाट तक निकली भव्य कांवड़ यात्रा

खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरी के प्राचीन शिव मंदिर से शिव भक्तों के द्वारा एक भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। भक्ति, उत्साह और अपार जनसमूह के साथ निकाली गई यह कांवड़ यात्रा क्षेत्र में धार्मिक सौहार्द और शिव भक्ति का अनुपम उदाहरण बनी। कांवड़ यात्रा ग्राम खैरी स्थित शिव मंदिर से प्रारंभ होकर खैरलांजी, खड़खड़ी, रामपायली सहित विभिन्न ग्रामीण अंचलों का भ्रमण करते हुए वारासिवनी खैरलांजी मुख्य मार्ग से वारासिवनी पहुंची। इसके पश्चात यात्रा बालाघाट मार्ग से होते हुए सीधे बालाघाट के शंकर घाट पर पहुंचकर संपन्न हुई। कांवड़ यात्रियों ने खैरलांजी के ग्राम खैरी किनारे बहने वाली नदी से पवित्र जल एकत्र किया था। शंकर घाट पहुंचने के बाद विधि.विधान से पूजा.अर्चना की गई और इसी जल से भगवान महादेव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख.समृद्धि एवं शांति की कामना की गई। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग हर हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयकारों से गुंजायमान रहा। डीजे पर बज रहे भोलेनाथ के मनमोहक भजनों पर कांवड़िये भक्ति में लीन होकर जमकर थिरकते नजर आए।

विधायक जनसंपर्क कार्यालय के सामने हुई पुष्प वर्षा

वारासिवनी आगमन पर विधायक जनसंपर्क कार्यालय के सामने विधायक विवेक पटेल ने कांवड़ यात्रा का स्वागत किया। उन्होंने शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा की और स्वयं कांवड़ का आशीर्वाद ग्रहण कर क्षेत्रवासियों के कल्याण और सुख.समृद्धि की प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने जयकारों के साथ कांवडियों का उत्साहवर्धन भी किया।

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कंधे पर उठाई कांवड़ क्षेत्र की सुख समृध्दि की कामना

नगर के दीनदयाल चौक पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कांवड़ यात्रियों का आत्मीय अभिनंदन किया। इस दौरान श्रावण मास के चौथे सोमवार के पावन अवसर पर शिव भक्तों का उत्साह बढ़ाने के लिए पूर्व मंत्री श्री जायसवाल ने स्वयं अपने कंधे पर कांवड़ धारण की और यात्रा में पैदल चले। उनके इस कदम से यात्रा में शामिल युवाओं में एक नया ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला।

भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ श्रावण महोत्सव

पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक महाप्रसाद का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के प्रसिद्ध सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर जोड़ापीपल वार्ड नंबर १४ में श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित श्रावण महोत्सव पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक का चतुर्थ एवं अंतिम सोमवार २४ अगस्त को भव्य एवं भक्तिमय माहौल में समापन हुआ। यह गरिमामयी धार्मिक आयोजन श्री शिवाय नमस्तुभ्यम समिति वारासिवनी एवं सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर समिति वारासिवनी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। श्रावण मास के प्रथम सोमवार ३ अगस्त से प्रारंभ हुए इस धार्मिक अनुष्ठान में पूरे महीने भक्ति का माहौल बना रहा। श्रावण मास के चारों सोमवार ३ अगस्त, १० अगस्त, १७ अगस्त एवं २२४ अगस्त को प्रात: ६ बजे से ८ बजे तक पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। आचार्य पंडित धर्मेंद्र तिवारी के द्वारा पूरे विधि.विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन.अर्चन व रुद्राभिषेक संपन्न कराया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं धार्मिक बंधुओं ने स्वयं अपने हाथों से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर उनका रुद्राभिषेक किया और धर्म लाभ अर्जित किया। प्रत्येक सोमवार को पूजन के उपरांत संध्या समय में पार्थिव शिवलिंगों का आदर सहित विसर्जन किया जाता रहा। श्रावण मास के अंतिम एवं चौथे सोमवार २४ अगस्त को रुद्राभिषेक के उपरांत विशेष हवन पूजन एवं भव्य महाआरती का आयोजन हुआ। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को महाप्रसादी का वितरण किया गया। महाआरती के दौरान हर हर महादेव और श्री शिवाय नमस्तुभ्यम के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। इसके पश्चात पार्थिव शिवलिंगों के विसर्जन के साथ ही इस वर्ष के श्रावण महोत्सव का विधिवत समापन हुआ। समिति के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री शिवाय नमस्तुभ्यम समिति द्वारा पिछले ८ वर्षों से निरंतर पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक का यह पवित्र कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। समिति के द्वारा हर वर्ष यह आयोजन नगर के विभिन्न मंदिरों में संपन्न कराया जाता है। इसी श्रृंखला में इस वर्ष यह आयोजन सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर जोड़ापीपल में आयोजित किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य जन सामान्य को सनातन धर्म, संस्कृति और भगवान शिव की महिमा से जोड़ना तथा भक्ति भाव का प्रसार करना है। पूरे श्रावण मास के दौरान नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने उपस्थिति दर्ज कराई। समापन अवसर पर बड़ी संख्या में लोगो ने सहभागिता कर महाप्रसादी ग्रहण किया और पुण्य लाभ अर्जित किया।

रेंगाझरी में भाजपा की बूथ कमेटी की बैठक सम्पन्न

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में नये बूथ अध्यक्ष का किया चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रेंगाझरी में भाजपा ने नये बूथ क्रमांक ११६ के पार्टी की आवश्यक बैठक आहूत कर बूथ कमेटी का चयन किया गया। बैठक में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे जिला कार्यकारिणी सदस्य विशेष रूप से शामिल हुये। बैठक में सबसे पहले बूथ अध्यक्ष का चयन कर अध्यक्ष पद पर जितेन्द्र पटले को मनोनीत कर उनका स्वागत किया गया। साथ ही १२ सदस्यीय टीम का चयन कर पार्टी को पूरी जानकारी पहुचांयी गयी। बैठक में पंचायत चुनाव को लेकर भी रायशुमारी की गयी। वही रेंगाझरी के ग्रामीणो ने आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के विषय में भी उत्साह दिखाकर जमकर नारेबाजी की। बैठक मे ईश्वरी बघेले सरपंच, मिथलेश दमाहे, जितेन्द्र पटले, राधेश्याम ,सूर्यकांत दमाहे, अभिषेक खोब्रागडे, रंजीत बेलेकर, प्रवीण बागडे, रितेश कुमार, सोहनलाल डोहरे, पितमलाल शरणागत, गणेश दमाहे, कन्हैया बघेले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

समुद्र मंथन से निकले विष को ग्रहण करने के कारण ही शिवजी का नाम नीलकंठ पड़ा-प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में सावन माह के उपलक्ष्य में नगर के प्राचीन शीतला माता मंदिर में भव्य स्तर पर शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, मोनू लिमजे, मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे, सुभाष पारधी आदि ने शामिल होकर व्यासपीठ और महाराजश्री का आर्शीवाद प्राप्त किया। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे व वार्ड की महिला टीम के द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा में शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल व अन्य अतिथीयों ने कथा वाचक पं श्री वंद्रभूषण तिवारी शास्त्री महाराज प्रयागराज उत्तर प्रदेश को नमन किया। साथ ही द्वादस ज्योर्तिलिंग की कथा का श्रवण कर अनेको अवसरो पर जयकारे भी लगाये। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की आज के समय में भोला होने पर हम उसे बेवकूफ की तरह देखते है। किंतू भगवान शिवपुराण के अनेको प्रंसगो में देखने को मिलता है की भोला होना भी सबसे अच्छा होता है भगवान शिव स्वंय भोल थे। तभी उन्होने समुद्र मंथन के समय निकले विष को स्त्रष्टि को बचाने के लिये ग्रहण कर लिया। इस विष ग्रहण करने से शिवजी का कंठ नीला हो गया तभी से उनका नाम नीलकंठ भी पड गया है। आज भी देवो के देव महादेव का अभिषेक जल से इसलिये किया जाता है की उनके गले को ठंडक पहुचे। अत हमे भी यह ध्यान रखना चाहिये की पडोसी की मदद, किसी परेशान का सहारा बनकर हम भी भोला बनकर इंसानियत के धर्म को समझे। शिव महापुराण कथा को सफल बनाने में श्रीमती सरिता मनोज दांदरे,श्रीमती उमा अले, गीता नेवारे, अनिता मरठे, संगीता देशमुख,सरोज सहारे,महेश्वरी मात्रे, भागरता पंचेश्वर, मालती पंचेश्वर,करूणा खैरवार, अगस्ता देशमुख,रेखा मरठे, मालती पंचेश्वर, संगीता सहारे, गीता नेवारे,रीता पंचेश्वर सहित अन्य महिलाओं का योगदान सराहनीय रहा।

कांग्रेस पार्टी अपनी गिरती हुयी साख और छवि को छूपाने ले रही झूठ का सहारा -राही पांडे सरपंच प्रतिनिधि

कांग्रेस कार्यालय में भाजपा के नही जन्मजात कांग्रेसीयो ने ही ली कांग्रेस की सदस्यता पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कांग्रेस कार्यालय वारासिवनी में विधायक विवेक पटेल के नेतृत्व में क्षेत्र के सेलवटपार ग्राम के कुछ लोगो के द्वारा भाजपा से कांग्रेस में शामिल होने की जानकारी सोशल मिडिया व प्रिंट मिडिया में प्रसारित की गई। जिस पर सेलवटपार के सरपंच प्रतिनिधि राही पांडे व बूथ अध्यक्ष मुन्नालाल रिनायत के द्वारा बयान जारी करते हुये बताया की कांग्रेस लंबे समय से क्षेत्र में झूठ की राजनिति कर रही है। और आज भी पुराने कांग्रेसीयों को भाजपा का बताकर कांग्रेस में शामिल होने का झूठ फैलाया गया है। किंतू इस हरकत से भाजपा किसी भी प्रकार से विचलित होने वाली नही है। ग्राम सेलवटपार के सरपंच प्रतिनिधि राही पांडे ने अपने बयान में बताया की क्षेत्र में आज फिर कांग्रेस का एक और झूठ और नया प्रोपोगंडा पकडा गया है। कांग्रेस अपनी गिरती हुयी साख और गिरती हुयी छवि को छूपाने के लिये झूठ का सहारा ले रही है। सेलवटपार और ग्राम घोटी के युवाओं द्वारा कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने की छूटी खबर प्रसारित की गयी। श्री पांडे ने बताया की कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेसीयो ने ही कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है। और उसे भाजपा का नाम देकर झूठ फैलाने का असफल प्रयास किया गया है। आज जिन युवाओं की फोटो कांग्रेस ने प्रसारित की है वह पहले से ही कांग्रेसी है और कुछ लोग तो उनके सेलवटपार ग्राम के भी नही है। इस तरह झूठ की राजनिति करके कोई नेता नही बन सकता है। यह विधायक विवेक पटेल का छवि बचाने का षडयंत्रकारी असफल प्रयास है। वहीं बूथ अध्यक्ष मुन्नालाल रिनायत ने कहा की मोबाईल के माध्यम से जानकारी लगी की कांग्रेस कार्यालय में कुछ लोगो ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है। यह लोग भाजपा के नही अपितू पहले से ही जन्मजात कांग्रेस के लोग है और यह पूरा मामला झूठ के सहारे कांग्रेस का अपनी गिरती छवि को बचाने का असफल प्रयास है। रामदास चौधरी के पुत्र भूपेन्द्र चौधरी ने सेलवटपार सरपंच प्रतिनिधि राही पांडे को सोशल मिडिया और लिखित में जानकारी देकर बताया कि मेरे पिताजी रामदास चौधरी का नाम एक खबर में कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले लोगों की सूची में दिया गया है और विधायक से हाथ मिलाने वाला वीडियो भी वायरल किया जा रहा है। असल में मोहल्ले के लोगों ने ही पिताजी से कहा था कि आपके घर के पास बिजली का पोल नहीं है और आपने दूर से कनेक्शन लिया हुआ है। इसलिए चलिए विधायक के पास अपनी बिजली की समस्या बताते हैं। इसी समस्या को लेकर पिताजी उनके साथ विधायक से मिलने गए थे। वहाँ विधायक ने सभी से हाथ मिलाया और पिताजी के कंधे पर कांग्रेस का दुपट्टा भी डाला। लेकिन पिताजी कांग्रेस में शामिल होने के लिए वहाँ नहीं गए थे और उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता नहीं ली है। इसलिए सिर्फ फोटो या वीडियो के आधार पर यह कहना कि पिताजी ने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है, सही नहीं है। अगर सदस्यता ली गई है तो उसका प्रमाण होना चाहिए,हम किसी पार्टी के खिलाफ नहीं हैं। बस पिताजी के बारे में जो बात लोगों के बीच जा रही है, उसमें सच्चाई स्पष्ट होनी चाहिए।

बोदलकसा का लापता बालक मुंबई में मिला

परिजनों व पुलिस की टीम बालक लाने मुंबई रवाना

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम बोदलकसा से ११ अगस्त से अचानक रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हुए ग्राम बोदलकसा निवासी अभय पिता अशोक मेश्राम को मुंबई में सकुशल दस्तयाब कर लिया गया है। सूचना मिलते ही २३ अगस्त को वारासिवनी पुलिस की टीम और परिजन बालक को वापस लाने के लिए मुंबई रवाना हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभय मेश्राम ११ अगस्त को प्रतिदिन की तरह अपने घर बोदलकसा से स्कूल जाने के लिए निकला था। वह अपनी साइकिल से ग्राम बुदबूदा स्थित एक पशु आहार की दुकान पर पहुंचा जहां उसने साइकिल खड़ी की और बस में सवार होकर वारासिवनी आ गया। इसके बाद वह अचानक लापता हो गया और उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों की शिकायत पर वारासिवनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू किए। जबकि परिजन भी लगातार विभिन्न शहरों में उसकी तलाश कर रहे थे। लापता बालक घूमते हुए महाराष्ट्र के मुंबई रेलवे स्टेशन पहुंच गया जहां लावारिस स्थिति में देखकर मुंबई पुलिस ने उसे अपनी सुरक्षा में ले लिया। पूछताछ के दौरान मुंबई पुलिस को बालक के संबंध में जानकारी मिली जिसके बाद उन्होंने तत्काल बालाघाट पुलिस से संपर्क कर मामला तलब किया। दर्ज गुमशुदगी के आधार पर बालाघाट पुलिस ने मुंबई पुलिस को पूरी जानकारी दी। मुंबई पुलिस ने वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए अभय मेश्राम को मुंबई के एक बाल आश्रम में सुरक्षित रखवा दिया है। बालाघाट पुलिस की सूचना पर वारासिवनी थाना पुलिस और परिजन २३ अगस्त को मुंबई के लिए रवाना हो गए हैं। प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी कर बालक को जल्द ही सकुशल वारासिवनी वापस लाया जाएगा।

चुनौती बन रहा है नाबालिगों का अपराध की ओर बढ़ता रूझान

नाबालिग बच्चों में अपराध की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है। छोटी उम्र के बच्चों में आक्रामकता, चोरी, मारपीट और यहाँ तक कि गंभीर हिंसक अपराधों जैसे हत्या लूट के रुझान में इजाफा देखा जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में हिंसक डिजिटल कंटेंट, पारिवारिक संवाद की कमी और गलत संगत शामिल हैं।हाल ही में तेलंगाना के नालगोंडा में एक महिला प्रिंसिपल की उनके ही स्कूल के तरूण छात्र ने एक अन्य साथी छात्र के साथ मिलकर लूटपाट कर नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने 48 वर्षीय स्कूल प्रिंसिपल की सनसनीखेज हत्या के मामले को सुलझा लिया है और दो छात्रों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पैसे और आलीशान जीवन शैली के लिए अपराध की योजना बनाई थी।यह वारदात समाज में नाबालिक बच्चों में अपराध की दुनिया के प्रति बढ़ता आकर्षण कानून और समाज से बेखौफ उन्मुक्त और अय्याशी भरे जीवन शैली को जीने की ललक को बताती है। भारत में क्राइम के मामलों को लेकर एनसीआरबी ने चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, हत्या, रेप और अपहरण जैसे संगीन अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली में 40 फीसदी से भी अधिक ऐसे केस सामने आए हैं। आपको बता दें कि तेलंगाना के कोंडमल्लेपल्ली स्थित नागार्जुन पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर कल्लू रूपा रेड्डी 12 अगस्त की सुबह अपने घर में मृत पाई गईं। उनके शरीर पर चाकू के 27 घाव थे। उनका शव तब बरामद हुआ जब उनके पति, जो हैदराबाद में थे, ने पड़ोसियों को बताया कि वह उनके फोन का जवाब नहीं दे रही हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने उन्हें मृत पाया। इसके बाद पुलिस ने पांच टीमें बनाईं और सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट, तकनीकी डेटा और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच की और 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। बाबू शब्द के कारण छात्रों ने जांचकर्ताओं को तब सुराग मिला जब उन्हें पता चला कि फोन बंद होने से पहले रूपा रेड्डी ने अपनी चाची से बात करते समय बाबू शब्द का इस्तेमाल किया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शरथ चंद्र पवार के अनुसार उसकी बातचीत के दौरान रिकॉर्ड किया गया आखिरी शब्द बाबू था। हमने इस बात की जांच की कि वह किसका जिक्र कर रही थी, और इससे हमें स्कूल के छात्रों की ओर संकेत मिला। इसके बाद जांचकर्ताओं ने छात्रों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और कक्षा 10 के उन पांच छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो स्कूल से अनुपस्थित रहे थे। उन्हें पता चला कि उनमें से दो छात्र पिछले कुछ दिनों में खूब पैसा खर्च कर रहे थे और पार्टियां दे रहे थे।पवार ने बताया कि दोनों छात्रों को बुधवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने योजना के अनुसार रूपा रेड्डी की हत्या की थी। जांच अधिकारी के अनुसार आरोपियों को इससे पहले रूपा रेड्डी द्वारा फटकार लगाई गई थी, जब उनके छात्रावास के बैग से नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ था।उसने उनके माता-पिता को सूचित किया, और उन्हें छात्रावास से निकालकर दैनिक छात्र का दर्जा दे दिया गया।पुलिस को संदेह है कि इससे प्रधानाचार्य के प्रति असंतोष पैदा होने में योगदान हो सकता है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया के इस दौर में ऑनलाइन गेम और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध असीमित और हिंसक सामग्री बच्चों के कोमल मन पर बुरा असर डाल रही है।

चार साल से कम उम्र के बच्चों की इन दवाओं पर प्रतिबंध-सर्दी-जुकाम की दवा पर सरकार का बड़ा ब्रेक

वैश्विक स्तरपर वैश्विक स्तरपर किसी भी देश के लिए केवल सरकार बनाना, सत्ता का संचालन करना और विकास की योजनाएं घोषित करना ही पर्याप्त नहीं है। वास्तविक सुशासन की कसौटी तब सामने आती है,जब सरकार जनहित से जुड़े उन क्षेत्रों में भी लगातारनिगरानी कठोर नियमन और समयबद्ध निर्णय ले, जहां एक छोटी- सी प्रशासनिक चूक किसी नागरिक की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।स्वास्थ्य और दवाओं की सुरक्षा ऐसा ही अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है।विशेष रूप से छोटे बच्चों के मामले में सरकार,दवा निर्माता चिकित्सक,फार्मासिस्ट और अभिभावक, सभी की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है।इसी व्यापक जनहित और बाल सुरक्षा की दृष्टि से 22 अगस्त 2026 को केंद्र सरकार द्वारा चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलएफ्रिन हाइड्रोक्लोराइड वाले कुछ फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन पर कड़ा नियामक कदम उठाना महत्वपूर्ण माना जा सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सरकार के इस निर्णय का मूल उद्देश्य किसी सामान्य सर्दी-जुकाम को लेकर भय पैदा करना नहीं,बल्कि छोटे बच्चों में ऐसी दवाओं के अनावश्यक अथवा अनुचित उपयोग से संभावित जोखिम को कम करना है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन दोनों सक्रिय घटकों को मिलाकर बनाए गए फिक्स्ड- डोज कॉम्बिनेशन के संबंध में विशेषज्ञ स्तरपर विचार किया गया और ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड यानी की सिफारिशों के बाद चार वर्ष से कम आयु के बच्चों में इनके उपयोग को लेकर प्रतिबंधात्मक व्यवस्था लागू की गई।इसके साथ निर्माताओं के लिए लेबल, पैकेजिंग,दवा के साथ उपलब्ध सूचना तथा प्रचार सामग्री पर स्पष्ट आयु-संबंधी चेतावनी देना अनिवार्य किया गया है कि चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ऐसी दवा नहीं दी जानी चाहिए। यह व्यवस्था इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि दवा की सुरक्षा केवल डॉक्टर के कमरे तक सीमित विषय नहीं है; दवा की बोतल और पैकेट पर लिखी स्पष्ट जानकारी भी रोगी सुरक्षा की पहली पंक्ति बन सकती है। साथियों, मीडिया में जानकारी के अनुसार क्लोरफेनिरामाइन एक एंटीहिस्टामिन दवा है, जिसका उपयोग एलर्जी और सर्दी-जुकाम से जुड़े कुछ लक्षणों में किया जाता रहा है।दूसरी ओर फिनाइलएफ्रिन एक डिकंजेस्टेंट के रूप में नाक बंद होने और जकड़न जैसे लक्षणों को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इन घटकों का संयोजन कुछ सर्दी-जुकाम तथा ऊपरी श्वसन तंत्र से संबंधित लक्षणों वाली दवाओं में मिलता रहा है। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि किसी दवा का वयस्कों या बड़े बच्चों में इस्तेमाल होना अपने आप यह सिद्ध नहीं करता कि वही दवा बहुत छोटे बच्चों के लिए भी समान रूप से उपयुक्त होगी। बच्चों का शरीर विकसित हो रहा होता है, उनका वजन, चयापचय, अंगों की कार्यप्रणाली और दवाओं के प्रति प्रतिक्रिया उम्र के साथ बदलती है। इसलिए बाल चिकित्सा में दवा की मात्रा, संयोजन और उपयोग की उपयुक्तता को अलग वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखना आवश्यक होता है।यही वह बिंदु है जहां सरकार का नया कदम केवल एक दवा पर लगाया गया प्रतिबंध नहीं, बल्कि 'रेगुलेटरी प्रीकॉशन' यानी संभावित जोखिम को पहले ही नियंत्रित करने की नीति का उदाहरण बन जाता है। यदि किसी विशेष आयु वर्ग के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं और विशेषज्ञ समितियां किसी संयोजन के संभावित जोखिम की ओर संकेत करती हैं, तो नियामक संस्था का दायित्व बनता है कि वह बाजार में उपलब्ध दवाओं के उपयोगह्न को स्पष्ट नियमों के माध्यम से सुरक्षित बनाए। खासकर चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों के संदर्भ में सावधानी का स्तर अधिक होना स्वाभाविक है, क्योंकि इस आयु वर्ग में माता-पिता अक्सर बच्चे के लक्षणों को देखकर स्वयं दवा देने का प्रयास कर सकते हैं। यहां 'सर्दी-जुकाम सामान्य बीमारी है' जैसी सोच कभी- कभी गलत आत्मविश्वास पैदा कर सकती है। साथियों, अभिभावकों के लिए भी यह निर्णय एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया है,बच्चे को दवा देना घरेलू अनुमान का विषय नहीं होना चाहिए। विशेष रूप से चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को बिना चिकित्सकीय सलाह के सर्दी-जुकाम, खांसी, एलर्जी या नाक बंद होने की दवा देना जोखिमपूर्ण हो सकता है। अभिभावकों को दवा की पैकेजिंग पर दी गई आयु संबंधी चेतावनी पढ़नी चाहिए, दवा की मात्रा स्वयं तय नहीं करनी चाहिए और डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा को निर्धारित मात्रा तथा अवधि के अनुसार ही देना चाहिए। यदि किसी दवा के लेबल पर चेतावनी दी गई है या बच्चे की उम्र के लिए उपयोग सीमित है, तो उसे नजरअंदाज करना बिल्कुल उचित नहीं है।यहां स्वास्थ्य जागरूकता और डिजिटल युग की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आज अभिभावक इंटरनेट और सोशल मीडिया से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी तेजी से प्राप्त करते हैं, लेकिन हर ऑनलाइन सलाह चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित नहीं होती।किसी परिचित ने किसी बच्चे को कोई दवा दी और उसे फायदा हुआ इस आधार पर वही दवा दूसरे बच्चे को देना सुरक्षित चिकित्सा पद्धति नहीं है। बच्चे की उम्र, वजन, लक्षण, बीमारी का कारण और अन्य दवाओं के साथ संभावित प्रभाव अलग हो सकते हैं। इसलिए डिजिटल जानकारी को डॉक्टर की सलाह का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। साथियों, सरकार के मौजूदा कदम को पिछले कुछ महीनों में दवा नियमन को लेकर उठाए गए व्यापक प्रयासों की पृष्ठभूमि में भी देखना चाहिए।उपलब्ध जानकारी के अनुसार जून 2026 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 16 फिक्स्ड-डोज कॉम्बिनेशन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाया था। इसके अतिरिक्त कफ सिरप सहित सिरप को ओवर-द- काउंटर श्रेणी से बाहर करने तथा चिकित्सकीय पर्चे के माध्यम से दवा उपलब्ध कराने से संबंधित नियामक सख्ती का उल्लेख भी सामने आया है। यदि इन कदमों को एक साथ देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि दवा क्षेत्र में सरकार का जोर केवल दवा उपलब्ध कराने पर नहीं, बल्कि दवा कीगुणवत्ता,उपयुक्तता,निगरानी और जिम्मेदार उपयोग पर भी बढ़ रहा है।दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौतों के मामलों ने इस विषय की गंभीरता को और बढ़ाया है। डायथिलीन ग्लाइकोल जैसे विषैले संदूषकों से जुड़े मामलों ने दुनिया को यह याद दिलाया है कि दवा जीवन बचाने का माध्यम है, लेकिन यदि उसके निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण,भंडारण,वितरण या उपयोग में गंभीर लापरवाही हो जाए तो वही दवा जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित विभिन्न स्थानों पर दूषित सिरप से जुड़े बच्चों की मौतों की घटनाओं ने दवा सुरक्षा, गुणवत्ता परीक्षण और नियामक जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। इसलिए दवा सुरक्षा का अर्थ केवल किसी एक सक्रिय घटक पर प्रतिबंध लगाना नहीं,बल्कि उत्पादन से लेकर मरीज तक पहुंचने की पूरी श्रृंखला पर निगरानी स्थापित करना है। साथियों, यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि क्या केवल केंद्र सरकार के आदेश से दवा सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से 'नहीं' है। भारत जैसे विशाल और संघीय ढांचे वाले देश में केंद्र के साथ राज्यों के औषधि नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, स्थानीय निरीक्षण तंत्र,अस्पताल, चिकित्सक फार्मासिस्ट और दवा कंपनियां भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।केंद्र सरकार द्वारा जारी निर्देश तभी प्रभावी होंगे जब राज्य स्तर पर उनका कठोर अनुपालन सुनिश्चित हो। मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित या आयु-विशिष्ट दवाओं की बिक्री की नियमित जांच हो, चिकित्सकीय पर्चे की व्यवस्था का वास्तविक पालन हो और नियम तोड़ने वाले निर्माताओं अथवा विक्रेताओं के खिलाफ समय पर सटीकता से कार्रवाई की जाए। साथियों,इस पूरी व्यवस्था में दवा कंपनियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। किसी दवा का उत्पादन केवल इसलिए नहीं किया जाना चाहिए कि बाजार में उसकी मांग है। फार्मास्युटिकल उद्योग का मूल उद्देश्य लाभ के साथ-साथ मरीज की सुरक्षा होना चाहिए। पैकेजिंग पर चेतावनी को छोटे अक्षरों में औपचारिकता की तरह लिख देना पर्याप्त नहीं होगा। चेतावनी ऐसी भाषा और स्थान पर होनी चाहिए जिसे सामान्य उपभोक्ता आसानी से समझ सके। प्रचार सामग्री में भी ऐसी प्रस्तुति से बचना होगा जिससे अभिभावकों को यह भ्रम हो कि सर्दी-जुकाम की हर दवा बच्चों के लिए स्वत: सुरक्षित है। नियमन का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब कम्प्लायंस कागज से निकलकर व्यवहार में दिखाई दे।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दवा सुरक्षा का मूल सिद्धांत यही है कि बच्चों के लिए दवाओं का उपयोग वैज्ञानिक प्रमाण, आयु- विशिष्ट सुरक्षा और स्पष्ट नियामक निर्देशों के आधारस्र पर होना चाहिए। विश्वभर में 'पेडियाट्रिक मेडिसिन सेफ्टी' लगातार महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य विषय बन रहा है। भारत जैसे विशाल बाजार में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां दवाओं की उपलब्धता व्यापक है और लाखों परिवार स्वास्थ्य संबंधी निर्णय स्वयं लेने की स्थिति में होते हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी केवल प्रतिबंध जारी करना नहीं, बल्कि जनजागरूकता पैदा करना, निगरानी व्यवस्था मजबूत करना और नियमों के उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई करना भी है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

त्योहारों से पहले चीनी की कड़वाहट, सरकार ने कसी लगाम

-कांतिलाल मांडोत

रक्षाबंधन और जन्माष्टमी का त्योहार आने वाला है। इसके बाद गणपति स्थापना के साथ देशभर में त्योहारों का सिलसिला तेज हो जाएगा। त्योहारों का मतलब है मिठाइयां, पकवान और घर-घर में बनने वाले पारंपरिक व्यंजन। लेकिन इस बार त्योहारों की मिठास पर चीनी की बढ़ती कीमतों की कड़वाहट भारी पड़ती दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में चीनी के दाम जिस तेजी से बढ़े हैं, उससे आम परिवारों का रसोई बजट प्रभावित हुआ है। बाजार में चीनी के औसत भाव करीब 48 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 57 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं, जबकि कुछ जगह अधिकतम खुदरा कीमत 68 से 70 रुपए प्रति किलो तक बताई जा रही है। यानी एक महीने में ही खुदरा बाजार में कीमतों में 20 रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। चीनी की यह महंगाई ऐसे समय आई है जब त्योहारों का सबसे बड़ा दौर शुरू होने वाला है। रक्षाबंधन पर मिठाइयों की मांग बढ़ती है, जन्माष्टमी पर दूध, माखन और मिठाई से जुड़े उत्पादों की खपत बढ़ती है और इसके बाद गणपति उत्सव के दौरान बाजार में मिठाई, पेय पदार्थ और खाद्य सामग्री की बिक्री तेज हो जाती है। ऐसे में चीनी की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ने वाली है। यही वजह है कि सरकार ने भी समय रहते बाजार पर नजर रखने और जमाखोरी की आशंका को रोकने के लिए कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने उन डीलरों के लिए चीनी की स्टॉक सीमा तय कर दी है जो हर महीने 10 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का इस्तेमाल करते हैं। नए नियम के अनुसार ऐसे डीलर अब 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक अपने पास नहीं रख सकेंगे। पहले यह सीमा 30 दिनों की थी। यह व्यवस्था 1 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेगी। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि त्योहारों से पहले बड़े खरीदार भारी मात्रा में चीनी खरीदकर उसका भंडारण न कर लें और कृत्रिम रूप से बाजार में कमी पैदा न हो। चीनी के दाम बढ़ने के पीछे केवल त्योहारों की मांग ही जिम्मेदार नहीं है। देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र और कर्नाटक में उत्पादन में गिरावट ने भी बाजार को प्रभावित किया है। इसके अलावा पिछले वर्ष बड़ी मात्रा में चीनी बनाने योग्य गन्ने और उसके उत्पादों का इस्तेमाल एथेनॉल उत्पादन में हुआ। अनुमान के मुताबिक करीब 25 लाख टन चीनी बनाने लायक गन्ना और शीरा एथेनॉल के लिए इस्तेमाल किया गया। इससे चीनी मिलों के पास उपलब्ध स्टॉक पर दबाव बढ़ा। चीनी उत्पादन और उपलब्धता का अनुमान बाजार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले वर्ष उत्पादन के अनुमानों के आधार पर निर्यात की अनुमति देने का फैसला भी मौजूदा स्थिति की एक वजह बना। जब घरेलू बाजार में भविष्य की जरूरत को लेकर तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं थी, तब चीनी के निर्यात से घरेलू स्टॉक में कमी आई। बाद में निर्यात पर अंकुश लगाया गया, लेकिन तब तक करीब 8 लाख टन चीनी देश से बाहर जा चुकी थी। यही कारण है कि अब घरेलू बाजार में उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ी है। चीनी के सबसे बड़े उत्पादक महाराष्ट्र में थोक कीमतों में पिछले छह महीनों के दौरान करीब 52 प्रतिशत की वृद्धि बताई जा रही है। थोक बाजार में कीमतें लगातार ऊपर जाने का सीधा असर खुदरा बाजार पर पड़ा है। तीन महीने के दौरान चीनी के दाम करीब 40 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इस दौरान केवल चीनी ही महंगी नहीं हुई, बल्कि गुड़, चावल और मक्के के आटे की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। गुड़ के भाव करीब 24 प्रतिशत, चावल के 16 प्रतिशत और मक्के के आटे के दाम लगभग 11 प्रतिशत तक बढ़े हैं। यानी महंगाई का असर केवल चाय में डाली जाने वाली चीनी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी खाद्य श्रृंखला पर दिखाई देने लगा है। इसका एक बड़ा कारण एथेनॉल उत्पादन में कृषि उत्पादों का बढ़ता इस्तेमाल भी माना जा रहा है। एथेनॉल के लिए मक्का, चावल के टूटे दाने, खराब अनाज और गन्ने से जुड़े उत्पादों की मांग बढ़ी है। पिछले एक वर्ष में देश में करीब 720 करोड़ लीटर एथेनॉल उत्पादन हुआ और इसके लिए लगभग 1.33 करोड़ टन अनाज का इस्तेमाल किया गया। जब कृषि उपज का एक बड़ा हिस्सा खाद्य और पशु आहार बाजार के बजाय औद्योगिक उपयोग में जाने लगता है, तो उपलब्धता पर असर पड़ना स्वाभाविक है। खराब अनाज की उपलब्धता घटने से पशु आहार और पोल्ट्री फीड भी महंगे हुए हैं। इसका असर आगे चलकर दूध और अंडों की कीमतों पर भी दिखाई दे सकता है। हालांकि चीनी उद्योग से जुड़े कुछ विशेषज्ञ मौजूदा तेजी को वास्तविक कमी के बजाय सट्टेबाजी और घबराहट में की जा रही खरीदारी का परिणाम मानते हैं। उनका कहना है कि देश में चीनी की कुल उपलब्धता इतनी कमजोर नहीं है कि गंभीर संकट पैदा हो जाए। उनका अनुमान है कि मौजूदा पेराई सीजन खत्म होने तक भी पर्याप्त क्लोजिंग स्टॉक बचा रहेगा। दूसरी ओर व्यापारियों का कहना है कि सरकार को एथेनॉल नीति और चीनी की घरेलू जरूरत के बीच संतुलन बनाना होगा। यदि बड़ी मात्रा में गन्ने का उपयोग एथेनॉल में होता रहा और चीनी उत्पादन तथा स्टॉक का सही आकलन नहीं हुआ तो भविष्य में कीमतों पर दबाव दोबारा बढ़ सकता है। मिलों के शुरुआती स्टॉक में आई कमी भी मौजूदा परिस्थिति को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले पेराई सीजन से पहले मिलों के पास करीब 47 लाख टन का ओपनिंग स्टॉक था, जबकि इस बार यह घटकर लगभग 32 लाख टन रह गया है। हालांकि 2026-27 में गन्ने का कुल उत्पादन करीब 46.3 करोड़ टन और चीनी उत्पादन लगभग 3.36 करोड़ टन रहने का अनुमान है, लेकिन नए उत्पादन का बाजार में पर्याप्त मात्रा में पहुंचने में अभी समय है। यही अंतर मौजूदा मांग और उपलब्धता के बीच दबाव पैदा कर रहा है। स्थिति बिगड़ने पर सरकार चीनी आयात की संभावना पर भी विचार कर रही है।

करीब नौ साल बाद देश को चीनी आयात करने की जरूरत पड़ने की चर्चा ने बाजार और उद्योग दोनों का ध्यान खींचा है। हालांकि वैश्विक बाजार से पर्याप्त मात्रा में चीनी हासिल करना आसान नहीं माना जा रहा। कच्ची चीनी यानी रॉ शुगर के आयात की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। दुनिया में रॉ शुगर के बड़े निर्यातक देशों की सीमित संख्या को देखते हुए समय पर आयात करना सरकार के लिए चुनौती हो सकता है। दिलचस्प बात यह है कि कुछ वर्ष पहले भारत दुनिया के प्रमुख चीनी निर्यातकों में शामिल था। 2022-23 में चीनी, शीरा और उनसे बने उत्पादों का निर्यात करीब 1.33 करोड़ टन तक पहुंच गया था। इसके बाद निर्यात लगातार घटता गया। 2023-24 में यह करीब 51.35 लाख टन और 2024-25 में करीब 38.43 लाख टन रह गया। अब घरेलू उपलब्धता और कीमतों के दबाव के बीच आयात की चर्चा होना चीनी बाजार में आए बड़े बदलाव को दिखाता है। सरकार की ओर से स्टॉक सीमा घटाने का फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने के साथ जमाखोरी की आशंका भी बढ़ जाती है। यदि व्यापारी पहले से बड़ी मात्रा में चीनी खरीदकर बाजार में आपूर्ति कम कर दें तो कीमतें और तेजी से बढ़ सकती हैं। ऐसे में सरकार का नियंत्रण बाजार में कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर अंकुश लगाने की कोशिश है। आने वाले दिनों में यह भी देखना होगा कि स्टॉक सीमा और निगरानी से खुदरा कीमतों पर कितना असर पड़ता है। त्योहारों के इस मौसम में सबसे बड़ी चिंता यही है कि मिठाई की बढ़ती मांग के साथ चीनी की कीमतें आम उपभोक्ता की जेब पर कितना अतिरिक्त बोझ डालेंगी। रक्षाबंधन पर बहन के लिए मिठाई खरीदने से लेकर जन्माष्टमी के प्रसाद और गणपति उत्सव की मिठाइयों तक, चीनी लगभग हर त्योहार की रसोई का अनिवार्य हिस्सा है। इसलिए इसकी कीमत में उछाल का असर केवल एक वस्तु तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मिठाई, पेय पदार्थ, बेकरी और अन्य खाद्य उत्पादों की लागत भी बढ़ाता है।

न्यायाधीश भगवान नहीं, इंसान हैं—विनम्रता में ही न्याय की असली ताकत

लोकतंत्र की सफलता केवल चुनावों, संसद और सरकार के कामकाज से नहीं मापी जाती। लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इस बात से भी तय होती है कि देश का सामान्य नागरिक अपने अधिकारों और न्याय के लिए किस संस्था पर भरोसा करता है। जब शासन-प्रशासन से निराशा मिलती है, जब किसी व्यक्ति को लगता है कि उसकी बात कहीं नहीं सुनी जा रही, तब उसकी नजर अंततः अदालत की ओर जाती है। न्यायालय उसके लिए केवल एक संवैधानिक संस्था नहीं, बल्कि अंतिम उम्मीद का दरवाजा होता है। इसलिए न्यायपालिका की जिम्मेदारी असाधारण रूप से बड़ी है। इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस संजय करोल का विदाई समारोह में दिया गया संदेश विशेष महत्व रखता है। उन्होंने न्यायपालिका के मानवीय पक्ष पर जोर देते हुए कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं हैं और उनसे हर मामले में बिल्कुल सही फैसला देने की अपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। पहली नजर में यह कथन सामान्य लग सकता है, लेकिन इसके भीतर भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए एक गहरा संदेश छिपा है। न्यायाधीश का पद जितना शक्तिशाली है, उतना ही जिम्मेदारीपूर्ण भी है। इस शक्ति की वास्तविक गरिमा अचूक होने के दावे में नहीं, बल्कि विनम्रता, संवेदनशीलता और संविधान के प्रति निष्ठा में है। न्यायाधीश भी आखिर इंसान ही हैं। वे कानून, संविधान, उपलब्ध साक्ष्यों, दस्तावेजों और दोनों पक्षों की दलीलों के आधार पर निर्णय लेते हैं। उनके सामने आने वाला प्रत्येक मुकदमा अपनी परिस्थितियों में अलग होता है। कई बार तथ्य जटिल होते हैं, साक्ष्य अधूरे होते हैं और कानून की व्याख्या को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण संभव होते हैं। ऐसे में न्यायाधीश सर्वोत्तम संभव निर्णय देने का प्रयास करता है, लेकिन मनुष्य होने के नाते उससे भूल की संभावना को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। यही मानवीय वास्तविकता है। इसलिए न्यायाधीशों को भगवान की तरह अचूक मानना न तो न्यायपालिका के हित में है और न ही लोकतंत्र के। न्यायाधीश के पद का सम्मान होना चाहिए, लेकिन व्यक्ति-पूजा नहीं। किसी न्यायाधीश के निर्णय पर प्रश्न उठाना और उसके तर्कों की संवैधानिक या कानूनी समीक्षा होना न्यायपालिका की कमजोरी नहीं, बल्कि स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। न्यायपालिका की शक्ति किसी व्यक्ति की अचूकता से नहीं, बल्कि संस्था की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवैधानिक मर्यादा से आती है। जस्टिस करोल के संदेश का दूसरा और शायद अधिक महत्वपूर्ण पक्ष न्याय के मानवीय चेहरे से जुड़ा है। अदालत में आने वाला व्यक्ति केवल एक याचिकाकर्ता', प्रतिवादी', अपीलकर्ता' या अभियुक्त' नहीं होता। वह एक जीवित इंसान होता है, जिसके पीछे एक परिवार, संघर्ष, उम्मीद और कभी-कभी पूरी जिंदगी की पीड़ा छिपी होती है। किसी मुकदमे के कागजों के पीछे किसी मां की चिंता हो सकती है, किसी पिता की आखिरी उम्मीद हो सकती है, किसी मजदूर की रोजी-रोटी का सवाल हो सकता है या किसी परिवार के भविष्य का संकट हो सकता है। न्यायालय में खड़ा व्यक्ति अक्सर पहले ही किसी कठिन परिस्थिति से गुजर चुका होता है। यदि वह आर्थिक रूप से कमजोर है, कानूनी प्रक्रिया से अनजान है या सामाजिक रूप से प्रभावशाली नहीं है, तो अदालत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उसके लिए न्यायालय केवल कानून की किताबों और प्रक्रियाओं का संसार नहीं, बल्कि वह स्थान है जहां उसे उम्मीद होती है कि कम से कम उसकी बात निष्पक्ष रूप से सुनी जाएगी। यहीं से न्याय का मानवीय पक्ष सामने आता है। न्याय केवल यह नहीं है कि कानून की धारा क्या कहती है। न्याय यह भी है कि उस कानून को लागू करते समय परिस्थितियों, संवैधानिक मूल्यों और मानव गरिमा को कितना महत्व दिया गया। कानून का अक्षर आवश्यक है, लेकिन कानून की आत्मा को समझना भी उतना ही जरूरी है। यदि कानून की प्रक्रिया के बीच इंसान ही दिखाई देना बंद हो जाए, तो न्याय व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटक सकती है। भारतीय संविधान नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और गरिमा का अधिकार देता है। इसलिए न्यायालय का प्रत्येक निर्णय केवल दो पक्षों के बीच विवाद समाप्त करने का माध्यम नहीं होता, बल्कि वह संवैधानिक मूल्यों को व्यवहार में स्थापित करने का अवसर भी होता है। न्यायाधीश को इसी व्यापक दृष्टि के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करना होता है। न्यायाधीश के लिए कानून का ज्ञान अनिवार्य है, लेकिन केवल कानून का ज्ञान पर्याप्त नहीं है। न्यायिक विवेक, धैर्य, संवेदनशीलता, निष्पक्षता और विनम्रता भी उतनी ही आवश्यक हैं। कठोर कानूनी भाषा और न्यायिक गरिमा के बीच मानवीय संवेदना के लिए स्थान बना रहना चाहिए। अदालत की गंभीरता का अर्थ यह नहीं कि वहां संवेदना के लिए कोई जगह न हो। इसीलिए जस्टिस करोल द्वारा न्यायाधीशों में विनम्रता की आवश्यकता पर जोर देना बेहद महत्वपूर्ण है। विनम्रता का अर्थ निर्णय लेने की क्षमता में कमजोरी नहीं है। इसके विपरीत, अपनी सीमाओं को समझना ही वास्तविक शक्ति है। जो व्यक्ति यह मानता है कि उससे कभी गलती नहीं हो सकती, वह आत्ममुग्धता का शिकार हो सकता है। लेकिन जो यह समझता है कि उसे हर मामले में पूरी सावधानी, निष्पक्षता और ईमानदारी से सर्वोत्तम निर्णय देने का प्रयास करना है, वही न्याय की वास्तविक भावना के करीब पहुंचता है। आज भारतीय न्याय व्यवस्था के सामने अनेक चुनौतियां हैं। अदालतों में लंबित मामलों का बोझ, न्यायिक प्रक्रिया की लंबाई, मुकदमों का खर्च, गरीब और सामान्य नागरिक के लिए कानूनी सहायता की कठिनाइयां तथा कानूनी प्रक्रिया की जटिलता ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान लगातार खोजा जाना चाहिए। आम नागरिक के लिए न्याय केवल उपलब्ध होना ही पर्याप्त नहीं है; न्याय समय पर और सम्मानजनक तरीके से उपलब्ध होना भी आवश्यक है। कई बार वर्षों तक चलने वाला मुकदमा अपने आप में पीड़ा बन जाता है। न्याय में देरी का प्रभाव केवल अदालत के रिकॉर्ड पर नहीं पड़ता, बल्कि संबंधित परिवारों के जीवन पर पड़ता है। किसी व्यक्ति की संपत्ति, नौकरी, विवाह, शिक्षा, व्यवसाय या सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा मामला यदि वर्षों तक लंबित रहता है तो उसका प्रभाव आने वाली पीढियों तक महसूस हो सकता है। इसलिए न्यायपालिका के सामने केवल सही फैसला देने की चुनौती नहीं है, बल्कि समयबद्ध और प्रभावी न्याय देने की चुनौती भी है। हालांकि इस पूरी स्थिति के लिए केवल न्यायपालिका को जिम्मेदार ठहराना भी उचित नहीं होगा। मुकदमों की बढ़ती संख्या, सरकारी विभागों की बड़ी संख्या में मुकदमेबाजी, बार-बार होने वाली अपीलें, प्रक्रियात्मक जटिलताएं और संसाधनों की सीमाएं भी न्यायिक बोझ को बढ़ाती हैं। इसलिए न्याय व्यवस्था में सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि जनता न्यायपालिका से अपेक्षाएं रखते समय उसकी संवैधानिक सीमाओं को समझे। अदालतें कानून और संविधान के दायरे में निर्णय करती हैं। हर सामाजिक या राजनीतिक समस्या का समाधान अदालत के आदेश से नहीं हो सकता। न्यायपालिका शासन का विकल्प नहीं है और न ही उसे राजनीतिक या प्रशासनिक जिम्मेदारियों का स्थान लेना चाहिए। संस्थाओं के बीच संतुलन और संवैधानिक मर्यादा लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। जस्टिस करोल के संदेश में धर्म' को कर्तव्य के रूप में देखने का विचार भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। न्यायाधीश का धर्म किसी धार्मिक पहचान से नहीं, बल्कि उसके संवैधानिक कर्तव्य से तय होता है। उसका धर्म है—निष्पक्ष रहना, कानून का सम्मान करना, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना और बिना किसी भय या पक्षपात के न्याय करना। न्यायाधीश की सर्वोच्च निष्ठा संविधान के प्रति होनी चाहिए। न्यायपालिका के प्रति जनता का विश्वास किसी एक फैसले से नहीं बनता। यह विश्वास वर्षों में निर्मित होता है और कभी-कभी एक गलत धारणा या अनुभव से कमजोर भी हो सकता है। इसलिए अदालत में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ सम्मानजनक व्यवहार का महत्व बहुत अधिक है। जरूरी नहीं कि हर व्यक्ति अपने पक्ष में फैसला लेकर अदालत से बाहर निकले। लेकिन उसे यह जरूर महसूस होना चाहिए कि उसकी बात सुनी गई, उसके तर्कों पर विचार किया गया और उसके साथ कानून के अनुसार समान व्यवहार हुआ।

न्यायालय की गरिमा केवल उसकी भव्य इमारतों, न्यायाधीशों की औपचारिक पोशाक या कठिन कानूनी भाषा से नहीं बनती। उसकी वास्तविक गरिमा तब दिखाई देती है जब समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी अदालत की चौखट पर खड़े होकर यह विश्वास कर सके कि उसके अधिकारों की रक्षा होगी। जिसके पास पैसा नहीं, सत्ता नहीं और राजनीतिक प्रभाव नहीं, यदि वह भी न्याय की उम्मीद कर सकता है, तभी न्यायपालिका लोकतंत्र की सबसे मजबूत संस्थाओं में गिनी जाएगी।आज के दौर में न्यायपालिका के बारे में सार्वजनिक बहस भी लगातार बढ़ रही है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने न्यायिक फैसलों पर तत्काल प्रतिक्रियाओं का वातावरण बना दिया है। एक फैसला आते ही समाज दो हिस्सों में बंट जाता है—एक उसे सही बताता है और दूसरा गलत। ऐसे समय में यह समझना जरूरी है कि न्यायिक निर्णय भावनाओं की लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि कानून, संविधान और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किए जाते हैं। इसी तरह न्यायपालिका को भी यह ध्यान रखना होगा कि उसके निर्णयों की भाषा और तर्क आम नागरिक के लिए समझने योग्य हों।जस्टिस करोल की लंबी न्यायिक यात्रा का संदेश भी यही है कि न्यायिक सेवा केवल अधिकार का पद नहीं, बल्कि निरंतर आत्ममंथन की प्रक्रिया है। न्यायाधीश जितना अधिक अनुभव प्राप्त करता है, उतना ही उसे यह समझ में आता है कि हर मामला केवल कानून की धारा नहीं है। हर मामले के पीछे मनुष्य हैं, उनकी परिस्थितियां हैं और उनके जीवन पर निर्णय का सीधा प्रभाव पड़ता है।इसलिए न्यायाधीश का विनम्र होना किसी प्रकार की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

-सौरभ वार्ष्णेय

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सोमवार को किराना बाजार में ग्राहकी न खोपरा गोला में थोक व खेरची मांग अच्छी रही। बाजार कमजोर बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में सुस्ती रही। दलहनों में चना 6600-6650 रु. प्रति क्विंटल पर टिका रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार त्यौहारों में आवक 4 गाड़ी की रही। दालों के थोक व खेरची मांग अच्छी रहने से भावों में मजबूती रही। खाद्य तेलों में तेजी मंदी विशेष का अभाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 6000 रु. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहे। चना 6600-6650 रु. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखा गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 6450-6600, खोपरा गोला 370-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, हल्दी 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-328, साबूदाना 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, मच्छ मीठी 5700, सौंफ 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, राई 180-300, एवरेज 350-400, राई दाना 90-95, लौंग 85-95, काली मिर्च 775-785, बादाम 755-760, 800-900, इलायची 1150-1250, बेस्ट 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, जावित्री 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, फूल 235-425, 1675-1750, केसर 200-250, ... 775, 323-300, ... 1600, 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (अफगानी 751) 3450, पावडर 10 ग्राम 3550, ... 100-120, 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची 3500-3800, मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, बोल्ड बेस्ट 4600-4800, पापड़ 3000-3500, बड़ी इलायची 1800-2100, ताबूल मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू (346) 850-870, काजू ... (400) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम ... 1050-1150, गिरी 920-960, बादाम 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, ... 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश ... 450-600, ... 400-450, ... 1450-1750, ... 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, ... 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता ... 2900-3100, ... 2500-2700, ... 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूं आटा 1620, मैदा बड़ा 1850, रवा बड़ा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), ... (120) 3300-3350, (160) 3800-3850, (200) 4300-4350, (250) 4700-4750.

तेल- मूंगफली तेल 1730-1750, मुम्बई 1750, राजकोट तिलिया 2700, सोया ... 1410-1415, सोया रिफाइंड 1470-1475, कपास्या 1630-1635, सूरजमुखी 1640, ... 1640.

... 1500, मुम्बई सोया 1500.

खली- कपास्या खली (60 कि.ग्रा.) इंदौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसों 8000-8200, रायडा 7200-7400, सोयाबीन 6000, रामतिल ... 5500-5700, ... 4400-4500, अलसी 8500-9000, ... 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500.

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6650, ... 6500-6550, विशाल 6350-6450, महाराष्ट्र ... 5900-5950, काबुली चना डॉलर 7000-8300, काबुली चना ... 5600-5800, ... 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, ... 5900-5950, मूंग नई बेस्ट ... 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, ... 6500-6600, ... 6400-6500, महाराष्ट्र ... 7400-7500, महाराष्ट्र ... 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, उड़द नई 8400-8800, ... 9200-9500, ... 4000-6000.

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000.

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूं पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- बासमती दुबार 2900-3100, ... 3500-3700, ... 3400-3500, दुबराज 4500-5000, ... 7500, ... 8000, मिनी दुबार 8000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मिनी दुबार 8000-8500, ... 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100.

मावा- इंदौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रु. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इंदौर। एजेंसी। सोमवार को सर्राफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चांदी (999) 242500, चांदी (99) 242300, टंच 241900, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 158500.

रुपया एक पैसे की गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को एक पैसे की गिरावट के साथ 95.71 पर बंद हुआ। आज सुबह अमेरिकी मुद्रा में नरमी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे चढ़कर 95.64 प्रति डॉलर पर खुल गया। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव जारी रहने से रुपये को बहुत समर्थन नहीं मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक कमजोर हुआ है, लेकिन ब्रेंट क्रूड तेल की ऊंची कीमत और आयातकों की ओर से डॉलर की निरंतर मांग ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.66 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को कैवल तीन पैसे चढ़कर 95.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 171 अंक नीचे आकर 77,369 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33 अंकों की गिरावट के साथ ही 24,219 पर बंद हुआ।

आज सबसे अधिक गिरावट बैंकों के शेयरों में रही। निफ्टी पीएसयू इंडेक्स सबसे ज्यादा 0.93 फीसदी नीचे आया जबकि ऑटो क्षेत्र में तेजी रही। निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.6 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 में से 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए, जिनमें सबसे ज्यादा गिरावट एसबीआई लाइफ, अडानी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस समेत बजाज फिनसर्व के शेयरों में दर्ज की गई। इन शेयरों में 1-1.7 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं बढ़त वाले शेयरों में वेदांता, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को के शेयर 2 से 25 फीसदी उछले जबकि आईटी सेक्टर में एचसीएल टेक और इंफोसिस के शेयर भी 0.8 से 1.5 फीसदी बढ़े जिससे बाजार को गिरावट से कुछ समर्थन मिला और इससे गिरावट रुकी रही। इसके अलावा आज विशाल मेगा मार्ट, ग्रेन्यूल्स फार्मा और सीमेंस के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 0.30 फीसदी बढ़कर 77,769.91 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ 24,301.65 का स्तर देखा गया। एशियाई बाजार का निक्केई 225 करीब 0.48 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.28 फीसदी नीचे था।

कनाडा-अमेरिका व्यापार वार्ता टूटी, भारत-कनाडा व्यापार समझौते को मिली नई गति

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता टूटने से दोनों पड़ोसी देशों के व्यापारिक संबंधों में खटास आ गई है। अमेरिकी धमकियों से नाराज कनाडा अब नए बाजारों की तलाश में जुट गया है, जिससे भारत के साथ उसके बहुप्रतीक्षित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को एक नया रणनीतिक आयाम मिल गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका पर अंतिम समय में अन्य व्यापारिक सौदे करने की कनाडा की क्षमता को प्रतिबंधित करने का आरोप लगाते हुए इसे अस्वीकार्य बताया है। अमेरिका से वार्ता टूटने के बाद, कनाडा ने डेढ़ लाख उपभोक्ताओं तक अपनी शुल्क-मुक्त पहुंच को अगले छह महीनों में भारत और आसियान जैसे नए समझौतों से दोगुना करने का संकल्प लिया है। वार्ता विफल होने के बाद, अमेरिका ने 30 अरब डॉलर के कनाडाई वस्तु आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जिसके जवाब में कनाडा ने भी जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। यह घटनाक्रम भारत-कनाडा सीईपीए पर बातचीत को निर्णायक बढ़त दे सकता है। नीति आयोग के पूर्व सदस्य अरविंद विरमानी ने इस साझेदारी पर हस्ताक्षर और कार्यान्वयन में तेजी लाने का आह्वान किया है। वहीं ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के एक अधिकारी ने इसे भारत के लिए चेतावनी बताया, जो अमेरिका से बातचीत कर रहा है। उन्होंने भारत को अपनी नियामक और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा और संतुलित सौदे वाली रियायतों पर जोर देने को कहा। भारत और कनाडा ने इस साल मार्च में सीईपीए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसका लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 8 अरब डॉलर से बढ़ाकर 50 अरब डॉलर करना है।

आरबीआई की डॉलर स्कीम सुपरहिट! एनआरआई लाए देश में करोड़ों

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष एफसीएनआर डिपॉजिट स्वैप सुविधा ने देश में डॉलर के प्रवाह को अप्रत्याशित रूप से बढ़ा दिया है। इस योजना को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते, आरबीआई ने 24 अब समय से पहले ही बंद करने का फैसला किया है। जानकारी के अनुसार, इस सुविधा के तहत 21 अगस्त 2026 तक कुल 72.85 बिलियन डॉलर (लगभग 7.28 करोड़ डॉलर) का पूंजी प्रवाह दर्ज किया गया है, जिसमें अप्रवासी भारतीयों के एफसीएनआर(बी) खातों का सबसे बड़ा योगदान रहा है। आरबीआई द्वारा 9 जून को शुरू की गई इस सुविधा का मुख्य उद्देश्य देश में तरलता बढ़ाना और बैंकिंग प्रणाली को मजबूत करना था, न कि रुपये की कीमत को प्रभावित करना या विदेशी मुद्रा भंडार में भारी वृद्धि करना। योजना ने अपने उद्देश्य में शानदार सफलता हासिल की है। कुल 72.85 बिलियन डॉलर के प्रवाह में से, सबसे अधिक 65.397 मिलियन डॉलर एफसीएनआर(बी) यानी फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (बैंक) खातों के जरिए आए हैं। इसके अतिरिक्त, बाहरी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 2.591 मिलियन डॉलर और विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) के जरिए 4.860 मिलियन डॉलर का निवेश हुआ है। अप्रत्याशित सफलता और डॉलर की बेहतर आवक को देखते हुए, आरबीआई ने एफसीएनआर(बी) खातों के लिए इस सुविधा को 31 अगस्त 2026 को ही बंद करने का निर्णय लिया है, जो मूल निर्धारित समय से लगभग एक महीना पहले है। हालांकि, ईसीबी और ओएफसीबी के लिए पैसा जुटाने की सुविधा 31 दिसंबर 2026 तक खुली रहेगी। यह योजना बैंकों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के जोखिम से सुरक्षा (प्रिमियम हेज) प्रदान करती थी, जिससे एनआरआई के लिए एफसीएनआर(बी) खातों में पैसा जमा करना बेहद आकर्षक हो गया था। हालांकि, डॉलर के इस भारी प्रवाह से बैंकों को अधिक जमा राशि मिली है, लेकिन इसका उनकी ब्याज से होने वाली कमाई (नेट इंटरेस्ट मार्जिन - एनआईएम) पर अल्पकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। जानकारों का अनुमान है कि बैंकों का मार्जिन 3 से 15 बेसिस प्वाइंट तक गिर सकता है।

मेष- आज किस्मत आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगी। कामकाज में शानदार सफलता मिलने के संकेत हैं और आपको पुरानी मेहनत का असर अब साफ नजर आएगा। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में भी राहत या जीत की खबर मिल सकती है। आपकी पहचान, प्रभाव और साख बढ़ेगा। कारोबार में लंबे समय से चली आ रही परेशानियां अब धीरे-धीरे खत्म होंगी। परिवार के साथ बिताया समय मन को सुकून देगा और रिश्तों में भी मजबूत बनी रहेगी।

वृषभ- आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और लोग आपकी काबिलियत की तारीफ करेंगे। किसी खास सामाजिक कार्यक्रम में आपकी मौजूदगी आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकती है। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी और पुरानी दूरियां भी कम होंगी। दिन कुल मिलाकर सुखद रहेगा, लेकिन सेहत के मामले में खोड़ी सावधानी जरूरी है। बाहर का तला-भुना या ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें।

मिथुन- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। काम में छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए अपने लेख पर पूरा ध्यान रखें। किसी भी नकारात्मक बातों को दिल पर न लें और अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखें। दोस्त आपका साथ देंगे, हालांकि कोई करीबी व्यक्ति आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। लंबे समय से मन में दबी कोई इच्छा आज पूरी होने के संकेत हैं, जिससे मन काफी खुश होगा।

कर्क- आज का दिन खुशियों और मनोरंजन से भरपूर रहेगा। दोस्तों या परिवार के साथ घूमने जाने और मन हल्का करने के कई मौके मिल सकते हैं। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता दे सकता है, लेकिन भाई-बहनों का सहयोग आपको राहत दिलाएगा। मां के साथ किसी बात को लेकर गलतफहमी हो सकती है। इसे बातचीत से दूर करें। आपके जीवनसाथी के सुझाव काम आएंगे और आपसी समझ बेहतर रहेगी।

सिंह- आज आप अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे और अच्छे परिणाम भी हासिल करेंगे। कारोबार में किसी नए व्यक्ति के साथ साझेदारी की शुरुआत हो सकती है। संतान की सफलता से आपका मन गर्व और खुशी से भर जाएगा। हालांकि, किसी बड़े जोखिम में पैसा लगाने से बचें। अविवाहित लोगों को किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। घर या वाहन खरीदने की योजना भी आगे बढ़ सकती है।

कन्या- आज आपका आत्मविश्वास और साहस दोनों मजबूत रहेंगे। कुछ नया करने की इच्छा आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी और कारोबार में बदलाव या विस्तार की योजना बन सकती है। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रहेगा और परीक्षा के परिणाम उम्मीद के मुताबिक आ सकते हैं। मौसम बदलने का असर सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें। आपको मेहनत का उचित फल मिलने के संकेत हैं।

तुला- आज सुख-सुविधाओं और खुशियों से भरा दिन रह सकता है। घर के बड़े-बुजुर्गों का सहयोग मिलेगा और उनके मार्गदर्शन से महत्वपूर्ण फैसले लेना आसान होगा। अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, इसलिए अपने सामान और जरूरी दस्तावेजों का ध्यान रखें। लंबे समय से दिया हुआ उधार वापस मिलने की संभावना है। निवेश करने में जल्दबाजी न करें। आय के किसी अतिरिक्त स्रोत से भी आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है।

वृश्चिक- आज किसी भी महत्वपूर्ण फैसले में जल्दबाजी करने के बजाय पूरी सोच-विचार से आगे बढ़ें। आपकी समझदारी ही आपको सही दिशा दिखाएगी। परिवार की जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें। वैवाहिक जीवन में छोटी-मोटी खटास आ सकती है, लेकिन बातचीत और धैर्य से इसे संभाला जा सकता है। परिवार में किसी खुशी या शुभ समाचार से माहौल बेहतर होगा। भाई-बहनों का सहयोग आपके लिए काफी मददगार साबित होगा।

धनु- आज कुछ छात्रों आपकी परेशान कर सकता है। पुराने मामलों को ... कर्ज लेने से बचें, क्योंकि बाद में चुकाना मुश्किल हो सकता है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाएं हर किसी के सामने जाहिर न करें।

मकर- आज का दिन थोड़ा मिला-जुला रहेगा। कामकाज में तकनीकी समस्या या किसी छोटी अड़चन के कारण रफ्तार धीमी पड़ सकती है। किसी भी काम को जल्दबाजी में न निपटाएं। जिम्मेदारियों बढ़ने से तनाव महसूस हो सकता है, इसलिए खुद के लिए भी थोड़ा समय निकालें। आराम और मानसिक शांति पर ध्यान देना जरूरी होगा। जीवनसाथी से किया हुआ कोई वादा पूरा करना न भूलें, इससे रिश्तों में भरोसा बना रहेगा।

कुंभ- आज लंबे समय से अटके काम पूरे होने की संभावना है। आय बढ़ाने के नए रास्ते खुल सकते हैं और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं। कोई पुराना कानूनी मामला भी आपके पक्ष में जा सकता है। कार्यक्षेत्र में अच्छी खबर मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। कामकाज में सुधार होने से मन हल्का और आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात हो सकती है, जो आपके चेहरे पर मुस्कान ला देगी। जीवनसाथी से खुलकर बातचीत करने से मन का बोझ कम होगा। सेहत के मामले में लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है।

शब्दजाल - 8360

शब्द जाल में 'द' से शुरू होनेवाले 10 शब्द छुपे हैं, जिन्हें आप ऊपर से नीचे व तिरछे ढूंढ सकते हैं।

दावादार, दुहेज, दाना, दस्तावेज, दाम, दलालीक, दराज, दलील, दस्तारवत, दस्तखानाव

शब्दजाल - 8359 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7304

ऊपर से नीचे:-

बाएँ से दाएँ:-

फिल्म वर्ग पहेली - 7303

दैनिक पंचांग

प्रसंगवश: फैसले का तरीका

आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के मध्य सोलह दिनों में शास्त्रार्थ चला। ... आखिरी को किसी आवश्यक कार्य से बाहर जाना पड़ा। जाने के पूर्व उन्होंने दोनों विद्वानों के गले में एक-एक फूल माला डालते हुए कहा, मेरी अनुपस्थिति में मेरा काम ये फूल मालाएं करेंगी। ... लौट आईं। ... शास्त्रार्थ यथावत चलता रहा। कुछ समय बाद जब वे अपना काम पूरा कर लौटीं, तो उन्होंने बारी-बारी से दोनों को देखा। उनके गले में डाली गई फूलों की मालाओं की स्थिति को परखा और अपना निर्णय सुना दिया। निर्णय के अनुसार आदि शंकराचार्य को विजय हुई और उनके पति मंडन मिश्र पराजित हुए। लोग हैरान थे कि उन्होंने किस आधार पर अपने पति को पराजित घोषित किया। एक व्यक्ति ने नम्रतापूर्वक पूछा, आप तो शास्त्रार्थ के मध्य ही यहां से चली गई थीं। फिर लौटते ही आपने ऐसा फैसला कैसे सुना दिया? देवी भारती ने जवाब दिया, जब विद्वान शास्त्रार्थ में पराजित होने लगता है तो वह क्रोधित हो जाता है। ... अगर उस व्यक्ति के आसपास वहां के वातावरण का भी असर होता है। मेरे पति मंडन मिश्र के गले की माला क्रोध के ताप से सूख गई, जबकि आदि शंकराचार्य की माला के फूल अभी भी ताजे हैं। इसी से प्रकट होता है कि शंकराचार्य की विजय हुई है। देवी भारती का फैसला सुनकर लोग दंग रह गए।

सुडोकु नववाल - 7613

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		8	4		3			9

सुडोकु नववाल - 7612 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रहे।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

शब्द पहेली - 8828

बाएँ से दाएँ

1. इंतजार, प्रत्याशा-2
3. सुंदर, खूबसूरत-3
6. अंतस्तल, फल-2
8. ... -3
10. ... -3
12. निपुण-3
14. कई बार ... -3
17. आशंका-3
19. अंजाम देना-3
21. ... -2
23. नौकरानी-3
25. गमी ... , दौरी-2
26. मुलाकात-3
28. ... -3
30. मुर्गा, दुर्गा के आदर-3
32. ... -3
35. ... -3
37. ... -3
39. ... -2
40. ... -3
41. एक विदेशी शराब

1. ... में कहते हैं-2
2. ... -3
4. ... -2
5. ... -3
7. ... , ... देखना-2
9. ... -3
11. ... -3
13. ... -3
15. ... -3
16. ... के बाद ... -3
18. ... -3
20. ... -3
22. ... -3
24. ... -3
27. ... -3
29. ... -3
31. ... का एक भोज्य पदार्थ-3

ऊपर से नीचे

33. एक ... जो ... डोली ... जाने ... करती है-3
34. ... -2
36. एक अंग्रेजी शराब-2
38. एक ... पेड़-2

शब्द पहेली - 8827 का हल

श्रावण के अंतिम सोमवार को शिवमय हुई धर्मनगरी लांजी, कोटेश्वर धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

बोल बम सेवा समिति के विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद, कांवड़ियों ने किया कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी। पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार, 24 अगस्त को धर्मनगरी लांजी पूरी तरह शिवमय नजर आई। प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में सुबह से ही हजारों श्रद्धालुओं और कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। लांजी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से कांवड़िए पवित्र नदियों और जलस्रोतों से जल लेकर नंगे पांव कोटेश्वर धाम पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान दादा कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। इस दौरान पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंजता रहा।

कांवड़ियों की टोलियों से भगवामय हुआ नगर

श्रावण मास के दौरान विभिन्न ग्रामों से निकली कांवड़ यात्राओं का अंतिम पड़ाव सोमवार को कोटेश्वर धाम रहा। सुबह से ही कांवड़ियों की टोलियां सजी हुई कांवड़ लेकर भक्ति में लीन होकर धाम की ओर बढ़ती दिखाई दीं। कई स्थानों पर कांवड़िए ढोल-नगाड़ों और भजनों की धुन पर नाचते-गाते हुए आगे बढ़े। नगर के प्रमुख मार्गों से लेकर कोटेश्वर धाम तक जगह-जगह शिवभक्तों की भीड़ नजर आई। कोटेश्वर धाम पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान कोटेश्वर महादेव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर में पूरे दिन धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालु भोलेनाथ के दर्शन एवं पूजन के लिए पहुंचते रहे।

बोल बम सेवा समिति ने लगाया विशाल भंडारा

श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर बोल बम सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 24 अगस्त को प्रातः 10 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भगवान कोटेश्वर महादेव को भोग अर्पित करने के बाद भंडारे का शुभारंभ हुआ। इसमें हजारों की संख्या में पहुंचे कांवड़ियों, श्रद्धालुओं और भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। समिति के सदस्यों एवं सेवादारों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की थीं। भंडारे में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को प्रेम, श्रद्धा और आत्मीयता के साथ भोजन कराया गया। अनेक सेवादार कई घंटों तक लगातार सेवा में जुटे रहे। भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। भंडारे के आयोजन में समिति के संरक्षक रमेश दिलीप भटेरे, अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, प्रमोद अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल गोंदिया, रूपेश अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, सचिव चंद्रकांत किरनापुरे, कपिल अग्रवाल, दीपक बंसल, संदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, संजय टेंभरे, दीपक अग्रवाल, ललित लाला अग्रवाल, अंकित श्रीवास्तव, जय श्रीवास्तव, मनीष लालू अग्रवाल, आलोक चौरसिया, राकेश रणदिवे, बाबू उपाध्याय, अमित आसटकर, शरद आसटकर, यश अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, नितीन अग्रवाल, राजेश मस्करे, कार्तिक, तनय अग्रवाल, कोमल काडे, संतोष मोरघड़े, डॉ. प्रकाश बेदरे, रोमी अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, महेश बेदरे, प्रेमचंद दानी, लक्ष्मी चंद्र लालू दानी, दिलीप खरखाटे, रामेश्वर खरखाटे, श्याम बेदरे, अग्रवाल महिला मंडल लांजी सहित अनेक शिवभक्तों ने प्रत्यक्ष रूप से सहयोग दिया। इसके अलावा बोल-बम सेवा समिति टेड़वा, सुनील चोरवाड़े एवं उनकी टीम, सजावट व्यवस्था से जुड़े सहयोगियों सहित अन्य लोगों ने भी भंडारे की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत, दिखा सेवाभाव

कांवड़ यात्रा के दौरान लांजी पहुंचने वाले शिवभक्तों के स्वागत के लिए मार्ग में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों द्वारा जलपान, फल, प्रसाद एवं भोजन की व्यवस्था की गई। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली कांवड़ यात्राओं का जगह-जगह स्वागत किया गया। सेवा और सत्कार के इस भाव ने धार्मिक आयोजन को सामाजिक एकता और भाईचारे से भी जोड़ दिया।

हर ओर गूंजता रहा 'हर-हर महादेव'

श्रावण के अंतिम सोमवार को कोटेश्वर धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने लांजी क्षेत्र की गहरी धार्मिक आस्था को प्रदर्शित किया। कोटेश्वर धाम की ओर जाने वाले मार्ग से लेकर मंदिर परिसर तक दिनभर 'हर-हर महादेव', 'बोल बम' और 'जय भोलेनाथ' के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं के चेहरों पर भक्ति और उत्साह साफ दिखाई दिया। श्रावण मास का अंतिम सोमवार लांजी के लिए आस्था, भक्ति और सेवा का ऐसा पर्व बन गया, जिसमें हजारों शिवभक्तों ने भगवान कोटेश्वर महादेव के चरणों में शीश नवाया, जलाभिषेक किया और महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान धर्मनगरी लांजी ने एक बार फिर अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को जीवंत करते हुए भक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता की मिसाल पेश की।

मंडला से आये 106 कांवड़ियों का नगर में जगह जगह किया ऐतिहासिक स्वागत

पद्मेश न्यूज। लांजी। मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर मंडला से आये 106 कावड़ियों का नगर में

पलक पांवड़े बिछाकर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। दुलापुर में रहमतकर सॉ मील के पास भुपेन्द्र रहमतकर राहुल आसटकर एवं साथियों द्वारा दोपहर में भोज कराकर अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात लांजी के लिये निकले कावड़ियों का हाऊबाग में देवा भंडारकर, भवानी किरनापुरे द्वारा परिवार के साथ कावड़ियों के पांव धोकर व तिलक लगाकर मिल्कसेक पिलाया। इसके उपरान्त जयकारा होटल के सामने तिलक किरनापुरे व डेमेश्वर किरनापुरे ने बस स्टेण्ड में दादा कोटेश्वर जनकल्याण सेवा समिति के पदाधिकारियों व जीवन किरनापुरे ने चरण धोकर तिलक वंदन कर माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान आतिशबाजी की गई और फलों का वितरण किया गया। इसके अलावा इन कावड़ियों का मेन रोड में भी जगह - जगह स्वागत किया गया एवं प्रसादी का वितरण किया गया। इन कावड़ियो ने दादा कोटेश्वर धाम में पहुंचकर अभिषेक कर बाबा को मां नर्मदा का जल अर्पण किया।

लोहारा में कांवड़ियों के लिए महाकाल सेवा समिति ने लगाया महाप्रसाद, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को सेवा और भक्ति का दिखा अनूठा संगम, 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंजा कांवड़ यात्रा मार्ग

पद्मेश न्यूज। लांजी। पवित्र श्रावण मास के अंतिम सोमवार को धर्मनगरी लांजी पूरी तरह शिवमय नजर आई। चहेंली-सीतापाला स्थित छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल से पवित्र जल लेकर भगवान कोटेश्वर धाम की ओर रवाना हो रहे कांवड़ियों की सेवा और स्वागत का सिलसिला पूरे उत्साह के साथ जारी रहा। इसी क्रम में कांवड़ यात्रा मार्ग पर ग्राम लोहारा में श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा विशाल महाप्रसाद का आयोजन किया गया। सुबह से ही लोहारा स्थित महाप्रसाद स्थल पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। कांवड़ में पवित्र जल लेकर भगवान कोटेश्वर महादेव के जलाभिषेक के लिए जा रहे हजारों शिवभक्तों ने यहां रुककर महाप्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान पूरा मार्ग 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजता रहा।

पांच वर्षों से निरंतर कांवड़ियों की सेवा

श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा पिछले पांच वर्षों से कांवड़ यात्रा के दौरान इसी प्रकार महाप्रसाद का आयोजन कर शिवभक्तों की सेवा की जा रही है। समिति का उद्देश्य कांवड़ियों को यात्रा के दौरान भोजन एवं प्रसाद उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी सेवा और स्वागत करना है। महाप्रसाद स्थल पर समिति के पदाधिकारियों एवं सेवादारों ने पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ कांवड़ियों को प्रसाद परोसा। आशीष श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, राकेश अस्तने, मनीष बिलगौर, अभय श्रीवास्तव, संकेत किरमे, साहिल लालानी, रोहन अस्तने, तकिफ भाई सहित अनेक सेवादार दिनभर श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे।

सेवा भाव से किया कांवड़ियों का स्वागत

महाप्रसाद ग्रहण करने के बाद कांवड़िए 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' का जयघोष करते हुए कोटेश्वर धाम की ओर रवाना होते रहे। लगातार बढ़ती श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच समिति के सदस्य व्यवस्था संभालते रहे और प्रत्येक कांवड़िए को श्रद्धाभाव से प्रसाद वितरित किया। समिति के सदस्यों ने कहा कि भगवान भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा के उद्देश्य से हर वर्ष महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के साथ सेवा का भाव समाज में आपसी सहयोग और भाईचारे को मजबूत करता है। कांवड़ियों के जयघोष, भजनों और भक्तिमय वातावरण के बीच लोहारा का कांवड़ यात्रा मार्ग पूरी तरह शिवभक्ति में डूबा नजर आया। हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर श्री महाकाल सेवा समिति के सेवा कार्य की सराहना की। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को आयोजित यह महाप्रसाद कार्यक्रम धार्मिक आस्था के साथ सेवा, सहयोग और सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण बनकर सामने आया।

रामायण की चौपाइयों से गूंजा सावरीखुर्द, धर्म के साथ समाजसेवा का भी दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के ग्राम सावरीखुर्द स्थित रानी अवंतीबाई चौक में ग्रामवासियों, अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति, स्थानीय ग्राम समितियों एवं अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन के सहयोग से 23 अगस्त को अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ, जिसका 24 अगस्त को विश्रांति के साथ समापन किया गया। आयोजन के दौरान धार्मिक कार्यक्रमों के साथ स्वास्थ्य, योग, पर्यावरण, महिला जागरूकता एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की गईं। शुभारंभ अवसर पर भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण की पूजा-अर्चना के बाद भव्य राम यात्रा निकाली गई। बैंड एवं भजनों के साथ निकली यात्रा का ग्रामीणों ने दीप, रंगोली एवं पूजा-अर्चना के साथ जगह-जगह स्वागत किया।

ग्रामीणों ने कराया स्वास्थ्य जांच

ग्राम सावरी खुर्द में बच्चों एवं युवाओं के लिए योग शिविर आयोजित कर योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। वहीं निःशुल्क स्वास्थ्य एवं मोतियाबिंद जांच शिविर में रामायण हॉस्पिटल गोंदिया की टीम तथा डॉ. ओम बघेले एवं डॉ. स्वीटी कटरे बघेले ने स्वास्थ्य परामर्श एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं। देव जी नेत्रालय जबलपुर के सहयोग से 35 मोतियाबिंद मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचार एवं ऑपरेशन के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति का संदेश

कार्यक्रम में सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति, पौधारोपण एवं गौ सेवा के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम, धर्म एवं अध्यात्म शिक्षा तथा महिला

जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित हुए। सावरीखुर्द के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसी क्रम में ग्राम मोहझरी में 24 अगस्त को संगीतमय अखण्ड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ। 25 अगस्त को स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान तथा महाप्रसाद के साथ आयोजन का समापन होगा। आयोजन के माध्यम से धर्म और अध्यात्म के साथ सेवा, संस्कार, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश ग्रामीणों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में किशोरीलाल पांचे, जीवनचंद लिल्हारे, चंद्रकुमार सोनी, मानिकलाल पांचे, राजेश लिल्हारे, लिलाराम लिल्हारे, नरेंद्र शिवा फुल्हारे, भेलसिंग फुल्हारे, डिलचंद लिल्हारे, दीपक मस्करे, ईनुज लिल्हारे, सनम दशरिया, तुषार लिल्हारे,मासूम लिल्हारे, शुभम लिल्हारे, नरेंद्र फुल्हारे, खिलावन लिल्हारे, संजु लिल्हारे, हिमांशु फुल्हारे, मिथलेश फुल्हारे, चेतन लिल्हारे, आशु लिल्हारे, शंकर लिल्हारे के अलावा अन्य सभी ग्रामीणों का योगदान रहा।

दहेगांव के कांवड़ियों ने त्रिवेणी संगम से जल लाकर दादा कोटेश्वर का किया जलाभिषेक

पद्मेश न्यूज। लांजी। श्रावण मास के पावन पर्व पर जहां कोटेश्वर धाम में दर्शनार्थियो एवं भक्त जनो की भीड़ नजर आई वहीं हजारों की संख्या में कांव भी कोटेश्वर धाम पंहुचकर कोटेश्वर नाथ का जलाभिषेक किया गया। 24 अगस्त श्रावण मास के चौथे सोमवार को लांजी सहित अनेको ग्रामों से कांवड़ यात्रा अपने अपने कांवड़ में जल

लेकर कोटेश्वर पंहुचते नजर आये इसी कड़ी में दहेगांव के सैकड़ो कांवड़ यात्रीयों के ग्राम देवलगांव पंहुचकर यहां पर स्थित दोमुहान त्रिवेणी संगम नन्सरी घाट से कांवड़ मे जल लेकर लगभग 21 किमी की पद यात्रा करते हुये नाचते गाते भोले की भक्ति में लीन होकर धर्म नगरी कोटेश्वर महादेव की नगरी लांजी पंहुचकर कोटेश्वर नाथ का जलाभिषेक किया गया। इन कांवड़ यात्रीयों का जगह जगह स्वागत वंदन भी किया गया जहां ग्राम देवलगांव के शिवभक्तों ने कांवड़ियों का स्वागत वंदन करते हुये उनके पैर धुलाकर तिलक वंदन किया गया तदोपंरात कांवड़ियों के लिये जलपान की व्यवस्था भी की गई। जिसके पश्चात कांवड़िए अपने अग्रिम पड़ाव के लिये आगे बढे। स्वागत सत्कार का आयोजन देवलगांव में पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती भोजवंती ठाकरे, राजेश्वर चौधरी, कमल किशोर ठाकरे, तिलक ठाकरे, गोपाल ठाकरे, कल्लू बागड़े, युवराज हरिनखेड़े लोकराम ठाकरे, संजीत ठाकरे, वरिष्ठ पत्रकार संजय टेंभरे, रामेश्वर टेंभरे, सुरेंद्र टेंभरे, डालीचंद टेंभरे, नवीन टेंभरे, राजू टेंभरे, आशीष ठाकरे, सालिकराम मेश्राम, उमाशंकर ठाकरे ,योगेश ठाकरे, रमेश पंद्रे, मनोज ठाकरे, नितेश टेंभरे ,नोहर आगाशे, राजकुमार बरई ,शैलेश टेंभरे, वासुदेव हरिनखेड़े, भोजेश्वर राहंगडाले, जीतेश ठाकरे, सोमेश्वर हरिनखेड़े, रविन्द्र हरिनखेड़े, शुभम पंद्रे, योगेश हरिनखेड़े, प्रशांत मेश्राम, मुकेश बरई, अनिल सहारे, दीनदयाल वरकड़े सहित अन्य सदस्य एवं ग्राम वासी उपस्थित रहे जिनके द्वारा कांवड़ियों का स्वागत सत्कार किया गया।

हाऊबाग जैन मंदिर के सामने युवाओं ने किया भण्डारा

पद्मेश न्यूज। लांजी। दादा कोटेश्वर की ऐतिहासिक नगरी में पुरे वर्ष भर भक्तों की भीड़ बनी रहती है एवं भक्त भगवान कोटेश्वर के दर्शन एवं जल चढ़ाने के लिए लालायित रहते हैं। इसी के चलते सावन मास में यहां जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्त दूर दूर से कांवड़ में जल लेकर नंगें पांव यहां पहुंचते हैं। भक्तों की यह आस्था दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। तो वहीं इन कांवड़ियों का जगह जगह स्वागत एवं भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 24 अगस्त सावन के चौथे सोमवार को नगर के जैन मंदिर के सामने हाऊबाग के युवाओं द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में शिवभक्तों व कांवड़ियों ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। इस भंडारे के आयोजन में सुरेन्द्र बडगैया, दिनेश रामटेक्कर, राहुल बिसेन, संजय मस्करे, दिनेश पांचे, जे एल धारणे, टी एल कटरे, नरेन्द्र सातपुते, दुर्गेश ब्रह्मपुरे, गणपत बिलगौर, गजेन्द्र मेश्राम, ओंकार रतोने, राजा सातपुते, विजय मोहारे, आलोक चौरसिया, अश्विनी कश्यप, महेन्द्र बडगैया, नरेन्द्र बडघैया, विकास तिड़के, रविन्द्र धारणे, प्यारेलाल नगपुरे, सुरेश सोलंकी, दीपक विश्वकर्मा, वैभव लक्की ठाकरे, रूपचंद तिड़के, राजू मस्करे, रेखराम गोदुले, मनोहर मेश्राम, बेनीराम तिड़के, हेमंत देवगढ़े, डॉ विरेन्द्र कुचलाहे, राकेश शेण्डे, साहूजी, डॉ रामटेके, प्यारे खान, ब्रामहणकर इलैक्ट्रिकल, नरेन्द्र बड़घैया, ढोक सर आदि ने सहयोग प्रदान किया।

यूसीसी पर मप्र में अगला कदम राष्ट्रपति भवन से तय होगा

- मंजूरी के बाद नियम बनाने की तैयारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में विधानसभा से आगे की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विधानसभा से पारित यूसीसी विधेयक-2026 को राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मंजूरी देकर राष्ट्रपति के पास भेज दिया है। अब राज्य सरकार की नजर राष्ट्रपति की स्वीकृति पर है। इसके बाद ही प्रदेश में यूसीसी लागू करने की कानूनी प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंचेगी। विधानसभा के मानसून सत्र में 20 जुलाई को यूसीसी विधेयक समेत एक दिन में रिकॉर्ड 14 विधेयक पेश किए गए थे। यूसीसी सहित आठ विधेयक 21 जुलाई और शेष छह विधेयक 22 जुलाई को पारित हुए थे। विधानसभा से पारित होने के करीब दो सप्ताह बाद सभी 14 विधेयक राजभवन भेजे गए थे। विधि एवं विधायी शाखा से परीक्षण के बाद राज्यपाल ने यूसीसी विधेयक को मंजूरी दी और बुधवार को इसे राष्ट्रपति के विचार के लिए भेज दिया गया।

यूसीसी विधेयक को राज्यपाल की मंजूरी मिलना महत्वपूर्ण संवैधानिक पड़ाव है, लेकिन इससे कानून तत्काल प्रभावी नहीं होगा। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद राज्य सरकार को विस्तृत नियम तैयार कर उन्हें अधिसूचित करना होगा। इन नियमों में कानून के क्रियान्वयन की प्रक्रिया, पंजीयन, संबंधित अधिकारियों की भूमिका और विभिन्न प्रावधानों को लागू करने की व्यवस्था स्पष्ट की जाएगी। सरकार का विधि एवं विधायी कार्य विभाग पहले से ही नियमों के प्रारूप पर काम कर रहा है। विभाग अन्य राज्यों में लागू या तैयार किए गए यूसीसी के कानूनी प्रारूपों का अध्ययन भी कर रहा है, ताकि राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही नियम बनाने की प्रक्रिया में ज्यादा समय न लगे। हालांकि, राष्ट्रपति की मंजूरी से पहले नियमों में औपचारिक बदलाव नहीं किए जाएंगे। मंजूरी के बाद ही विधेयक के अनुरूप नियमों को अंतिम रूप देकर आवश्यक संशोधन और अधिसूचना की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

विवाह से उत्तराधिकार तक एक कानून का दावा

मप्र के यूसीसी विधेयक में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, भरण-पोषण, गोद लेने और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे व्यक्तिगत मामलों में समान कानूनी व्यवस्था प्रस्तावित है। सरकार का तर्क है कि इससे अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों के स्थान पर समान नागरिक नियम लागू होंगे और कानून के समक्ष समानता सुनिश्चित होगी। विधेयक में बहुविवाह पर रोक, तीन तलाक और निकाह हलाला जैसी प्रथाओं पर प्रतिबंध, विवाह एवं तलाक का अनिवार्य पंजीयन, लिव-इन रिलेशनशिप के पंजीयन और बेटे-बेटी को उत्तराधिकार में समान अधिकार जैसे प्रावधान शामिल हैं। विवाह की न्यूनतम आयु पुरुषों के लिए 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 वर्ष रखी गई है। तलाक और भरण-पोषण से जुड़े मामलों में भी समान कानूनी प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं।

आदिवासी आबादी को दायरे से बाहर रखा

यूसीसी के दायरे में प्रदेश की करीब 21 प्रतिशत आदिवासी आबादी को बाहर रखा गया है। वहीं विधेयक में लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कुछ प्रावधानों के उल्लंघन पर दंड का प्रावधान भी किया गया है। इसमें पंजीयन नहीं कराने, पहचान छिपाने या धोखाधड़ी जैसे मामलों में कार्रवाई का प्रावधान शामिल है।

मप्र के बाद अब राष्ट्रपति की मंजूरी पर निगाह

मध्यप्रदेश यूसीसी विधेयक पारित करने वाला देश का चौथा राज्य बताया जा रहा है। इससे पहले भाजपा शासित राज्यों में उत्तराखंड, गुजरात और असम ने इस दिशा में कदम उठाया है। इनमें उत्तराखंड को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद वहां यूसीसी लागू हो चुका है। गुजरात और असम के विधेयकों को अभी राष्ट्रपति की स्वीकृति का इंतजार है। ऐसे में मप्र में अब राजनीतिक बहस से ज्यादा महत्वपूर्ण अगला संवैधानिक पड़ाव राष्ट्रपति की मंजूरी और उसके बाद नियमों की अधिसूचना होगी। सरकार के लिए असली चुनौती विधेयक को विधानसभा से पारित कराने के बाद उसके प्रावधानों को प्रशासनिक स्तर पर लागू करने की विस्तृत व्यवस्था तैयार करना होगी।

पंचायत अधिकारी भर्ती

2,229 पदों के लिए 2.90 लाख आवेदन, 22 सितंबर से परीक्षा

परीक्षा से लगभग एक सप्ताह पहले जारी होंगे प्रवेश पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) की पंचायत अधिकारी और अन्य समकक्ष पदों पर भर्ती परीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। समूह-2 उपसमूह-4 के तहत निकाली गई संयुक्त भर्ती परीक्षा-2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस भर्ती में उपलब्ध पदों की तुलना में बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिससे उम्मीदवारों को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा।

ईएसबी की ओर से इस भर्ती परीक्षा के माध्यम से प्रदेश में कुल 2,229 पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। इन पदों के लिए करीब 2.90 लाख युवाओं ने आवेदन किया है। आवेदन संख्या के आधार पर औसतन एक पद के लिए करीब 130 उम्मीदवार दावेदारी कर रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संयुक्त भर्ती परीक्षा-2026 का आयोजन 22 सितंबर से शुरू होगा। परीक्षा के माध्यम से खंड पंचायत अधिकारी, सहायक संपरीक्षक, पंचायत समन्वय अधिकारी सहित अन्य समकक्ष पदों पर भर्ती की जाएगी। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आवेदन आने के कारण परीक्षा में प्रतिस्पर्धा काफी अधिक रहने की संभावना है। उम्मीदवारों को परीक्षा की तैयारी के साथ ईएसबी की ओर से जारी होने वाली सभी आधिकारिक सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है।

परीक्षा से एक सप्ताह पहले एडमिट कार्ड

परीक्षा शुरू होने में करीब एक महीने का समय शेष है। ऐसे में माना जा रहा है कि ईएसबी परीक्षा से लगभग एक सप्ताह पहले प्रवेश पत्र जारी करेगा। एडमिट कार्ड में अभ्यर्थी के परीक्षा केंद्र, परीक्षा की तारीख और शिफ्ट सहित अन्य जरूरी जानकारी उपलब्ध होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए एडमिट कार्ड के साथ आवश्यक पहचान पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज ले जाने होंगे। परीक्षा संबंधी अंतिम निर्देश ईएसबी की ओर से प्रवेश पत्र जारी होने के साथ स्पष्ट किए जाएंगे।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने वन विभाग प्रमुख को लगाई फटकार

- सरकारी धन बर्बादी से नाराज; 18 सितंबर को पेश होने का आदेश

भोपाल। हाईकोर्ट ने सरकारी वकील उपलब्ध होने के बावजूद निजी अधिवक्ता नियुक्त कर पुनर्विचार याचिका दाखिल कराने पर वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि करदाताओं की गाढ़ी कमाई से प्राप्त सरकारी धन का इस तरह बर्बादी स्वीकार नहीं की जा सकती। प्रधान मुख्य वन संरक्षक को 18 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं।

मामला सतना जिले की वन समितियों से जुड़े 25 मजदूरों के न्यूनतम वेतन से संबंधित है। हाईकोर्ट ने 22 सितंबर 2022 को इन मजदूरों को न्यूनतम वेतनमान देने का आदेश दिया था। इस फैसले पर पुनर्विचार के लिए वन विभाग की ओर से पुनर्विचार याचिका दाखिल की गई। सुनवाई के दौरान कोर्ट के संज्ञान में आया कि याचिका सरकारी अधिवक्ता के बजाय निजी वकील के माध्यम से दाखिल की गई। कोर्ट ने सवाल किया कि जब शासकीय अधिवक्ता उपलब्ध थे तो निजी वकील क्यों नियुक्त किया गया और उसकी फीस सरकारी खजाने से क्यों दी गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक को यह भी बताना होगा कि निजी अधिवक्ता की नियुक्ति का निर्णय किस अधिकारी ने लिया तथा सरकारी धन पर पड़े आर्थिक भार की जिम्मेदारी किसकी होगी। अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से बुलाए जाने पर भी गई आपत्ति भी कोर्ट ने खारिज कर दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकारी अधिकारी जनता के धन के संरक्षक हैं और उसके उपयोग की जवाबदेही से बच नहीं सकते।

राहुल दांगी को पार्टी से किया बाहर

- राजगढ़ जिला ब्यावरा के ब्लॉक अध्यक्ष पर कांग्रेस का बड़ा एक्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश के गुना मामले में कांग्रेस ने बड़ी कार्रवाई की है। राजगढ़ के ब्यावरा के ब्लॉक अध्यक्ष को पार्टी से बाहर कर दिया है। कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। इस संबंध में संगठन प्रभारी संजय कामले ने आदेश जारी किया है। दरअसल, गुना जिले के चाचौड़ा में बीते दिनों पुलिस ने एक होटल में दबिश दी थी। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर तीन युवकों को युवतियों के साथ पकड़ा था। जिसमें राजगढ़ जिला ब्यावरा के ब्लॉक अध्यक्ष राहुल दांगी आपत्तिजनक हालत में मिले थे। मामला सामने आने के बाद पार्टी की जमकर किरकिरी हुई थी। जिसके बाद अब बड़ा फैसला लिया गया है। कांग्रेस ने राहुल दांगी को बाहर पार्टी से निकाल दिया है। संगठन प्रभारी संजय कामले ने यह कार्रवाई की है।

संजय कामले ने अपने आदेश में लिखा है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी को संज्ञान में आया है कि राहुल दांगी, अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यावरा, अनैतिक कार्यों में संलिप्त पाये गए है। इस तरह के कार्यों का पार्टी हमेशा विरोध करती है और इस मानसिकता का कांग्रेस पार्टी में कोई स्थान नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार राहुल दांगी को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक अध्यक्ष से पदमुक्त करते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया जाता है।

नौरादेही टाइगर रिजर्व के आसपास से गुजरेगा नया फोरलेन

- 1,486 करोड़ की लागत से बनेगा ग्रीनफील्ड फोरलेन; एमपीआरडीसी तैयार कर रही डीपीआर

भोपाल। सागर और जबलपुर के बीच सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार नया फोरलेन मार्ग विकसित करने की तैयारी में है। करीब 1,486 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत वाले इस ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद दोनों शहरों के बीच दूरी करीब 135 किलोमीटर रह जाने का अनुमान है। इससे सागर से जबलपुर का सफर मौजूदा 4-5 घंटे के मुकाबले घटकर करीब ढाई से तीन घंटे हो सकता है।

फिलहाल सागर से जबलपुर जाने के लिए सागर-दमोह-जबलपुर मार्ग सबसे अधिक इस्तेमाल होता है। इसके अलावा एनएच-44 के राजमार्ग चौराहे से होकर भी जबलपुर पहुंचा जा सकता है। सागर से रहली होते हुए जबलपुर जाने वाला मार्ग दूरी के लिहाज से छोटा है, लेकिन नौरादेही टाइगर रिजर्व के कारण इस हिस्से में सड़क संकरी है और वाहनों की गति भी सीमित रहती है।

154 किमी से घटकर करीब 135 किमी हो सकती है दूरी

प्रस्तावित फोरलेन के लिए फिलहाल अंतिम रूट तय नहीं हुआ है। हालांकि मौजूदा प्रारंभिक योजना के मुताबिक इसके रहली या उसके आसपास से होकर गुजरने की संभावना है। सागर-रहली-तेंदूखेड़ा होते हुए जबलपुर की वर्तमान दूरी करीब 154 किलोमीटर बताई जा रही है। नए मार्ग से यह दूरी करीब 135 किलोमीटर तक सिमट सकती है। नौरादेही टाइगर रिजर्व क्षेत्र में मौजूदा सड़क काफी संकरी है। रिजर्व की सीमा में कई स्थानों पर सड़क की चौड़ाई कम होने के साथ स्पीड ब्रेकर भी हैं। ऐसे में नए फोरलेन से इस पूरे कॉरिडोर पर यातायात की रफ्तार और सुगमता दोनों बढ़ने की उम्मीद है।

एमपीआरडीसी तैयार कर रही डीपीआर

इस परियोजना की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीआरडीसी) को दी गई है। ग्रीनफील्ड पैकेज के तहत प्रस्तावित मार्ग की डीपीआर तैयार की जा रही है। इसमें नए रूट अलाइनमेंट के साथ चौराहों, तिराहों और जरूरत के अनुसार फ्लाईओवर जैसी सुविधाओं की भी योजना पर विचार किया जा रहा है। परियोजना की अनुमानित लागत करीब 1,486 करोड़ रूपए है। इसमें लगभग 1,229 करोड़ रूपए सिविल वर्क, करीब 40 करोड़ रूपए भूमि अधिग्रहण और लगभग 30 करोड़ रूपए शिफ्टिंग तथा अन्य कार्यों पर खर्च होने का अनुमान है।

27.72 हेक्टेयर वनभूमि का मामला

प्रस्तावित मार्ग नौरादेही टाइगर रिजर्व के आसपास से गुजरने की संभावना के कारण पर्यावरणीय पहलू भी महत्वपूर्ण हैं। परियोजना के लिए करीब 27.72 हेक्टेयर वनभूमि के अधिग्रहण की बात सामने आई है। इसके चलते वन एवं पर्यावरण से जुड़ी आवश्यक स्वीकृतियों की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अंतिम अलाइनमेंट रिजर्व क्षेत्र से होकर जाएगा या उसके आसपास से। अंतिम स्थिति डीपीआर और संबंधित मंजूरियों के बाद ही स्पष्ट होगी।

40 किमी तक कम हो सकता है सफर

नए फोरलेन का सबसे बड़ा फायदा सागर और जबलपुर के बीच दूरी और यात्रा समय में कमी के रूप में सामने आएगा। प्रस्तावित मार्ग तैयार होने के बाद मौजूदा मार्गों की तुलना में करीब 40 किलोमीटर तक कम सफर करना पड़ सकता है। इससे सागर से जबलपुर के अलावा दमोह और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी फायदा मिलने की उम्मीद है। बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार, परिवहन और क्षेत्रीय आवाजाही को गति मिलने की संभावना है। साथ ही भोपाल से जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों की सड़क कनेक्टिविटी को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल सकता है।

राज्य बजट से अग्रिम खर्च पर रोक

केंद्र की देरी का बोझ अब नहीं उठाएगा मप्र, वित्त विभाग ने कसा शिकंजा

भोपाल। केंद्रीय योजनाओं में केंद्रांश की राशि आने का इंतजार किए बिना राज्य बजट से खर्च करने की प्रवृत्ति पर मध्यप्रदेश सरकार ने रोक लगा दी है। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि केंद्रीय क्षेत्रीय और केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में केंद्रांश प्राप्त होने के बाद ही राज्यांश की राशि का आहरण किया जाए। इस फैसले का उद्देश्य केंद्रीय प्रतिपूर्ति में देरी के कारण राज्य के बजट पर पड़ रहे अतिरिक्त दबाव को रोकना है। वित्त विभाग के एसीएस मनीष रस्तोगी ने सभी विभागों को इस संबंध में निर्देश जारी कर आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। विभागों को अब केंद्रीय राशि की प्रत्याशा में राज्य के संसाधनों से अग्रिम व्यय करने की अनुमति नहीं होगी।

कई केंद्रीय योजनाएं प्रतिपूर्ति के सिद्धांत पर संचालित होती हैं। इनमें पहले व्यय होने के बाद केंद्र से निर्धारित राशि की प्रतिपूर्ति की जाती है। केंद्रीय राशि जारी होने में देरी के कारण कुछ विभाग राज्य बजट से केंद्रांश की राशि भी खर्च कर रहे थे। इससे राज्य के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा था। वित्त विभाग का मानना है कि ऐसे खर्च से राज्य की अपनी योजनाओं और विकास कार्यों के लिए उपलब्ध बजट प्रभावित होता है। इसी वजह से अब केंद्रीय योजनाओं में राज्य बजट से होने वाले अग्रिम खर्च को नियंत्रित किया गया है।

विभाग और बजट नियंत्रण अधिकारी होंगे जिम्मेदार

वित्त विभाग ने आदेश में जिम्मेदारी भी तय कर दी है। केंद्रीय राशि मिलने में देरी के कारण यदि राज्य के संसाधनों पर अनावश्यक दबाव पड़ता है तो संबंधित विभाग और बजट नियंत्रण अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार होंगे। हालांकि, जिन प्रतिपूर्ति श्रेणी की केंद्रीय योजनाओं में किसी कारण से खर्च करना अपरिहार्य हो, वहां खर्च होने के तत्काल बाद संबंधित केंद्रीय मंत्रालय को प्रतिपूर्ति का प्रस्ताव भेजना होगा, ताकि राज्य की राशि जल्द वापस प्राप्त की जा सके।

लंबित यूसी और केंद्रांश की सूची बनेगी

वित्त विभाग ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि पूर्व में केंद्र से जारी राशि के उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी) यदि लंबित हैं तो उन्हें तत्काल निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित मंत्रालय को भेजा जाए। यूसी लंबित रहने से अगली किस्त अटकने की स्थिति बन सकती है। इसके साथ ही सभी बजट नियंत्रण अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित उन योजनाओं की सूची तैयार करने को कहा गया है, जिनमें केंद्रांश की राशि अपेक्षित है। संबंधित मंत्रालयों के साथ लगातार समन्वय कर लंबित केंद्रांश की राशि प्राप्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

आरएसएस के प्रचारकों का जवाब देगा कांग्रेस सेवादल

- मप्र में तैयार होगी 'विचारक टीम'

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजनीतिक व वैचारिक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस सेवादल अब संगठन को नई रणनीति के साथ मैदान में उतारने की तैयारी कर रहा है। सेवादल प्रदेशभर में 'विचारक टीम' तैयार करेगा, जो ब्लॉक, बूथ और गांव स्तर तक पहुंचकर कांग्रेस की विचारधारा और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को लोगों के बीच रखेगी। इस रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस सेवादल ने भोपाल में बड़ी बैठक बुलाई है। इसमें प्रदेशभर के जिलाध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में संगठन के विस्तार, प्रशिक्षण और आगामी अभियान की रूपरेखा तय की जाएगी।

कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के मुताबिक भाजपा और आरएसएस राष्ट्रवाद के नाम पर नफरत की राजनीति को बढ़ावा देते हैं। आरएसएस अपने प्रचारकों के माध्यम से अपनी विचारधारा को समाज के बीच ले जाता है। इसके जवाब में कांग्रेस सेवादल अब प्रशिक्षित 'विचारकों' की टीम तैयार करेगा। इन कार्यकर्ताओं को स्थानीय स्तर पर जाकर लोगों से संवाद करने, सामाजिक मुद्दों को उठाने और कांग्रेस की विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। संगठन का फोकस केवल राजनीतिक भाषणों तक सीमित न रहकर सीधे जनसंवाद पर रहेगा।

ब्लॉक से गांव तक पहुंचेगी टीम

नई रणनीति में कांग्रेस सेवादल की पहुंच को ब्लॉक, बूथ और गांवों तक ले जाने पर जोर रहेगा। इसके लिए पूरे प्रदेश में ट्रेनिंग कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में कार्यकर्ताओं को वैचारिक प्रशिक्षण देने के साथ उन्हें स्थानीय मुद्दों पर संवाद करने की रणनीति भी सिखाई जाएगी। संगठन की योजना ऐसे कार्यकर्ताओं की टीम तैयार करने की है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से लोगों के संपर्क में रहें। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों और आम लोगों से जुड़े मुद्दों को अभियान का हिस्सा बनाने की तैयारी है।

वैचारिक लड़ाई को संगठनात्मक आधार

कांग्रेस सेवादल की यह पहल ऐसे समय में सामने आई है, जब भाजपा और आरएसएस की जमीनी संगठन क्षमता को कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती माना जाता है। सेवादल का मानना है कि केवल चुनाव के समय सक्रिय होने के बजाय लगातार वैचारिक और सामाजिक संवाद के जरिए संगठन को मजबूत किया जाना जरूरी है। भोपाल की बैठक में इसी रणनीति को प्रदेश स्तर पर लागू करने के लिए जिम्मेदारियां तय होने की संभावना है। प्रशिक्षण शिविरों के जरिए तैयार होने वाली टीम को बाद में जिला और ब्लॉक स्तर पर सक्रिय किया जाएगा।

प्रदेश की राजनीति में फिर तेज हो सकती है वैचारिक बहस

सेवादल की नई पहल के बाद मध्य प्रदेश की राजनीति में भाजपा-आरएसएस और कांग्रेस के बीच वैचारिक टकराव एक बार फिर तेज होने के संकेत हैं। कांग्रेस जहां इसे 'विचारकों बनाम प्रचारकों' की लड़ाई के रूप में आगे बढ़ाने की तैयारी में है, वहीं संगठन का लक्ष्य अपने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक वैचारिक रूप से सक्रिय करना है। अगर सेवादल की यह योजना जमीन पर प्रभावी तरीके से लागू होती है तो आगामी दिनों में प्रदेश के राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ गांव और कस्बों में भी दोनों दलों के बीच वैचारिक बहस और जनसंवाद का नया दौर देखने को मिल सकता है।

निगम-मंडल कर्मचारियों की मांगों पर 15 दिन में निर्णय की अपील

भोपाल। निगम, मंडल, बोर्ड और परिषद के कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर मध्यप्रदेश निगम मंडल अधिकारी-कर्मचारी संयोजक अनिल बाजपेई और सह संयोजक अरुण वर्मा ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। इसमें कर्मचारियों की सेवा शर्तों में एकरूपता लाने और लंबित मांगों पर 15 दिन के भीतर निर्णय लेने की अपील की गई है। ज्ञापन में निगम, मंडल, बोर्ड और परिषद के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु एक समान करने तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 64 वर्ष किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को सातवां वेतनमान देने की मांग भी की गई है। कर्मचारी नेताओं ने नियमित पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करने, लंबे समय से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी और श्रमिक कर्मचारियों को नियमित करने की मांग रखी है। आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्य कर रहे कर्मचारियों को भी उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर रिक्त पदों पर नियुक्त करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कर्मचारियों के लिए वाहन भत्ता 25 प्रतिशत करने तथा सरकारी वाहनों के दुरुपयोग पर रोक लगाने की मांग भी शामिल है। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि निगम-मंडल, बोर्ड और परिषदों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को उनके मूल विभाग से अलग लंबे समय तक अन्य स्थानों पर पदस्थ रखने से संबंधित संस्थाओं के कामकाज पर असर पड़ता है।

बालाघाट में चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल मैनपावर सुदृढ़ करना सर्वोच्च प्राथमिकता - उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बालाघाट जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए चिकित्सकीय एवं सहायक चिकित्सकीय मैनपावर की उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आईपीएचएस-12 के अंतर्गत स्वीकृत पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में उन्होंने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, मानव संसाधन, चिकित्सा उपकरणों की कार्यक्षमता तथा निर्माणाधीन स्वास्थ्य अधोसंरचना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मौसम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में सुनियोजित कार्ययोजना के अनुसार चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध रखने के निर्देश दिए।

श्री शुक्ल ने बालाघाट में आवश्यक चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने और रिक्त पदों पर पदस्थापना एवं भर्ती की कार्रवाई प्राथमिकता से पूरी करने को कहा। उन्होंने संवेदनशील एवं आवश्यकता वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों की नियमित जांच और उचित रख-रखाव सुनिश्चित करने को कहा। खराब उपकरणों की समय पर मरम्मत कर उन्हें कार्यशील स्थिति में लाने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को जांच एवं उपचार की सुविधा निर्बाध मिल सके। निर्माणाधीन स्वास्थ्य अधोसंरचना की समीक्षा करते हुए उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए तथा पूर्ण स्वास्थ्य संस्थानों को शीघ्र जनसेवा के लिए उपलब्ध कराया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह, आयुक्त स्वास्थ्य धनराजू एस सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचायत विभाग में 'ईई' की सीआर लिख रहे 'एई'

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा पर पदोन्नति के मामले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग खरा नहीं उतरा है। यही वजह है कि पदोन्नति के बाद भी कई अधिकारियों के बाद अभी भी उच्च पद का प्रभार है। मूल पद के अनुसार वे जूनियर होकर भी सीनियर की सीआर लिख रहे हैं। इतना ही नहीं कर्मचारियों की पदोन्नति में भी रुचि नहीं ले रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा (आरईएस) के रीवा संभाग के अधीक्षक यंत्री छोटे सिंह की पदस्थापना इन दिनों विवादों में है। छोटे सिंह का मूल पद सहायक यंत्री है, लेकिन वे दो पद ऊपर अधीक्षक यंत्री का काम देख रहे हैं। इस वजह से रीवा संभाग में आरईएस में पदस्थ अन्य कार्यपालन यंत्री भी उनके नियंत्रण में आते हैं। सीधी में पदस्थ कार्यपालन यंत्री का मूल पद कार्यपालन यंत्री है। लेकिन उनकी सीआर सहायक यंत्री छोटे सिंह द्वारा लिखी जा रही है। इस विसंगति की वजह से विभाग में इंजीनियरों में नाराजगी है।

जांच की वजह से लिफाफा बंद, पदोन्नति अटकी

आरईएस रीवा के प्रभारी अधीक्षण यंत्री को विभाग ने मूल पद सहायक यंत्री के विरुद्ध दो पद ऊपर का प्रभार दे रखा है। जबकि छोटे सिंह का लिफाफा बंद होने की वजह से पदोन्नति नहीं पाई है।

जुरेल के शतक से भारतीय टीम ने बनाये 9 विकेट पर 503

कोलंबो । भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे ही दिन शिकंजा कस दिया है। भारतीय टीम ने दूसरे दिन ध्रुव जुरेल के नाबाद शतक 115 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 503 रनों पर घोषित कर दी। इसे बाद बल्लेबाजी करते हुए मेजबान श्रीलंकाई टीम ने 8 रनों पर ही पहली पारी में अपने दो विकेट खो दिये। इस प्रकार श्रीलंकाई टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम से 495 रन पीछे हैं। आज बारिश और खराब रोशनी के कारण मैच दिन में काफी समय रुका रहा। आज के मैच का आकर्षण ऋषभ पंत की आक्रामक पारी भी रही । ऋषभ पंत ने रिटायर हर्ट से लौटते हुए 63 की पारी खेली थी। भारतीय टीम ने आज सुबह 5 विकेट पर 300 रन से आगे खेलते हुए हुए लंच तक 6 विकेट पर 419 रन बना लिए थे। भारत का पहला विकेट सारांश जैन का गिरा। वह 6 रन पर आउट हुए इसके बाद ऋषभ बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने जुरेल के साथ पारी आगे बढ़ाई । वहीं चाय तक भारतीय टीम ने 8 विकेट पर 475 रन बनाये। चाय ब्रेक के बाद बारिश के कारण मैच काफी देर तक नहीं खेल जा सका। मैच दोबारा शुरू होने के बाद जुरेल के शतक पूरा करने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने पारी घोषित कर दी। आज जुरेल ने बेहतरीन पारी खेली। वहीं ऋषभ ने भी 89 गेंदों पर 63 रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाये। इन दोनो ने साथ छठे विकेट के लिए 112 रन बनाये। जुरेल ने 177 गेंदों पर 115 रन बनाए जिसमें 9 चौके और 2 छक्के शामिल थे। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो ने 106 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवंता ने 2-2 विकेट लिए। एक विकेट लाहिरू कुमारा को मिला।

दो दिन में ही जीत मिलना टेस्ट क्रिकेट के लिए नुकसानदेह – लैंगर

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज जस्टिन लैंगर ने कहा है बांग्लादेश के खिलाफ दो दिनों के अंदर ही टेस्ट मैच में मिली जीत अच्छा संकेत नहीं है। इससे टेस्ट प्रारुप को ही नुकसान पहुंचेगा।

कम समय में समाप्त होने वाले टेस्ट मैचों की बढ़ती संख्या की तीखी आलोचना करते हुए लैंगर ने कहा कि इस प्रकार के चलन को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उनका मानना है कि ऐसे मैच खेल के लिए अच्छे नहीं हैं और टेस्ट क्रिकेट के मूल स्वरूप को भी इससे नुकसान पहुंचेगा। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आक्रामक गेंदबाजी करते हुए दो दिनों में ही कुल 10 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को एक पारी और 51 रनों से जीत दिलायी थी।

यह जीत ऑस्ट्रेलिया के पिछले सात टेस्ट मैचों में से तीसरी ऐसी जीत थी जो दो दिनों के अंदर ही मिली थी। लैंगर ने इसी को लेकर कहा कि दो दिवसीय टेस्ट मैच कई कारणों से अस्वीकार्य हैं। उन्होंने दर्शकों और युवा प्रशंसकों की निराशा पर प्रकाश डाला, जो टीवी पर अपने नायकों को देखने, रेडियो पर सुनने या मैदान पर मैच का अनुभव करने के लिए समय निकालते हैं। उनके अनुसार, इतने कम समय में मैच का खत्म हो जाना इन सभी के लिए एक बड़ी निराशा है। लैंगर ने ऐसे जल्दी खत्म होने वाले मैचों के आर्थिक प्रभावों पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने इसे क्रिकेट के विकास की राह में बाधा है।

लैंगर ने मैचों के जल्दी खत्म होने का मुख्य कारण बुनियादी बल्लेबाजी तकनीकों में गिरावट को बताया।

एशियाई खेलों में पदक की प्रबल दावेदार है भारतीय टेबल टेनिस टीम – हरमीत देसाई

सूरत। एशियाई खेलों के लिए भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम में शामिल हरमीत देसाई का कहना है कि उनकी टीम इस बार पदक जीतने के इरादे से उतरेगी। हरमीत के अनुसार भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है जिससे टीम प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। साथ ही कहा कि भारतीय टीम एशिया की सबसे मजबूत टीमों को भी कड़ी टक्कर देने में सक्षम है। उन्होंने कह कि अभी टीम एशियाई खेलों के लिए अभ्यास में लगी है।

भारतीय पुरुष टीम में हरमीत के अलावा मानव ठक्कर, मानुष शाह, जी. साथियान और पायस जैन जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। हरमीत ने कहा कि उनकी टीम बेहद संतुलित होने के साथ ही बड़े मुकाबलों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने पहले भी विश्व की शीर्ष टीमों के खिलाफ अपनी क्षमता साबित की है। हरमीत के अनुसार, जब हमारा दिन अच्छा रहा है और फॉर्म साथ रही है, तब हमने बड़ी टीमों को मात दी है। इस बार भी हमारा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश के लिए पदक जीतना है।

उन्होंने कहा कि टीम शीर्ष एशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ नियमित मुकाबले खेलकर अपनी तैयारियों को पुख्ता कर रही है। कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में जापान, चीन और कोरियाई खिलाड़ियों का लगातार सामना करने से भारतीय खिलाड़ी उनकी तकनीक और खेल के स्तर को बेहतर तरीके से समझने लगे हैं, जिससे उनकी अपनी खेल शैली में भी काफी सुधार हुआ है। हरमीत स्वयं जर्मनी में अपने चीनी कोच फू योंग के मार्गदर्शन में नियमित रूप से प्रशिक्षण लेते हैं, जो उन्हें दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों की बारीकियों को समझने में मदद करता है।

साथ ही कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान आए पेशेवर बदलावों से भी टीम बेहतर हुई है। अहम कारण बताया। उन्होंने कहा कि आज हर खिलाड़ी के पास अपनी अलग सपोर्ट टीम है, जिसमें व्यक्तिगत कोच, स्पैरिंग पार्टनर, फिजियोथेरेपिस्ट, फिजिकल ट्रेनर और डाइटीशियन शामिल हैं। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पांच-छह साल पहले अधिकांश खिलाड़ियों के पास ऐसी सुविधाएं नहीं होती थीं।

इस प्रगति में सरकार की बढ़ी हुई आर्थिक मदद, कॉरपोरेट प्रायोजकों की एंट्री और नियमित लीगों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हेडिंग्ले में एक भी मैच नहीं रखे जाने पर भड़के स्टोक्स सहित कई दिग्गज

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स सहित कई अन्य दिग्गजों ने साल 2027 की एशेज सीरीज के कार्यक्रम की आलोचना करते हुए कहा है कि एक भी मैच हेडिंग्ले मैदान में नहीं रखा जाना गलत है। स्टोक्स ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के इस फैसले पर हैरानी जतायी है। उन्होंने कहा कि उत्तरी इंग्लैंड में किसी भी स्थल को शामिल नहीं किये जाने का फैसला समझ से परे है।

स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर अपनी निराशा जतायी। उन्होंने लिखा, शर्मनाक कहना भी इसके लिए कम होगा। सबसे सही शब्द बेतुका कहना रहेगा।

इससे पहले ईसीबी ने घोषणा की थी कि 2027 की एशेज सीरीज ट्रेंट ब्रिज, लॉर्ड्स, एजबेस्टन, रोज बाउल और ओवल में खेली जाएगी। इससे साफ है कि ऐतिहासिक हेडिंग्ले और ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम दोनों को इस सीरीज से बाहर कर दिया गया है, जिससे यहां के क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों को निराशा हुई है।

स्टोक्स से पहले। टेस्ट टीम के कप्तान जो रूट ने भी उत्तरी स्थल को बाहर किए जाने के फैसले की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि हेडिंग्ले में इंग्लैंड का रिकॉर्ड शानदार रहा है, जहां टीम ने लगातार सात टेस्ट मैच जीते हैं, जो उसकी ऐतिहासिक महत्वता को दर्शाता है।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क बुचर ने भी इस फैसले पर सवाल उठाए। बुचर ने कहा, मेरा मानना है कि हैम्पशायर के सबसे बड़े समर्थक को छोड़कर ज्यादातर लोग इस बात से सहमत होंगे कि एशेज जैसी बड़ी सीरीज में देश के हर हिस्से को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, जब इस खेल को पूरे देश का खेल बताया जाता है, तो इंग्लैंड के उत्तरी हिस्से में भी कम से कम एक मैच होना चाहिए। चाहे मैच हेडिंग्ले में हो या ओल्ड ट्रैफर्ड में, इसका फैसला संबंधित अधिकारी करेंगे। हालांकि, मुझे यह हैरान करने वाला लगता है कि अगले साल ट्रेंट ब्रिज को छोड़कर इंग्लैंड के उत्तर में कोई भी एशेज मैच नहीं खेला जाएगा।

ऋषभ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में अर्धशतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब ऋषभ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को भी पीछे छोड़ दिया है। मैच के पहले दिन चोटिल होने के बावजूद, ऋषभ ने दूसरे दिन श्रीलंकाई गेंदबाजों को करारा जवाब दिया।

अपने अर्धशतक के साथ ही ऋषभ ने शुभमन को पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि के साथ ही अब ऋषभ के नाम डब्ल्यूटीसी में कुल 2947 रन हो गए हैं। यह रन उन्होंने 42 मैचों की 74 पारियों में 42 से अधिक की औसत से बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं।

वहीं शुभमन ने भी अर्धशतक लगाया था जिससे उनके रनों की संख्या बढ़कर 2917 तक पहुंच गयी। शुभमन ने यह रन 42 मैचों की 76 पारियों में 42.27 की औसत के साथ बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों की सूची में ऋषभ और शुभमन के अलावा अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा, रवींद्र जडेजा और विराट कोहली भी शामिल हैं। रोहित शर्मा 40 मैचों की 69 पारियों में 41.15 की औसत से 2716 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं, जिसमें उनके 9 शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रवींद्र जडेजा 2675 रनों के साथ चौथे पायदान पर हैं। वहीं, दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली 46 मैचों की 79 पारियों में 35.36 की औसत से 2617 रन बनाकर पांचवें पायदान पर हैं, उनके नाम 5 शतक और 11 अर्धशतक दर्ज हैं।

नाइटक्लब के बाहर हथकड़ी में दिखे ब्राइडन कार्स, इंग्लैंड ने शुरु की जांच

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स को काउंटी क्रिकेट में जीत के बाद जश्न मनाना भारी पड़ता दिख रहा है। इस दौरान हुए झगड़े के बाद का एक वीडियो आया है। इसमें कार्स को डरबी के एक नाइटक्लब के बाहर पुलिस अधिकारियों से घिरे हुए और हाथों में हथकड़ी पहने देखा गया। वायरल हुए इस वीडियो में, कार्स को नाइटक्लब के बाहर उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू पॉट्स और बेन स्टोक्स के साथ देखा गया। पॉट्स इस दौरान उनसे बात करने का भी प्रयास कर रहे थे। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस अधिकारी उन्हें घेरे हुए थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कार्स को हिरासत में लिया गया था पर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि ब्राइडन किस विवाद में फंसे थे।

इस घटना पर इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जांच भी शुरू कर दी है। ईसीबी ने एक बयान जारी कर पुष्टि की है कि उन्हें डरबी में हुई इस घटना की जानकारी है और वे इसके बारे में पता कर रहे हैं। गौरतब है कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए कप्तान जो रूट ने हाल ही में खिलाड़ियों से कहा था कि वे इस प्रकार से काम करें कि दूसरो के लिए आदर्श बनकर उभरें। कार्स इस समय पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड के दल में शामिल हैं, पर उन्हें पहले टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट मैच 27 अगस्त से लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा, इस विवाद के बाद अब शायद ही उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह मिल सके। कार्स ने अब तक इंग्लैंड के लिए 14 टेस्ट मैचों में 58 विकेट जबकि 30 एकदिवसीय मैचों में 34 विकेट और 14 टी20 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

वैभव से भी अधिक असाधारण और अनूठा रहा था पार्थिव पटेल का डेब्यू

एक भी फर्स्ट क्लास मैच खेले बिना ही उतरे थे टेस्ट खेलने

मुम्बई । 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी अंतराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में डेब्यू के बाद से ही छाये हुए हैं। सभी ओर उन्हीं की चर्चाएं हो रही हैं पर भारतीय क्रिकेट इतिहास में ये पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी एक ऐसा डेब्यू हुआ है। ये वैभव से भी अधिक असाधारण और अनूठा था। यह पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का डेब्यू रहा है।

पार्थिव ने साल 2002 में भारतीय टेस्ट टीम में सीधे प्रवेश कर एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया था, जिसे तोड़ना लगभग नामुमकिन सा लगता है। यह इसलिए क्योंकि पार्थिव ने अपने टेस्ट डेब्यू से पहले एक भी फर्स्ट क्लास मैच नहीं खेला था। जी हां, उन्होंने रणजी ट्रॉफी जैसे घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े प्रारूप में बिना कोई मैच खेले ही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। यह अपने आप में एक अविश्वसनीय उपलब्धि थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

उस समय पार्थिव केवल 17 साल के थे और उन्होंने 2002 में ही इंडिया-ए के लिए अपने शानदार प्रदर्शन से तत्कालीन भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को काफी प्रभावित किया था। गांगुली, जो हमेशा युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते थे, उन्होंने पार्थिव के टैलेंट को पहचानते हुए उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे राष्ट्रीय टेस्ट टीम में शामिल करने का फैसला किया। यह दिखाता है कि गांगुली को पार्थिव की क्षमताओं पर कितना विश्वास था।

पार्थिव के नाम आज भी भारत के लिए सबसे कम उम्र में टेस्ट डेब्यू करने वाले विकेटकीपर का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 17 साल 152 दिन की उम्र में यह ऐतिहासिक पदार्पण किया था। भले ही डेब्यू मैच की पहली पारी में वे आठ गेंदें खेलकर शून्य पर आउट हो गए और दूसरी पारी में केवल 19 रन बना सके, लेकिन उनका यह पदार्पण ही अपने आप में एक कहानी थी जो हमेशा याद रखी जाएगी। यह स्कोर उनकी यात्रा की भव्यता को कम नहीं करता।

पार्थिव पटेल का अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही उनकी शुरुआती चमक के अनुरूप बहुत लंबा नहीं खिंच पाया, लेकिन उन्होंने भारतीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपने करियर में कुल 25 टेस्ट मैचों में 6 अर्धशतकों की मदद से 934 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने 38 एकदिवसीय मैचों में 736 रन और 2 टी20 अंतराष्ट्रीय मैचों में 36 रन भी जोड़े।आज जब वैभव जैसे युवा अपनी प्रतिभा से सुर्खियां बटोर रहे हैं, तब पार्थिव का बिना फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेले सीधे टेस्ट टीम में डेब्यू करने का किस्सा भारतीय क्रिकेट के सबसे अनूठे और प्रेरणादायक अध्यायों में से एक के रूप में याद किया जाता है।

ओलंपियन निशानेबाज सरबजोत को देखकर अंबाला में निशानेबाजी का रुझान बढ़ा

अंबाला । हरियाणा के अंबाला शहर में आजकल युवाओं के बीच निशानेबाजी का रुझान बढ़ा है। इसका कारण यहां से निकले निशानेबाज सरबजोत सिंह को पेरिस ओलंपिक में मिली सफलता है। इससे एक समय जहां यहां के युवा पहलवान बनना चाहते थे। वहीं अब निशानेबाज बनना चाहते हैं। इसी कारण अंबाला की विभिन्न निशानेबाजी अकादमियों में बच्चों और युवाओं की भी भीड़ बढ़ रही है। अब यहां के उभरते हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करना चाहते हैं। वहीं अभिभावक भी अपने बच्चों में बढ़ती रुचि को देखते हुए उन्हें निशानेबाज की बारीकियां सीखने के लिए अकादमियों तक लेकर पहुंच रहे हैं। यह दिखाता है कि अब निशानेबाज को केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक सम्मानजनक करियर विकल्प के तौर पर भी देखा जा रहा है। वहीं सरबजोत सिंह के कोच अभिषेक राणा भी अंबाला में अपनी अकादमियों के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को तराशने का काम कर रहे हैं। उनका उद्देश्य सिर्फ खिलाड़ियों को पदक जीतने के लिए तैयार करना ही नहीं, बल्कि उन्हें अनुशासन, एकाग्रता और सही दिशा देना भी है, जो किसी भी खेल और जीवन में सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे मानते हैं कि एक संतुलित दृष्टिकोण ही खिलाड़ियों को लंबी रेस का घोड़ा बनाता है। अभिषेक राणा के कोच रहे बलबीर सिंह का कहना है कि हर बच्चे की क्षमता और रुचि को समझना सबसे पहला कदम होता है। उनके अनुसार, किसी भी खेल में अनुशासन की अहमियत सर्वाधिक होती है और जो खिलाड़ी अपने कोच के निर्देशों को गंभीरता से पालन करते हुए लगातार अभ्यास करता है, वही आगे चलकर बेहतरीन प्रदर्शन कर पाता है। बलबीर सिंह यह भी बताते हैं कि लगभग 10 साल की उम्र के बाद बच्चे निशानेबाजी का अभ्यास कर सकते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच विश्वकप से बाहर हुई, ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंची

एकसटलवीन । भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के ड्रॉ रहने से एफआईएच हॉकी विश्वकप से बाहर हो गयी है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए दूसरे चरण के इस मैच में जीत की जरुरत थी पर मुकाबले के गोलरहित ड्रॉ रहने से उसकी उम्मीदें टूट गयीं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले दौर में पहुंच गयी है

आस्ट्रेलियाई टीम मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद भी इसलिए सेमीफाइनल में पहुंच गयी क्योंकि दोनों टीमों के बराबर 1-1 अंक थे पर गोल औसत और गोल की संख्या में ऑस्ट्रेलियाई टीम आगे थी। पूल चरण में ऑस्ट्रेलिया ने तीन गोल किए थे जबकि भारत ने दो गोल किए थे। अंकों और गोल औसत के बराबर रहने के बाद भी कुल गोलों की संख्या में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से एक गोल आगे रही थी। इसी बड़े अंतर के कारण मुकाबला बराबरी पर रहने के बाद भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को लाभ हुए और वह अंतिम चार में पहुंच गयी। पूल ई से ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी है। वहीं इससे पहले मेजबान टीम नीदरलैंड्स भी अंतिम चार में पहुंच गयी थी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दोनों टीमों ने गोल करने के भरसक प्रयास किए पर कोई भी गोल नहीं कर पायी। दोनो ही पेनल्टी कॉर्नर को भी गोल में बदल नहीं पायी। दूसरे चरण में भारतीय टीम ने कुल तीन मैच खेले, जिनमें से दो मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए, जबकि एक मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा। टीम के बाहर होने का कारण महत्वपूर्ण क्षणों में गोल करने में असमर्थता और निर्णायक बढ़त हासिल न कर पाना रहा है।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी और ब्राइटन की जीत से शुरुआत

लिवरपूल-न्यूकैसल यूनाइटेड मुकाबला बराबरी पर रहा

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल (ईपीएल) में मैनचेस्टर सिटी और ब्राइटन की शुरुआत जीत के साथ हुई है। मैनचेस्टर सिटी ने बोर्नमाउथ को 2-1 से हराया जबकि ब्राइटन ने एस्टन विला को 4-0 से पराजित किया। वहीं लिवरपूल और न्यूकैसल यूनाइटेड के बीच खेला गया एक अन्य मैच 2-2 से बराबरी पर रहा।

मैनचेस्टर सिटी की राह इस मैच में आसान नहीं रही। बोर्नमाउथ के मार्कस टैवर्नियर ने 26वें मिनट में एक पहला गोल कर अपनी टीम को -0 की शुरुआती बढ़त दिला दी, जिससे मैनचेस्टर सिटी पर दबाव बढ़ गया पर , दूसरे हाफ के छह मिनट पहले, मार्क गुएही ने रेयान चेर्की के शानदार कॉर्नर पर हेडर से गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद, इंजरी टाइम के 91वें मिनट में चेर्की ने एक और निर्णायक गोल करके मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से जीत तय की, जिससे टीम ने अपने प्रीमियर लीग अभियान की शानदार शुरुआत की।

वहीं लिवरपूल और न्यूकैसल यूनाइटेड के बीच खेला गया एक बेहद रोमांचक मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा। न्यूकैसल ने एंथनी एलंगा के पांचवें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल की, जिससे लिवरपूल शुरुआती झटके में आ गया। लिवरपूल ने 55वें मिनट में कोडी गैकपो के एरिया के बाहर से किए गए शानदार शॉट से स्कोर 1-1 से बराबर किया। इसके बाद सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी जो विलॉक ने सिर्फ दो मिनट बाद ही गोल करके न्यूकैसल को फिर से 2-1 से आगे कर दिया। मैच के अंतिम क्षणों तक ऐसा लग रहा था कि न्यूकैसल जीत जाएगा, लेकिन स्टॉपेज टाइम के नौवें मिनट में डोमिनिक सोबोस्लाई ने पेनल्टी स्पॉट पर बेहतरीन गोल दागकर स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद, दोनों टीमों ने जीत के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और उन्हें एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। वहीं एक अन्य मुकाबले में, ब्राइटन ने एस्टन विला पर 4-0 की शानदार जीत दर्ज की। मैच के आठवें मिनट में ही एस्टन विला के एक खिलाड़ी ने आत्मघाती गोल दिया। इससे ब्राइटन को बढ़त मिल गयी। मैच के 18वें मिनट में मैक्सिम डी क्यूपर ने ब्राइटन की बढ़त दोगुनी की, जिससे टीम की स्थिति और बेहतर हो गई। इसके बाद, जैक हिंशेलवुड ने महज़ दो मिनट के अंतराल में दो गोल दागकर स्कोर को 4-0 कर दिया उसके बाद अंत तक यही स्कोर रहा।

लोपेज के दो गोल से पाल्मेरास ने वास्को डा गामा को 4-1 से हराया

साओ पाउलो। ब्राजील में जारी सीरी-ए फुटबॉल लीग में मैनुअल लोपेज के दो शानदार गोल से पाल्मेरास फुटबॉल क्लब ने वास्को डा गामा को 4-1 से हराकर शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूतक कर ली है। इस मैच के 47वें मिनट में अर्जेंटीनी स्ट्राइकर लोपेज ने पाल्मेरास की ओर से पहला गोल किया जिससे टीम को शुरुआती बढ़त मिल गयी। इसके विटोर रोके के एक गोल से टीम की बढ़त 2-0 पहुंच गयी। इसके बाद मॉरिसियो के एक गोल से पाल्मेरास की बढ़त 3-0 हो गयी। इससे मेहमान टीम के लिए वापसी की राह असंभव हो गयी। वहीं लोपेज ने मैच समाप्त होने से ठीक एक मिनट पहले अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दागा, जिससे पाल्मेरास की शानदार जीत सुनिश्चित हो गई। वहीं क्षणों में, फाकुंडो कोलिडियो ने वास्को की ओर से एकमात्र गोल किया।

इस जीत के बाद, पाल्मेरास के अब 51 अंक हो गए हैं। इससे वह दूसरे स्थान पर मौजूद फ्लेमेंगो से 6 अंक आगे हो गयी है, हालांकि फ्लेमेंगो का एक मैच अभी बाकी है।

उज्जैन की तर्ज पर नगर में निकाली गई महाकाल की पालकी

श्रद्धालु भक्तों का उमड़ा जनसैलाब, झांकिया रही मुख्य आकर्षण का केंद्र : बाबा महाकाल की शाही सवारी देखने उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

पदमेश न्यूज। बालाघाट। पिछले 3 वर्षों से चली आ रही परंपरा का निर्वहन करते हुए, प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर में उज्जैन की तर्ज पर महाकाल की पालकी यात्रा निकाली गई।महाकाल सेवा समिति द्वारा सावन माह के चौथे सोमवार को चौथे वर्ष बाबा महाकाल की पालकी सोमवार शाम नगर भ्रमण के लिए निकाली गई।जिसमे भारी तादात में श्रद्धालुओं का जनसैलाब नजर आया। उज्जैन में निकलने वाली महाकाल की सवारी की तरह गोंदिया रोड स्थित नये श्रीराम मंदिर से निकाली गई यह महाकाल की पालकी यात्रा राममंदिर से प्रारंभ होकर हनुमान चौक, महावीर चौक, राजघाट चौक से कालीपुतली चौक, आम्बेडकर चौक से गोंदिया रोड होते हुये वापस श्रीराम मंदिर पहुंची। जहां महाकाल पालकी यात्रा का समापन किया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्तों का भारी जनसैलाब इस पालकी यात्रा में शामिल होने व देखने के लिए उमड़ पड़ा। जहां श्रद्धालु भक्तगण डीजे व बैंड की धुन पर थिरकते, झूमते

नाचते गाते और भगवान की भक्ति में लीन नजर आए।

बैंड बाजे व आकर्षक झांकियों के साथ नगर भ्रमण के लिए निकले महाकाल

उज्जैन की तर्ज पर शहर मुख्यालय में बाबा महाकाल की शाही सवारी निकाली गई।इस दौरान शिव भक्तों का श्रृंगार, नृत्य और हैरत अंगेज करतबों ने लोगों का ध्यान खींचा। महाकाल सेवा समिति द्वारा पहले विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर फूलों से पालकी सजाई गई, जिस पर बाबा महाकाल को विराजित किया गया।इस यात्रा का शहर भ्रमण कराया गया। शिवजी के भक्ति गीतों के बीच बाबा महाकाल के भक्त नृत्य करते हुए आगे बढ़े।हालांकि,करीब एक घंटे देरी से निकली शाही सवारी के बावजूद श्रद्धालु भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ और यह यात्रा अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ती रही।

बाबा महाकाल को चढ़ाया गया 56 भोग

नगर भ्रमण के बाद जैसे ही यह पालकी यात्रा समापन के लिए नए राम मंदिर पहुंची, वैसे ही भगवान जगन्नाथ के जयघोष के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कराए गए।इस दौरान बाबा महाकाल को 56 भोग चढ़ाया गया। तो वही उज्जैन की तर्ज पर ही श्रद्धालुओं द्वारा महाआरती की गई। इस अवसर पर महाप्रसाद भंडारा का भी वितरण किया गया।जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भंडारा और महाप्रसाद ग्रहण किया।

महाकाल के जय घोष से गूंजा शहर

बाबा महाकाल की पालकी को भक्तजन अपने कांधे पर लेकर पैदल बाबा महाकाल व बम बम भोले के जयकारे लगाते हुये चल रहे थे। इस दौरान युवाओं की टीम द्वारा नगाडों व झांझ करतार बजाते हुये शहर के प्रमुख चौक चौराहों में सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति भी दी। इस दौरान भगवान भोलेनाथ की झांकी भी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। महाकाल की पालकी में शामिल युवा पुरुष माता बहने सहित हर कोई महाकाल का जयघोष करते नजर आया जहां बाबा महाकाल के नारों से शहर गूंज उठा।

आगामी समय मे और भव्य रूप से किया जाएगा कार्यक्रम-

महाकाल सेवा समिति के सेवादार व सदस्यो ने बताया कि इस बार खासतौर पर आकर्षक झांकिया बनाई गई है।शोभायात्रा की तैयारियां पिछले कई दिनों से शुरू कर दी गई थी।सावन मास के अंतिम सोमवार के इस आयोजन को भव्य और भक्तिमय रूप दिया गया है।आगामी वर्ष इस कार्यक्रम को और अधिक भव्य रूप प्रदान किया जाएगा।इस दौरान विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, और सनातन सभा सहित विभिन्न हिन्दुवादी संगठनों के पदाधिकारी सदस्य व महाकाल भक्त बड़ी संख्या में शामिल रहे।

आपसी विवाद में 25 वर्षीय युवक घायल अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के गांधी चौक क्षेत्र में आपसी विवाद का एक गंभीर मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 9 अयोध्या बस्ती निवासी 25 वर्षीय आदर्श पिता मंगल शेखपुरी नगर पालिका हाजिरी लगाने गया था जहां पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पीड़ित आदर्श शेखपुरी का माझला नामक व्यक्ति से विवाद हो गया। घटना वाले दिन वह नगर पालिका हाजिरी लगाने के बाद गांधी चौक पहुंचा था। जहां उसका आपसी चर्चा के बाद विवाद हो गया जिसमें मंझला ने अपने साथी के साथ मिलकर उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते उस पर घातक हमले का प्रयास किया। इस

वारदात में आदर्श को गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने घायल व्यक्ति को तत्काल थाना वारासिवनी में लाकर मामले की शिकायत करी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सहायक उप निरीक्षक धनेश वल्के पुलिस बल के साथ घायल को लेकर अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने अस्पताल में घायल के उपचार के बाद पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। चर्चा में घायल आदर्श शेखपुरी ने बताया कि मैं नगर पालिका हाजिरी लगाने के लिए गया हुआ था जहां से चौक पर आया तो वहां मंझला से किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद करीब सात लोगों के द्वारा मेरे साथ हाथापाई शुरू कर दी गई। मुझे सरिया वह अन्य चीजों से मारा गया है इस घटना में बहुत से लोग शामिल थे।

स्वास्थ्य विभाग ने श्रावण के अंतिम सोमवार को किया भंडारा, मरीजों को बांटी दैनिक उपयोग की सामग्री

पद्मेश न्यूज। लांजी। पवित्र श्रावण मास के चतुर्थ एवं अंतिम सोमवार, 24 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग लांजी द्वारा सेवा और मानवता की भावना के साथ अस्पताल के मुख्य द्वार पर भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में अस्पताल आने वाले मरीजों के परिजनों, श्रद्धालुओं एवं अन्य लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के दौरान स्वास्थ्य विभाग के नियमित एवं संविदा अधिकारियों-कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान करते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को लांजी सहित क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन एवं पूजन के लिए पहुंचे। इसी अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा भंडारे का आयोजन कर सेवा का संदेश दिया गया। विभागीय कर्मचारियों ने क्षेत्रवासियों के अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की

कामना की। इसी क्रम में बिरसा विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्रों से उपचार के लिए लांजी अस्पताल पहुंचे बच्चों एवं अन्य मरीजों तथा पोषण एवं पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री एवं खिलौनों का वितरण किया गया। सामग्री मिलने पर बच्चों और उनके परिजनों के चेहरे पर खुशी नजर आई। वहीं, अस्पताल के एक्स-रे विभाग के कर्मचारियों द्वारा भी सेवा भावना का परिचय देते हुए भर्ती बच्चों को कपड़े एवं फल वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य उपचाररत बच्चों का उत्साह बढ़ाने के साथ उन्हें अपनत्व और सहयोग का भाव प्रदान करना रहा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी विभाग का महत्वपूर्ण दायित्व है। श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित यह सेवा कार्य इसी भावना का प्रतीक है।

अंतिम सावन सोमवार को भी बम बम भोले से गुंजे शिवालय

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन के अंतिम सावन सोमवार पर नगर के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना की। जहा अंतिम सावन सोमवार पर सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे। जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र आदि अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई।वही नगर के सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूँज उठे शिवालय

सावन महीने के अंतिम सोमवार को नगर के तमाम शिवालयों में श्रद्धालुओ की खासी भीड़ नजर आई। जहा सुबह से लेकर देर शाम तक हर-हर महादेव, जय ओम शिवकारा की गूंज सुनाई दी। अल सुबह से ही श्रद्धालुओं

की मंदिरों में खासी भीड़ रही।वहीं शिव मंदिरों के साथ अन्य मंदिरों पर भी दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा है। जहा भक्तो द्वारा शिवलिंग का दूध और जल से अभिषेक किया गया। वही शिवलिंग को पुष्प, बेल पत्र, आंक, धतूरे से सजाकर महाआरती की गई।इस दौरान मंदिरों में घंटी, घडियाल, शंख व झालर के बीच भोलेनाथ के उद्घोष से माहौल भक्तिमय बना रहा।भक्तिमय माहौल का यह नज़ारा नगर के शंकरघाट, बूढ़ी शिव मंदिर, बैहर चौकी समीप स्थित शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में देखा गया।जहा इन सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जहा कई श्रद्धालु भक्तो द्वारा पंडितों की मौजूदगी में शिव महाभिषेक, महामृत्युंजय के जाप और रुद्राभिषेक किया।वही पंडितों के द्वारा शिव महापुराण पाठ कराकर रात्रि को भगवान भोले की भक्ति में जगराता किया गया।

कावड़ यात्रा में झूमते दिखे भक्तगण

सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना करने का अलग ही महत्व है। शास्त्रों के अनुसार इस माह भोलेनाथ की पूजा अर्चना कावड़ यात्रा निकाल जल चढ़ाने से भगवान प्रसन्न होते है। यही वजह है कि पिछले 3 सोमवार की तरह ही चौथे व अंतिम सावन सोमवार को भी कावडियों की पैदल यात्रा, जल चढ़ाने के लिए शिवालयों की ओर जाते नजर आई। नगर के विभिन्न स्थानों से निकाली गई यह कावड़ यात्रा,खास तौर पर शंकरघाट पहुंचकर कावड़ में जलभर शिवलिंग का जलाभिषेक करती दिखाई दी। है।वही शहर के कुछ कावड़िए पैदल लांजी कोटेश्वर धाम के लिए भी रवाना होते दिखाई दिए।

पुख्ता नजर आई सुरक्षा व्यवस्था

सावन का अंतिम सोमवार होने और मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ होने के चलते, नगर के तमाम शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम देखने को मिले। जहां किसी भी अनहोनी को रोकने और भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस व्यवस्था मुस्तैद नजर आई। जहां सभी मंदिरों में महिला और पुरुष पुलिसकर्मी श्रद्धालु भक्तों को सुरक्षा प्रदान करते दिखाई दिए।जिसके चलते भारी भीड़ होने के बावजूद भी शांतिपूर्ण तरीके से श्रद्धालु भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

आरक्षण खत्म करने की मांग करने वालों पर हो देशद्रोह की कार्रवाई- रामदास आठवले

नई दिल्ली । केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने आरक्षण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की मांग करने वालों के खिलाफ देशद्रोह जैसी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। आठवले ने आरक्षण को वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताते हुए इसके खिलाफ उठने वाली आवाजों पर कड़ा रुख अपनाया। रामदास आठवले ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को संविधान के तहत आरक्षण का अधिकार मिला हुआ है। ऐसे में इस व्यवस्था को समाप्त करने की मांग करना सामाजिक न्याय के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि आरक्षण ने लंबे समय से समाज के उन वर्गों को शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो ऐतिहासिक रूप से पिछड़े रहे हैं। आठवले ने यह बयान आरक्षण को लेकर देश में जारी राजनीतिक बहस के बीच दिया है।

बैनगंगा पुल पर गड्ढों का जाल : हर साल मरम्मत फिर भी नहीं सुधरती सड़क

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगे वारासिवनी मार्ग की बदहाल स्थिति ने एक बार फिर जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रेलवे ओवरब्रिज के बाद बैनगंगा नदी के पुल से लेकर गर्रा स्थित अवंतीबाई चौक तक सड़क जगह जगह से उखड़ चुकी है। पुल के ऊपर बने बड़े बड़े और गहरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी के साथ साथ हादसे का कारण भी बन रहे हैं।

पुल पर सबसे ज्यादा खराब हालत

बैनगंगा नदी के पुल के ऊपर सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। सीमेंट-कंक्रीट से बनी सड़क कई जगह से टूटकर उखड़ चुकी है और उसमें गहरे गड्ढे बन गए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों के लिए पुल से गुजरना खासा जोखिम भरा हो गया है।

हर साल भरते हैं गड्ढेफिर उखड़ जाती है सड़क

इस मार्ग की बदहाली हर साल

बरसात में सामने आती है। गड्ढे होने के बाद संबंधित विभाग द्वारा उनकी मरम्मत कर खानापूर्ति कर दी जाती है लेकिन कुछ ही समय बाद सड़क दोबारा उखड़ने लगती है। वर्षों से यही सिलसिला चल रहा है। अस्थायी मरम्मत के बजाय सड़क की मजबूती और गुणवत्ता पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

छात्राओं और दोपहिया चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी

वारासिवनी रोड से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग जिला मुख्यालय आवागमन करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई के लिए बालाघाट आने वाली छात्राओं सहित साइकिल और मोटरसाइकिल चालकों को खराब सड़क के कारण सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। गड्ढों से बचने के दौरान वाहनों के असंतुलित होने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

अवंतीबाई चौक से रेलवे ओवरब्रिज तक भी बदहाल मार्ग

गर्रा के अवंतीबाई चौक से रेलवे ओवरब्रिज के बीच का मार्ग भी कई स्थानों पर खस्ताहाल हो चुका है। यातायात हाईवे पुलिस चौकी के सामने से गुजरने वाले इस मार्ग पर सड़क की खराब स्थिति साफ दिखाई देती है। जगह जगह उभरे गड्ढे और उखड़ी सड़क आवागमन में बाधा बन रहे हैं।

बरसात आते ही खुल जाती है व्यवस्था की पोल

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बरसात शुरू होते ही सड़क की गुणवत्ता और मरम्मत व्यवस्था की पोल खुल जाती है। हर साल गड्ढे भरने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। नागरिकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि बैनगंगा पुल और वारासिवनी रोड के क्षतिग्रस्त हिस्से की स्थायी और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराई जाए ताकि हर साल बारिश में लोगों को परेशानी और दुर्घटना के खतरे का सामना न करना पड़े।

मधुमक्खियों के हमले में दो बहनें घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सत्संग से साइकिल से घर लौट रही दो बहनों पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। घटना में दोनों बहनें घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। घटना लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम बिरसोला और मोहगांव के बीच की है। दोनों बहने जिनमे कामिनी पिता नंदकिशोर नगपुरे 17 वर्ष और उनकी छोटी बहन अर्चना नगपुरे 14 वर्ष ग्राम मोहगांव निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 अगस्त को कामिनी नगपुरे अपनी छोटी बहन अर्चना नगपुरे के साथ साइकिल मे ग्राम बिरसोला में आयोजित सत्संग में शामिल होने गई थीं। सत्संग समाप्त होने के बाद शाम करीब 4 बजे दोनों बहनें साइकिल से अपने गांव मोहगांव लौट रही थीं। इसी दौरान बिरसोला और मोहगांव के बीच अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने दोनों पर हमला कर दिया और उन्हें काटने लगीं।मधुमक्खियों के हमले से दोनों बहनें घबरा गईं और चिल्लाने लगीं। उनकी आवाज सुनकर धर्मेंद्र नगपुरे मौके पर पहुंचे और मधुमक्खियों को भगाया। इसके बाद दोनों घायल बहनों को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार किया। बताया गया है कि कामिनी नगपुरे बालाघाट कॉलेज में प्रथम वर्ष की छात्रा हैं जबकि उनकी छोटी बहन अर्चना गांव में कक्षा दसवीं की पढ़ाई कर रही हैं। उपचार के बाद दोनों की स्थिति सामान्य बताई गई है।

प्रशांत विहार में फर्जी सीबीआई रेड के आरोप में सात लोग गिरफ्तार

-नकली वर्दी, फर्जी आईडी कार्ड और 8 मोबाइल फोन बरामद -8 लोगों की टीम बनकर घर पहुंचा था गिरोह

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने प्रशांत विहार इलाके में सरकारी जांच एजेंसी के अधिकारियों के नाम पर कथित फर्जी छापेमारी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से आठ मोबाइल फोन, सीबीआई के मोनोग्राम वाले कपड़े और कथित फर्जी पहचान पत्रों से जुड़े स्क्रीनशॉट बरामद किए गए हैं। पुलिस को आरोपियों के मोबाइल से दिल्ली और मुंबई में हुई कुछ अन्य कथित फर्जी रेड के वीडियो भी मिले हैं।

पुलिस के मुताबिक मामला 11 अगस्त 2026 की रात करीब 10 बजे का है। करीब आठ लोग, जिनमें छह पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं, प्रशांत विहार स्थित शिकायतकर्ता के घर पहुंचे थे। आरोप है कि सभी ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताया और करीब डेढ़ घंटे तक घर के बाहर रहकर परिवार पर दबाव बनाने की कोशिश की।

वारंट मांगा तो देने लगे धमकी

शिकायतकर्ता और उसकी मां ने कथित टीम से सर्च वारंट या अधिकृत दस्तावेज दिखाने को कहा। आरोप है कि इसके बाद उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास किया गया। इसी दौरान पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए। स्थिति बदलती देख आरोपियों ने दावा किया कि शिकायतकर्ता के पिता के नाम पर कोई नोटिस जारी हुआ है और वह उनकी गाड़ी में रखा है। नोटिस लेने की बात कहकर वे वहां से चले गए। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता के पिता के मोबाइल पर एक कथित सीबीआई नोटिस भी भेजा गया था। बाद में मूल संदेश डिलीट कर दिया गया, लेकिन उसका स्क्रीनशॉट सुरक्षित रह गया।

19 अगस्त को हुई एफआईआर

प्रशांत विहार थाने में 19 अगस्त को एफआईआर नंबर 238/2026 दर्ज की गई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 308(2), 351(2) और 61(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू

की। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के संगठित तरीके से काम करने का संदेह हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पूजा अग्रवाल, आसिफा (29), कुलदीप शर्मा (63), चंदर प्रकाश शर्मा (38), शुभम उर्फ गोलू (25), राजवीर सिंह (21) और नितिन शर्मा (30) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक सभी की भूमिका अलग-अलग थी।

पहले टारगेट की जानकारी जुटाने का आरोप

पुलिस के अनुसार आसिफा ने पूजा के साथ मिलकर कथित कार्रवाई का समन्वय किया और लक्ष्य बनाए गए परिवार से जुड़ी जानकारी जुटाई। पूजा पहले बार और रेस्टोरेंट में सिंगर के रूप में काम कर चुकी है। आरोप है कि उसने अपने जीजा चंदर प्रकाश से संपर्क कर कथित रेड के लिए लोगों को जुटाया। पुलिस के मुताबिक पूर्व बैंक कर्मचारी कुलदीप शर्मा पर शिकायतकर्ता, उसके पते और घर में संभावित नकदी या कीमती सामान से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने का आरोप है। वहीं चंदर प्रकाश पर फर्जी सीबीआई अधिकारियों की टीम तैयार करने का आरोप है। उसके पास से सीबीआई मार्क वाले कपड़ों और कथित फर्जी पहचान पत्रों की तस्वीरें मिलने की बात पुलिस ने कही है।

हर रेड के लिए पैसे मिलने का दावा

पुलिस के अनुसार शुभम, राजवीर और नितिन कथित फर्जी रेड में सीधे तौर पर शामिल थे। पूछताछ में शुभम ने कथित तौर पर बताया कि उसे आसिफा और चंदर प्रकाश की ओर से हर कार्रवाई के लिए पैसे मिलते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में और कितने लोग शामिल हैं।

ईडी के नाम पर भी निशाना बनाने का शक

प्रारंभिक जांच के मुताबिक आरोपी पिछले 3-4 महीने से इस तरह की गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। पुलिस का आरोप है कि गिरोह पहले संभावित लक्ष्य की जानकारी जुटाता था और फिर सरकारी एजेंसी का अधिकारी बनकर घर पहुंचता था। फर्जी आईडी और दस्तावेज दिखाकर परिवार को डराने के बाद पैसे या कीमती सामान हासिल करने की कोशिश की जाती थी। पुलिस को आरोपियों के मोबाइल फोन से कई वीडियो मिले हैं। इनके आधार पर दिल्ली और मुंबई में हुई कुछ अन्य कथित फर्जी रेड के सुराग मिले हैं। पुलिस को यह भी शक है कि गिरोह सीबीआई के अलावा ईडी और अन्य सरकारी एजेंसियों के अधिकारी बनकर भी लोगों को निशाना बनाता था।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जहरीली वस्तु के सेवन से एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जहरीली वस्तु के सेवन से जिला अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई।मृतक गजेंद्र पिता ज्ञानदास गनवीर 48 वर्ष ग्राम धारापुरी थाना हट्टा निवासी बताए गए हैं। जिला अस्पताल पुलिस में इस

व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस व्यक्ति ने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन किया स्पष्ट नहीं पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गजेंद्र गनवीर खेती किसानी करता था ।जिसके परिवार में एक बेटी और पत्नी है। पत्नी मानसिक रूप से स्वस्थ है। बताया गया कि 23 अगस्त को 12-30 बजे गजेंद्र अपने घर में अचेत अवस्था में था और उसके मुंह से झाग निकल रही थी। जिसे परिजनों ने जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किये थे। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने गजेंद्र का शव शाम होने की वजह से पंचनामा कार्यवाही के बाद जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे। 24 अगस्त को सुबह गजेंद्र का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। गजेंद्र के द्वारा किसी जहरीली वस्तु का सेवन किया जाना बताया जा रहा है किंतु उसने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन किया स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर इस मामले को आगे की कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच हट्टा पुलिस द्वारा की जायेगीं।

आदिवासी बच्चों की मौत पर भड़का छात्र संगठन, स्वास्थ्य मंत्री का पुतला फूंका

एनएसयूआई ने सरकार पर आंकड़े छिपाने का लगाया आरोप, मृत बच्चों के परिजनों को 50-50 लाख मुआवजा देने की मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

आदिवासी बैगा अंचल में मासूम बच्चों की मौत के मामले को लेकर अब छात्र संगठन भी सड़क पर उतर आया है। सोमवार 24 अगस्त को दोपहर करीब 1 बजे एनएसयूआई ने स्थानीय पीजी कॉलेज के सामने प्रदर्शन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आदिवासी परिवारों की अनदेखी का आरोप लगाया। हालांकि पुतला दहन शुरू होते ही पुलिस ने हस्तक्षेप कर उसे बुझा दिया, जिसके चलते स्वास्थ्य मंत्री का पुतला पूरी तरह नहीं जल पाया।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष शिवम शर्मा सहित सोमेंद्र और ऋषभ ने कहा कि आदिवासी बैगा बच्चों की लगातार हो रही मौतें बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों की मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है, लेकिन सरकार वास्तविक स्थिति को सामने लाने के बजाय आंकड़ों को छिपाने का प्रयास कर रही है। छात्र संगठन ने कहा कि यह केवल स्वास्थ्य विभाग का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी अंचल में वर्षों से चली आ रही मूलभूत सुविधाओं की कमी का परिणाम है। छात्र नेताओं ने कहा कि कुछ दिन पहले सरकार के मंत्री प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे थे, लेकिन सभी पीड़ित परिवारों तक पहुंचने के बजाय केवल कुछ परिवारों से चर्चा कर वापस लौट गए। उनका आरोप है कि मंत्री का दौरा महज औपचारिकता बनकर रह गया। उन्होंने कहा कि जब इतने गंभीर मामले में बच्चों की जान जा रही हो तो प्रत्येक पीड़ित परिवार से मिलकर उनकी समस्याएं सुनना और तत्काल राहत पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है। एनएसयूआई ने मांग की कि जिन परिवारों ने अपने मासूम बच्चों को खोया है, उन्हें 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। छात्र संगठन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मृत बच्चों के परिजनों को उचित सहायता राशि नहीं दी तो संगठन भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेगा। छात्र नेताओं ने कहा कि सोमवार को किया गया पुतला दहन आंदोलन की शुरुआत है और आने वाले दिनों में सरकार के खिलाफ इससे बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान सुमेध ने कहा कि बालाघाट जिले से सरकार को खनिज और अन्य माध्यमों से लगातार राजस्व प्राप्त होता है, लेकिन जिस आदिवासी क्षेत्र से यह राजस्व आता है, वहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव क्यों बना हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मंत्री और विधायक इस क्षेत्र के विकास के लिए अपनी निधि और संसाधनों का पर्याप्त उपयोग क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी अंचल में स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा, पोषण और अन्य जरूरी सुविधाओं को मजबूत कर क्षेत्र का समुचित विकास किया जाना चाहिए। छात्र संगठन ने आरोप लगाया कि यदि सरकार समय रहते आदिवासी अंचल की स्वास्थ्य व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान देती तो हालात इतने गंभीर नहीं होते। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि बच्चों की मौत के पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी अधिकारी या विभाग की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता और आवश्यक सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। पीजी कॉलेज के सामने हुए प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में छात्र और छात्र संगठन से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। पुतला दहन के दौरान पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुतले को पूरी तरह जलने से रोक दिया। इसके बाद भी छात्र नेताओं ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी जारी रखी और सरकार को चेतावनी दी कि यदि आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

हत्या और लूट के सनसनीखेज मामले में आरोपी केवल लिल्हारे को उम्रकैद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हत्या और लूट के सनसनीखेज मामले में एक आरोपी को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। यह आरोपी केवल उर्फ हगरिया पिता बालाराम लिल्हारे 28 वर्ष ग्राम मुरझड़ थाना लालबर्रा निवासी है। बालाघाट के विद्वान द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश दीप नारायण सिंह की विद्वान अदालत ने इस आरोपी को उम्र कैद के अलावा 11हजार अर्थदंड से भी दंडित किये है। यह सनसनीखेज वारदात 3 वर्ष पहले 7 फरवरी 2023 की रात्रि में हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बटकरी में घटित की गई थी। जहां एक महिला की हत्या करने के बाद उसके जेवरात नगदी रुपए और मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई थी। अदालत ने इस मामले से एक अन्य आरोपी इंद्रजीत बसेने 30 वर्ष ग्राम छोटा जागपुर थाना भरवेली निवासी को दोष मुक्त किये है। अभियोजन के अनुसार 8 फरवरी 2023 को हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बटकरी में शालू उर्फ निर्मला कोसरे का शव बरामद किया गया था। जिसकी हत्या गला घोट कर और सर में पत्थर पटक कर की गई थी।हत्या करने के बाद मंगलसूत्र कान के बाले, चांदी की पैरपट्टी, चांदी का करधन, सोने का हार, एक अंगूठी, एक सोने का पेंडल और नगदी करीब 600 के अलावा इस महिला के पति की मोटरसाइकिल लूट लिये थे। इस वारदात को 7 फरवरी की रात्रि में अंजाम दिया गया था।8 फरवरी 2023 को हट्टा पुलिस ने महिला का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिए और मर्ग जांच उपरांत अपराध क्रमांक 17/ 2023 में धारा 302 460 380 भादवि के तहत अपराध पंजीबद कर विवेचना की जा रही थी। इसी दौरान 26 अप्रैल 2023 को लालबर्रा पुलिस ने अपने थाने के अपराध क्रमांक 145 /2023 धारा 457 380 भादवि के तहत दर्ज चोरी के मामले में केवल उर्फ हगरिया लिल्हारे ने अपने मेमोरेंडम में हट्टा थाने के ग्राम बटकरी महिला शालू उर्फ निर्मल कोसरे से लूट और हत्या की घटना को स्वीकार किया। जिसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर अपने साथी इंद्रजीत बसेने के साथ मिलकर महिला निर्मला कोसरे की हत्या कर उसके गहने और मोटरसाइकिल की लूट करना और गहने आपस में बांटने और प्राप्त गहने को राजेश सोनी की दुकान में गिरवी रखना बताएं। इसके बाद पुलिस ने लूट कर गिरवी रखे गए जेवरात के अलावा मोटरसाइकिल केवल लिल्हारे के घर से बरामद की गई वही इंद्रजीत को गिरफ्तार करके उसके घर से लूटे गए जेवरात बरामद किये थे । इस मामले में गिरफ्तार केवल उर्फ हगरिया लिल्हारे और इंद्रजीत बसेने को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिए गए थे वहीं विवेचना अनुसंधान उपरांत हट्टा थाना प्रभारी विजय सनस द्वारा धारा 302,460,380,404 भादवि के तहत अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किया गया था। यह मामला विद्वान अपर सत्र न्यायाधीश दीप नारायण सिंह की अदालत में चला। विद्वान अदालत में चलते इस मामले में अभियोजन पक्ष आरोपी केवल उर्फ हगरिया लिल्हारे के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा ।जिसके परिणाम स्वरुप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए अपने विवेचन और निष्कर्ष और उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आरोपी केवल उर्फ हगरिया लिल्हारे को धारा 302 भादवि के तहत अपराध मे आजीवन कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 460 भादवि के तहत अपराध मे 7 वर्ष की सश्रम कारावास और 5 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 380 भादवि के तहत अपराध में 3 वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रुपये अर्थदंड, धारा 404 भादवि के तहत अपराध में 1 वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रुपये अर्थदंड से दंडित किये।इस मामले में अभियोजन की ओर से अपर लोग अभियोजक प्रदीप सोनी द्वारा प्रभावी पैरवी की गई थी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट